License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

भजन संहिता 1:1

धन्य मनुष्य कहाँ नहीं चलता है?

वह मनुष्य दुष्टों की योजना पर नहीं चलता है।

भजन संहिता 1:1 (#2)

धन्य मनुष्य कहाँ नहीं खड़ा होता है?

वह पापियों के मार्ग में खड़ा नहीं होता है।

भजन संहिता 1:1 (#3)

धन्य मनुष्य कहाँ नहीं बैठता है?

वह ठट्ठा करनेवालों की मण्डली में नहीं बैठता है।

भजन संहिता 1:2

धन्य मनुष्य किससे प्रसन्न रहता है?

वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है।

भजन संहिता 1:2 (#2)

धन्य मनुष्य व्यवस्था पर कब ध्यान करता रहता है?

वह व्यवस्था पर रात-दिन ध्यान करता रहता है।

भजन संहिता 1:3

धन्य मनुष्य किसके समान होता है?

वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती पानी की धाराओं के किनारे लगाया गया है।

भजन संहिता 1:3 (#2)

जो कुछ वह पुरुष करे उसमें वह क्या होता है?

जो कुछ वह पुरुष करे उसमें वह सफल होता है।

भजन संहिता 1:4

दुष्ट लोग कैसे होते हैं?

वे उस भूसी के समान होते हैं, जो पवन से उड़ाई जाती है।

भजन संहिता 1:5

दुष्ट लोग अदालत में कैसे रहेंगे?

दुष्ट लोग अदालत में स्थिर न रह सकेंगे।

भजन संहिता 1:6

धर्मियों का मार्ग कौन जानता है?

धर्मियों का मार्ग यहोवा जानता है।

भजन संहिता 1:6 (#2)

दुष्टों का मार्ग क्या हो जाएगा?

दुष्टों का मार्ग नाश हो जाएगा।

भजन संहिता 2:2

हाकिम आपस में किसके विरुद्ध षड्यंत्र रच रहे हैं?

वे यहोवा और उनके अभिषिक्त के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहे हैं।

भजन संहिता 2:3

हाकीम क्या तोड़कर और क्या फेंक देना चाहते हैं?

वे यहोवा के और उसके अभिषिक्त के बन्धन को तोड़ डालना चाहते हैं और उनकी रस्सियों को उतार कर फेंक देना चाहते हैं।

भजन संहिता 2:4

स्वर्ग में कौन विराजमान है और जो विद्रोह करनेवाली जातियों को उपहास में उड़ाएगा?

प्रभु स्वर्ग में विराजमान है और प्रभु उनको उपहास में उड़ाएगा।

भजन संहिता 2:6

प्रभु ने किसको राजगद्दी पर नियुक्त किया है?

प्रभु ने अपने चुने हुए राजा को अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर नियुक्त किया है।

भजन संहिता 2:7

यहोवा ने लेखक से क्या कहा?

यहोवा ने लेखक से कहा, "तू मेरा पुत्र है; आज मैं ही ने तुझे जन्माया है।"

भजन संहिता 2:8

यहोवा जाति-जाति के लोगों को और दूर-दूर के देशों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उन्हें एक संपत्ति और निज भूमि बनने के लिये उन्हें दे देंगे।

भजन संहिता 2:9

जाति-जाति के लोगों के साथ क्या होगा?

वे टुकड़े-टुकड़े हो जाएँगे और चकनाचूर भी हो जाएँगे।

भजन संहिता 2:11

राजाओं और शासकों को यहोवा के आज्ञा पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए?

उन्हें डरते हुए यहोवा की उपासना करनी चाहिए और काँपते हुए मगन होना चाहिए।

भजन संहिता 2:12

राजाओं को यहोवा के पुत्र से कैसा व्यवहार करना चाहिए?

उन्हें पुत्र को चूमना चाहिए तभी यहोवा उन पर क्रोध नहीं करेंगे, और वे मार्ग में नाश भी नहीं होंगे।

भजन संहिता 2:12 (#2)

जो लोग पुत्र में शरण लेते हैं, वे क्या होते है?

वे धन्य हैं।

भजन संहिता 3:1

दाऊद के सतानेवाले क्या हो गए हैं?

वे बढ़ गए हैं और उसके विरुद्ध उठते हैं।

भजन संहिता 3:3

यहोवा दाऊद के लिए क्या हैं?

यहोवा उनके चारों ओर एक ढाल हैं, उनकी महिमा हैं, और वही हैं जो उनके मस्तक का ऊँचा करनेवाले हैं।

भजन संहिता 3:4

जब दाऊद ऊँचे शब्द से यहोवा को पुकारते हैं, तो यहोवा क्या करते हैं?

यहोवा अपने पवित्र पर्वत पर से उन्हें उत्तर देते हैं।

भजन संहिता 3:6

यहोवा की सुरक्षा के कारण दाऊद किससे नहीं डरते?

दाऊद उस भीड़ से नहीं डरते जो उनके विरुद्ध चारों ओर पाँति बाँधे खड़े हैं।

भजन संहिता 3:7

यहोवा दाऊद के शत्रुओं के साथ क्या करेंगे?

यहोवा दाऊद के सब शत्रुओं के जबड़े पर मारेंगे; और वह दुष्टों के दाँत को तोड़ डालेंगे।

भजन संहिता 3:8

उद्धार किसकी ओर से होता है?

उद्धार यहोवा ही की ओर से होता है।

भजन संहिता 4:1

जब दाऊद पुकारते हैं, तो वह किसे उत्तर देने के लिए कहते हैं?

दाऊद अपने धर्ममय परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि जब वह पुकारें तो परमेश्वर उन्हें उत्तर दें।

भजन संहिता 4:2

मनुष्य दाऊद के महिमा का क्या कर रहे हैं?

वे उनकी महिमा का अनादर कर रहे हैं।

भजन संहिता 4:3

यहोवा किन्हें अपने लिए अलग करते हैं?

वह भक्त को अपने लिए अलग करते हैं।

भजन संहिता 4:4

दाऊद ने ध्यान करने के लिए क्या कहा?

वे कहते हैं, "अपने-अपने बिछौने पर मन ही मन में ध्यान करो और चुपचाप रहो।"

भजन संहिता 4:5

दाऊद किस प्रकार के बलिदान चढ़ाने की चर्चा करते हैं?

वह कहते हैं कि धार्मिकता के बलिदान चढ़ाओ।

भजन संहिता 4:5 (#2)

दाऊद किस पर भरोसा करने के लिए कहते हैं?

वह यहोवा पर भरोसा करने के लिए कहते हैं।

भजन संहिता 4:6

बहुत से है जो क्या कहते हैं?

बहुत से हैं जो कहते हैं, "कौन हमको कुछ भलाई दिखाएगा?"

भजन संहिता 4:6 (#2)

दाऊद यहोवा से क्या चमकाने को कहते हैं?

वह यहोवा से करते हैं कि वह अपना मुख का प्रकाश उन पर चमकाएँ।

भजन संहिता 4:7

यहोवा ने दाऊद के मन में क्या भर दिया है?

यहोवा ने उनके हृदय को अन्य लोगों की तुलना में अधिक आनन्द से भर दिया है, जो अन्य लोगों को अन्न और दाखमधु की बढ़ती से होता है।

भजन संहिता 4:8

जब दाऊद शान्ति से लेट जाते है और सो जाते हैं, तो उन्हें निश्चिन्त कौन रहने देता है?

केवल यहोवा ही दाऊद को निश्चिन्त रहने देते हैं।

भजन संहिता 5:1

दाऊद किससे अपने वचनों पर कान लगाने और अपनी कराहने की ओर ध्यान लगाने के लिए कह रहे हैं?

दाऊद यहोवा से कह कर रहे हैं कि वे उनके वचनों पर कान लगाएँ; और उनके कराहने की ओर ध्यान लगाएँ।

भजन संहिता 5:2

दाऊद उस व्यक्ति के लिए कौन से नामों का प्रयोग करता है जो उनकी दुहाई पर ध्यान देते हैं?

दाऊद उन्हें "मेरे राजा और मेरे परमेश्वर" कहते हैं।

भजन संहिता 5:3

दाऊद भोर को क्या करेंगे?

वे अपनी वाणी यहोवा को सुनाएँगे और प्रार्थना करके बाट जोहते रहेंगे।

भजन संहिता 5:4

परमेश्वर क्या नहीं है?

वह दुष्टता से प्रसन्न नहीं होते हैं, और बुरे लोग उनके साथ नहीं रह सकते हैं।

भजन संहिता 5:5

परमेश्वर के सम्मुख में कौन खड़ा होने न पाएँगे?

घमण्डी परमेश्वर के सम्मुख खड़े होने न पाएँगे।

भजन संहिता 5:5 (#2)

परमेश्वर किन चीजों से घृणा करते हैं?

परमेश्वर सब अनर्थकारियों से घृणा है।

भजन संहिता 5:6

परमेश्वर झूठ बोलने वालों के साथ क्या करेंगे?

जो झूठ बोलते हैं परमेश्वर उन्हें नाश कर देंगे।

भजन संहिता 5:6 (#2)

यहोवा किनसे घृणा करते हैं?

यहोवा हत्यारे और छली मनुष्य से घृणा करते हैं।

भजन संहिता 5:7

दाऊद यहोवा के भवन में क्यों आएँगे?

दाऊद यहोवा के अपार करुणा के कारण उनके भवन में आएँगे।

भजन संहिता 5:7 (#2)

दाऊद यहोवा के पवित्र मन्दिर की ओर कैसे दण्डवत् करेंगे?

दाऊद भय मानकर यहोवा के पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत् करेंगे।

भजन संहिता 5:8

दाऊद प्रभु से धार्मिकता के मार्ग में अपनी अगुआई के लिए क्यों प्रार्थना करते हैं?

दाऊद अपने शत्रुओं के कारण प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें अपने धार्मिकता के मार्ग में उनकी अगुआई करें।

भजन संहिता 5:9

दाऊद अपने शत्रुओं के बारे में क्या कहते हैं?

दाऊद अपने शत्रुओं का इस प्रकार कहते हैं कि उनके मुँह में कोई सच्चाई नहीं है, उनके मन में निरी दुष्टता है, उनका गला खुली हुई कब्र है, वे अपनी जीभ से चिकनी चुपड़ी बातें करते हैं।

भजन संहिता 5:10

दाऊद अपने शत्रुओं की उनके अपराधों की अधिकाई और परमेश्वर के विरुद्ध उनके बलवा के कारण परमेश्वर से क्या करने की प्रार्थना करते हैं?

दाऊद प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर उनके शत्रुओं को दोषी ठहराए।

भजन संहिता 5:11

जो लोग परमेश्वर में शरण लेते हैं, वे सब क्यों आनन्द करें, और सर्वदा ऊँचे स्वर से गाते रहें?

वे सब इसलिए आनन्द करें, और सर्वदा ऊँचे स्वर से गाते रहें क्योंकि परमेश्वर उनकी रक्षा करते हैं।

भजन संहिता 5:12

यहोवा धर्मी को क्या देंगे?

यहोवा धर्मी को आशीष देंगे और उन्हें ढाल के समान अपनी कृपा से घेरे रहेंगे।

भजन संहिता 6:1

दाऊद यहोवा से क्या न करने की प्रार्थना कर रहे हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें अपने क्रोध में न डाँटे और न ही अपने रोष में ताड़ना दें।

भजन संहिता 6:2

दाऊद यहोवा से क्या करने की प्रार्थना कर रहे हैं क्योंकि वे कुम्हला गये हैं?

दाऊद यहोवा से उन पर दया करने और उन्हें चंगा करने के लिए प्रार्थना करते हैं।

भजन संहिता 6:4

यहोवा क्यों दाऊद के प्राण को बचाए और उद्धार करें?

क्योंकि यहोवा अपनी करुणा के निमित्त हैं।

भजन संहिता 6:5

मृत्यु के बाद क्या स्मरण नहीं होता?

मृत्यु के बाद यहोवा का स्मरण नहीं होता।

भजन संहिता 6:6

दाऊद अपने बिछौने के साथ क्या करते हैं जब वह थके हुए और कराह रहे होते हैं?

पूरी रात वे इसे अपने आंसुओं से भिगोते हैं।

भजन संहिता 6:7

दाऊद की आँखों को उनके शोक और उनके सब सतानेवालों के कारण क्या होता है?

उनकी आँखें शोक से बैठी जाती हैं और वे धुँधली हो गई हैं।

भजन संहिता 6:8–9

जो अनर्थकारी हैं, उन्हें दाऊद से दूर क्यों रहना चाहिए?

क्योंकि यहोवा ने उनके रोने का शब्द सुन लिया है। यहोवा ने उनके गिड़गिड़ाना सुना है; और वे उनकी प्रार्थना को ग्रहण भी करेंगे।

भजन संहिता 6:10

दाऊद के सब शत्रु का क्या होगा?

उनके सब शत्रु लज्जित होंगे और बहुत ही घबराएँगे; वे पराजित होकर पीछे हटेंगे, और एकाएक लज्जित होंगे।

भजन संहिता 7:1

दाऊद किसमें शरण लेते हैं?

दाऊद अपने परमेश्वर यहोवा में शरण लेते हैं।

भजन संहिता 7:1 (#2)

दाऊद यहोवा से क्या करने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना कर रहे हैं कि वे उन्हें उन लोगों से बचाएँ जो उनका पीछा कर रहे हैं, और उन्हें छुटकारा दे।

भजन संहिता 7:2

दाऊद यहोवा से क्या करने को कह रहे हैं?

दाऊद यहोवा से छुड़ानेवाला के लिए कह रहा है।

भजन संहिता 7:3

दाऊद ने क्या कहा कि उन्होंने नहीं किया?

दाऊद यहोवा से कहते हैं कि उनके हाथों से कोई कुटिल काम नहीं हुए हैं।

भजन संहिता 7:4

दाऊद क्या कहते हैं कि उन्होंने अपने मेल रखनेवालों से ये नहीं किया है?

दाऊद कहते हैं कि उन्होंने कभी अपने मेल रखनेवालों से भलाई के बदले बुराई नहीं किया, या उन्होंने उसको जो अकारण उनके बैरी थे नहीं लूटा है।

भजन संहिता 7:5

दाऊद कहते हैं कि यदि वह सत्य नहीं बोल रहे हैं तो यहोवा उन्हें क्या करे?

दाऊद कहते हैं कि मेरे शत्रु मेरे प्राण का पीछा करके मुझे आ पकड़े, और मेरे प्राण को भूमि पर रौंदे, और मुझे अपमानित करके मिट्टी में मिला दे।

भजन संहिता 7:6

दाऊद यहोवा से अपने क्रोध में उठकर क्या करने को कह रहे हैं?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना कर रहे हैं कि वे उठें और दाऊद के सतानेवाले के विरुद्ध खड़े हो जाएँ।

भजन संहिता 7:6 (#2)

दाऊद यहोवा से अपने लिए क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि मेरे लिये जाग! तूने न्याय की आज्ञा दे दी है।

भजन संहिता 7:7

दाऊद यहोवा से देश-देश के लोग के विषय में क्या करने की इच्छा रखते हैं?

दाऊद चाहते हैं कि यहोवा देश-देश के लोगों को चारों ओर इकट्ठे करे।

भजन संहिता 7:8

दाऊद यहोवा से किसके न्याय की प्रार्थना करते हैं?

दाऊद चाहते हैं कि यहोवा जाति-जाति का न्याय करें।

भजन संहिता 7:9

दाऊद क्या कहते हैं कि धर्मी परमेश्वर क्या है?

दाऊद कहते हैं कि धर्मी परमेश्वर मन और मर्म का ज्ञाता है।

भजन संहिता 7:10

दाऊद की ढाल कहाँ है?

दाऊद की ढाल परमेश्वर के हाथ में है।

भजन संहिता 7:10 (#2)

परमेश्वर किसे बचाते हैं?

परमेश्वर सीधे मनवालों को बचाते हैं।

भजन संहिता 7:11

दाऊद परमेश्वर को क्या कहते हैं?

दाऊद परमेश्वर को धर्मी और न्यायी कहते है, जो प्रतिदिन क्रोध करते हैं।

भजन संहिता 7:12

यदि मनुष्य मन न फिराए तो परमेश्वर क्या करेंगे?

परमेश्वर अपनी तलवार पर सान चढ़ाएगा; और युद्ध के लिए अपना धनुष तैयार करेंगे।

भजन संहिता 7:14

दाऊद कैसे दुष्ट को अनर्थ काम की पीड़ाएँ हो रही हैं का वर्णन करते हैं?

दाऊद कहते है कि जिस दुष्ट को अनर्थ काम की पीड़ाएँ हो रही हैं, उसको उत्पात का गर्भ है, और उससे झूठ का जन्म हुआ।

भजन संहिता 7:15

जिसने गड्ढे खोदकर उसे गहरा किया, उसके साथ क्या हुआ?

जो खाई उसने बनाई थी उसमें वह आप ही गिरा।

भजन संहिता 7:16

दुष्ट के उत्पात का क्या परिणाम होगा?

उसका उत्पात पलटकर उसी के सिर पर पड़ेगा; और उसका उपद्रव उसी के माथे पर पड़ेगा।

भजन संहिता 7:17

दाऊद यहोवा का धन्यवाद किस लिए करेंगे?

वे यहोवा के धर्म के लिए उनका धन्यवाद करेंगे।

भजन संहिता 7:17 (#2)

दाऊद किसका भजन गाएँगे?

दाऊद परमप्रधान यहोवा के नाम का भजन गाएँगे।

भजन संहिता 8:1

सारी पृथ्वी में किसका नाम प्रतापमय है?

हमारे प्रभु यहोवा का नाम प्रतापमय है।

भजन संहिता 8:2

यहोवा ने बच्चों और शिशुओं के द्वारा क्या किया है?

यहोवा ने बच्चों और शिशुओं के द्वारा अपनी प्रशंसा की है।

भजन संहिता 8:2 (#2)

यहोवा ने अपनी प्रशंसा क्यों की है?

उन्होंने शत्रु और पलटा लेनेवालों को रोक रखने के लिए अपनी प्रशंसा की है।

भजन संहिता 8:3

दाऊद ने ऊपर क्या देखा जिससे उसे लगा कि मनुष्य क्या है?

उसने ऊपर आकाश, चन्द्रमा और तरागण को देखा।

भजन संहिता 8:5

परमेश्वर (स्वर्गीय प्राणियों) की तुलना में मनुष्य क्या है?

यहोवा ने मनुष्यों को परमेश्वर (स्वर्गीय प्राणी) से थोड़ा ही कम बनाया है।

भजन संहिता 8:5 (#2)

यहोवा ने मनुष्यों के सर पर कौन सा मुकुट रखा है?

यहोवा ने महिमा और प्रताप का मुकुट उसके सिर पर रखा है।

भजन संहिता 8:6

यहोवा ने मनुष्यों को क्या करने के लिए रचा?

यहोवा ने मनुष्यों को अपने हाथों के कार्यों पर प्रभुता देने के लिए रचा है।

भजन संहिता 8:7–8

वे कौन-कौन सी चीजें हैं जिन्हें यहोवा ने मनुष्यों के पावों के तले कर दिया है?

उन्होंने सब भेड़-बकरी और गाय-बैल और जितने वन पशु हैं, आकाश के पक्षी और समुद्र की मछलियाँ, और जितने जीव-जन्तु समुद्रों में चलते फिरते हैं, उन सबको मनुष्यों के पावों के तले कर दिया है।

भजन संहिता 8:9

सारी पृथ्वी में किसका नाम प्रतापमय है?

हमारे प्रभु यहोवा का नाम प्रतापमय है।

भजन संहिता 9:1

दाऊद यहोवा का धन्यवाद कैसे करेगा और वह किसके बारे में वर्णन करेगा?

वह अपने पूर्ण मन से यहोवा का धन्यवाद करेगा; और उसके सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करेगा।

भजन संहिता 9:3

जब दाऊद के शत्रु पराजित होकर पीछे हटते हैं, तो उनके साथ क्या होता है?

वे शत्रु यहोवा के सामने से ठोकर खाकर नाश होते हैं।

भजन संहिता 9:4

धार्मिकता से न्याय करने वाले ने दाऊद के लिए क्या किया है?

धार्मिकता से न्याय करने वाले ने अपने सिंहासन पर विराजमान होकर दाऊद के मुकद्दमे का न्याय दाऊद के पक्ष में किया है।

भजन संहिता 9:5

धार्मिकता से न्याय करने वाले ने जाती-जाती और दुष्ट के साथ क्या किया?

उन्होंने जाति-जाति को झिड़का और दुष्ट को नाश किया है; उन्होंने उनका नाम अनन्तकाल के लिये मिटा दिया है।

भजन संहिता 9:6

जब धार्मिकता से न्याय करने वाले ने शत्रु के नगरों को ढा दिया, तब शत्रुओं का क्या हुआ?

शत्रु अनन्तकाल के लिये उजड़ गए और उनका नाम और निशान भी मिट गया है।

भजन संहिता 9:7

कौन सदैव सिंहासन पर विराजमान है और किसने अपना सिंहासन न्याय के लिये सिद्ध किया है?

यहोवा सदैव सिंहासन पर विराजमान है, यहोवा ने अपना सिंहासन न्याय के लिये सिद्ध किया है।

भजन संहिता 9:8

यहोवा जगत का न्याय कैसे करेगा और वह देश-देश के लोगों के लिए क्या करेगा?

यहोवा जगत का न्याय धर्म से करेगा, वह देश-देश के लोगों का मुकद्दमा खराई से निपटाएगा।

भजन संहिता 9:9

यहोवा पिसे हुओं के लिए क्या ठहरेगा?

यहोवा पिसे हुओं के लिये ऊँचा गढ़ ठहरेगा, वह संकट के समय के लिये भी ऊँचा गढ़ ठहरेगा।

भजन संहिता 9:10

दाऊद ने खोजियों के लिए यहोवा से क्या प्रार्थना की?

दाऊद खोजियों के लिए यहोवा से प्रार्थना करते हैं यहोवा ने अपने खोजियों को त्याग नहीं दिया।

भजन संहिता 9:11

यहोवा जो सिय्योन में विराजमान है उसके लिए लोग क्या करें?

लोग यहोवा का भजन गाएँ और जाति-जाति के लोगों के बीच में यहोवा के महाकर्मों का प्रचार करें।

भजन संहिता 9:12

परमेश्वर क्या नहीं भूलता?

वह पिसे हुओं की दुहाई को नहीं भूलता।

भजन संहिता 9:13

दाऊद यहोवा से क्या करने के लिए प्रार्थना कर रहा है?

वह यहोवा से अपने ऊपर दया करने की प्रार्थना कर रहा है।

भजन संहिता 9:13 (#2)

दाऊद पर कौन अत्याचार कर रहे हैं?

दाऊद के बैरी उसके ऊपर अत्याचार कर रहे हैं।

भजन संहिता 9:14

दाऊद उद्धार से कहाँ मगन होंगे?

दाऊद सिय्योन के फाटकों के पास में उद्धार से मगन होंगे।

भजन संहिता 9:15

अन्य जातिवालों का क्या हुआ है?

अन्य जातिवालों ने जो गड्ढा खोदा था, उसी में वे आप गिर पड़े; जो जाल उन्होंने लगाया था, उसमें उन्हीं का पाँव फँस गया।

भजन संहिता 9:16

किसने अपने को प्रकट किया और न्याय किया है?

यहोवा ने अपने को प्रकट किया है और न्याय किया है।

भजन संहिता 9:17

दुष्ट कहाँ लौट जाएँगे?

दुष्ट अधोलोक में लौट जाएँगे, तथा वे सब जातियाँ भी जो परमेश्वर को भूल जाती है।

भजन संहिता 9:18

दरिद्र लोग और नम्र लोगों के साथ क्या होगा?

दरिद्र लोग अनन्तकाल तक बिसरे हुए न रहेंगे, और न तो नम्र लोगों की आशा सर्वदा के लिये नाश होगी।

भजन संहिता 9:19

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि मनुष्य क्या न होने पाए?

दाऊद चाहता है कि यहोवा उठें की मनुष्य प्रबल न होने पाए।

भजन संहिता 9:20

दाऊद यहोवा से जातियों के लिए क्या करने की प्रार्थना कर रहे हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना कर रहे हैं कि जातियाँ अपने को मनुष्यमात्र ही जानें।

भजन संहिता 10:1

भजनकार यहोवा से क्यों सवाल कर रहा है?

भजनकार को लगता है यहोवा उससे दूर खड़ा रहता है और संकट के समय में छिपा रहता है।

भजन संहिता 10:2

भजनकार यहोवा से दुष्टों के लिए क्या करने की प्रार्थना करता है?

भजनकार यहोवा से प्रार्थना करता है कि दुष्ट अपनी ही निकाली हुई युक्तियों में फँस जाएँ।

भजन संहिता 10:4

दुष्ट परमेश्वर की खोज क्यों नहीं करता?

दुष्ट अपने अहंकार के कारण परमेश्वर को नहीं खोजता।

भजन संहिता 10:6

दुष्ट अपने मन में क्या कहता है?

दुष्ट अपने मन में कहता है कि "मैं कभी टलने का नहीं; मैं पीढ़ी से पीढ़ी तक दुःख से बचा रहूँगा।"

भजन संहिता 10:7

दुष्ट का मुँह किससे भरा होता है?

उनका मुँह श्राप और छल और धमकियों से भरा होता है।

भजन संहिता 10:9

दुष्ट किस पशु के समान है?

दुष्ट सिंह के समान झाड़ी में छिपकर घात में बैठाता है; और वह दीन को पकड़ने के लिये घात लगाता है।

भजन संहिता 10:11

दुष्ट अपने मन में परमेश्वर के बारे में क्या सोचता है?

दुष्ट अपने मन में सोचता है, "परमेश्वर भूल गया, वह अपना मुँह छिपाता है; वह कभी नहीं देखेगा।"

भजन संहिता 10:12

भजनकार दुष्ट के विषय में यहोवा से क्या चाहता है?

वह चाहता हैं कि यहोवा न्याय के लिए अपना हाथ बढ़ाए और दीनों को न भूले।

भजन संहिता 10:13

दुष्ट परमेश्वर के लिये अपने मन में क्या कहता है?

दुष्ट अपने मन में कहता है "तू लेखा न लेगा?"।

भजन संहिता 10:15

दुर्जन और दुष्ट के बारे में भजनकार यहोवा से क्या चाहता है?

भजनकार चाहता है कि यहोवा दुर्जन और दुष्ट की भुजा को तोड़ डाले; और उनकी दुष्टता का लेखा ले, इससे पहले कि सब उसमें से दूर न हो जाए।

भजन संहिता 10:16

दुर्जन और दुष्ट के देश क्या हुए?

उसके देश में से जाति-जाति लोग नाश हो गए हैं।

भजन संहिता 11:1

दाऊद किसमें शरण लेता है?

दाऊद यहोवा में शरण लेता है।

भजन संहिता 11:1 (#2)

लोग दाऊद के प्राण से क्या कहते हैं?

वे दाऊद के प्राण से कहते हैं "पक्षी के समान अपने पहाड़ पर उड़ जा"।

भजन संहिता 11:2

दुष्ट सीधे मनवालों पर हमला करने की तैयारी कैसे करते हैं?

वे अपना धनुष चढ़ाते हैं, और अपने तीर धनुष की डोरी पर रखते हैं।

भजन संहिता 11:4

यहोवा अपने पवित्र भवन में है और क्या कर रहे हैं?

उनकी आँखें मनुष्य की सन्तान को नित देखती रहती हैं और उसकी पलकें उनको जाँचती हैं।

भजन संहिता 11:5

यहोवा किन्हें परखता है?

यहोवा धर्मी और दुष्ट दोनों को परखता है।

भजन संहिता 11:5 (#2)

यहोवा किनसे घृणा करता है?

जो उपद्रव से प्रीति रखते हैं उनसे वह घृणा करता है।

भजन संहिता 11:6

यहोवा दुष्टों के साथ क्या करेंगे?

वह दुष्टों पर आग और गन्धक बरसाएगा; और प्रचण्ड लूह उनके कटोरों में बाँट दी जाएँगी।

भजन संहिता 11:7

धार्मिकता के कामों के बारे में यहोवा की कैसी प्रतिक्रिया है?

वह धार्मिकता के ही कामों से प्रसन्न रहता है।

भजन संहिता 11:7 (#2)

धर्मी जन क्या पाएँगे?

धर्मी जन यहोवा का दर्शन पाएँगे।

भजन संहिता 12:1

दाऊद यहोवा से बचाने के लिए क्यों कह रहे हैं?

दाऊद यहोवा से बचाने के लिए इसलिए कह रहे हैं क्योंकि एक भी भक्त नहीं रहा; मनुष्यों में से विश्वासयोग्य लोग लुप्त हो गए हैं।

भजन संहिता 12:2

प्रत्येक मनुष्य अपने पड़ोसी से कैसी बातें कहते हैं?

प्रत्येक मनुष्य अपने पड़ोसी से झूठी बातें कहते हैं; और वे चापलूसी के होठों से दो रंगी बातें भी करते हैं।

भजन संहिता 12:3

दाऊद यहोवा से क्या चाहता है कि वह चापलूस होठों के साथ क्या करे?

दाऊद कहता है कि यहोवा सब चापलूस होठों को और उस जीभ को जिससे बड़ा बोल निकलता है काट डालें।

भजन संहिता 12:4

चापलूस होठों वाले लोग क्या कहते है?

वे कहते हैं, "हम अपनी जीभ ही से जीतेंगे, हमारे होंठ हमारे ही वश में हैं; हम पर कौन शासन कर सकेगा?"

भजन संहिता 12:5

यहोवा दीन और दरिद्रों के लिए क्या करेगा?

यहोवा कहता है, "अब मैं उठूँगा, जिस पर वे फुँकारते हैं उसे मैं चैन विश्राम दूँगा।"

भजन संहिता 12:6

यहोवा का वचन किसके समान है?

यहोवा का वचन पवित्र है, उस चाँदी के समान जो भट्ठी में मिट्टी पर ताई गई, जो सात बार निर्मल की गई हो।

भजन संहिता 12:7

दाऊद यहोवा से धर्मियों के लिए क्या करने की प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उनकी रक्षा करें और उनको इस काल के लोगों से सर्वदा के लिये बचाए रखें।

भजन संहिता 12:8

दुष्टों के चारों ओर अकड़ते फिरने का कारण क्या है?

जब मनुष्यों में बुराई का आदर होता है, तब दुष्ट लोग चारों ओर अकड़ते फिरते हैं।

भजन संहिता 13:3

दाऊद यहोवा से अपनी प्रार्थना का उत्तर देने के लिए कैसे निवेदन करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसकी ओर ध्यान दे, उससे उत्तर दे और उसकी आँखों को ज्योति दे।

भजन संहिता 13:3 (#2)

यदि यहोवा उत्तर न दे तो दाऊद को किस बात का भय है?

दाऊद को भय है उसे मृत्यु की नींद आ जाएगी।

भजन संहिता 13:4

दाऊद नहीं चाहता कि उसके शत्रु उसके बारे में क्या कहें?

वह नहीं चाहता कि वे कहें कि वे उस पर प्रबल हो गए है।

भजन संहिता 13:4 (#2)

यदि दाऊद डगमगाएगा तो उसके शत्रु क्या करेंगे?

यदि दाऊद डगमगाएगा तो उसके शत्रु मगन होंगे।

भजन संहिता 13:5

दाऊद ने किस पर भरोसा रखा हैं?

दाऊद ने यहोवा की करुणा पर भरोसा रखा है।

भजन संहिता 13:5 (#2)

दाऊद का हृदय किसमें मगन होगा?

उनका हृदय यहोवा के उद्धार से मगन होगा।

भजन संहिता 13:6

दाऊद यहोवा के नाम का भजन क्यों गाएँगा?

दाऊद यहोवा के नाम का भजन इसलिए गाएँगा क्योंकि यहोवा ने उसकी भलाई की है।

भजन संहिता 14:1

मूर्ख ने अपने मन में क्या कहा?

मूर्ख ने अपने मन में कहा है, "कोई परमेश्वर है ही नहीं।"

भजन संहिता 14:2

यहोवा ने मनुष्यों पर दृष्टि क्यों की है?

यहोवा ने स्वर्ग में से मनुष्यों पर इसलिए दृष्टि की है कि देखे कि कोई बुद्धिमान, कोई यहोवा का खोजी है।

भजन संहिता 14:3

कौन भटक गए हैं और कौन भ्रष्ट हो गए हैं?

सब के सब भटक गए है और सब भ्रष्ट हो गए हैं।

भजन संहिता 14:4

कौन यहोवा का नाम नहीं लेते?

जो लोग अनर्थकारी हैं और जो दाऊद के लोगों को ऐसे खा जाते हैं जैसे रोटी, और वे यहोवा का नाम नहीं लेते हैं।

भजन संहिता 14:5

जो यहोवा का नाम नहीं लेते हैं, उन पर भय क्यों छा गया?

उन पर भय इसलिए छा गया क्योंकि परमेश्वर धर्मी लोगों के बीच में निरन्तर रहता है।

भजन संहिता 14:6

दीन का शरणस्थान कौन हैं?

यहोवा दीन का शरणस्थान है।

भजन संहिता 14:7

दाऊद सिय्योन से क्या चाहता है?

दाऊद चाहता है कि इस्राएल का उद्धार सिय्योन से प्रगट हो।

भजन संहिता 14:7 (#2)

कब याकूब मगन और इस्राएल आनन्दित होगा?

जब यहोवा अपनी प्रजा को दासत्व से लौटा ले आएगा, तब याकूब मगन और इस्राएल आनन्दित होगा।

भजन संहिता 15:1–2

यहोवा के तम्बू में कौन रहेगा और उसके पवित्र पर्वत पर कौन बसने पाएगा?

वह जो सिधाई से चलता और धर्म के काम करता है, और हृदय से सच बोलता है, वही यहोवा के तम्बू में रहेगा और उसके पवित्र पर्वत पर बसने पाएगा।

भजन संहिता 15:3

वह (धर्मी) अपनी जीभ से क्या नहीं करता?

वह (धर्मी) अपनी जीभ से अपमान नहीं करता।

भजन संहिता 15:4

धर्मी की दृष्टि में क्या तुच्छ है?

उसकी दृष्टि में निकम्मा मनुष्य तुच्छ है।

भजन संहिता 15:4 (#2)

वह (धर्मी) किसका आदर करता है?

वह (धर्मी) यहोवा के डरवैयों का आदर करता है।

भजन संहिता 15:4 (#3)

वह (धर्मी) शपथ खाकर क्या नहीं करता चाहे हानि उठानी पड़े?

वह (धर्मी) शपथ खाकर बदलता नहीं।

भजन संहिता 15:5

जब वह (धर्मी) व्यक्ति रुपया उधार देता है, तो क्या नहीं करता?

जब वह (धर्मी) अपना रुपया उधार देता है तो वह उस रुपया का ब्याज नहीं लेता है।

भजन संहिता 15:5 (#2)

वह (धर्मी) व्यक्ति क्या करने के लिए घूस नहीं लेता?

वह (धर्मी) निर्दोष की हानि के लिए घूस नहीं लेता है।

भजन संहिता 15:5 (#3)

वह (धर्मी) जो ऐसी चाल चलता है वह क्या ना होगा?

वह (धर्मी) कभी न डगमगाएगा।

भजन संहिता 16:1

दाऊद परमेश्वर से उसके लिए क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर उसकी रक्षा करें क्योंकि वह परमेश्वर का ही शरणागत है।

भजन संहिता 16:2

दाऊद यहोवा के साथ अपने संबंध को कैसे पहचानते हैं?

दाऊद यह पहचानते हैं कि यहोवा उसके प्रभु है, और दाऊद की भलाई यहोवा के बिना कहीं नहीं है।

भजन संहिता 16:3

पृथ्वी पर पवित्र लोग कौन हैं?

पृथ्वी पर जो पवित्र लोग हैं, वे ही आदर के योग्य हैं, और उन्हीं से दाऊद प्रसन्न हैं।

भजन संहिता 16:4

जो पराए देवता के पीछे भागते हैं उनका क्या परिणाम होगा?

जो पराए देवता के पीछे भागते हैं उनका दुःख बढ़ जाएगा।

भजन संहिता 16:4 (#2)

किन तरीकों से दाऊद पराए देवता की उपासना नहीं करेगा?

वह पराए देवता पर लहूवाले अर्घ नहीं चढ़ाएँगा और उनका नाम अपने होठों से नहीं लेगा।

भजन संहिता 16:6

दाऊद यहोवा के बारे में क्या पहचानता है कि वह उसके लिए क्या करता है?

यहोवा दाऊद का भाग स्थिर रखता है, मनभावन स्थान देता है और मनभावन भाग भी देता है।

भजन संहिता 16:7–8

दाऊद यहोवा को धन्य क्यों कहता है?

दाऊद यहोवा को धन्य इसलिए कहता है, क्योंकि उसने उसे सम्मति दी है।

भजन संहिता 16:9

दाऊद का हृदय यहोवा के प्रति कैसा है?

दाऊद का हृदय आनन्दित है, और वह यहोवा में मगन हुआ है।

भजन संहिता 16:10

यहोवा पवित्र भक्त के साथ क्या नहीं होने देगा?

यहोवा अपने पवित्र भक्त को कब्र में सड़ने देगा।

भजन संहिता 16:11

यहोवा से दाऊद को किया मिला है?

यहोवा दाऊद को जीवन का रास्ता दिखाएगा; उसके निकट आनन्द की भरपूरी है, उसके दाहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है।

भजन संहिता 17:1

दाऊद परमेश्वर से अपने लिए क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा परमेश्वर उसके सच्चाई के वचन सुने, उसकी पुकार की ओर ध्यान दे और उसकी प्रार्थना की ओर जो निष्कपट मुँह से निकलती है कान लगाए।

भजन संहिता 17:2

दाऊद क्या प्रार्थना करता है कि यहोवा के सम्मुख में क्या हो?

दाऊद प्रार्थना करता है कि उसके मुकद्दमे का निर्णय यहोवा के सम्मुख हो।

भजन संहिता 17:3

यदि यहोवा रात को दाऊद का परीक्षण करता तो क्या होता?

यदि यहोवा दाऊद को परखता तो कुछ भी खोटापन नहीं पाता; और उसके मुँह से अपराध की बात नहीं निकलेगी।

भजन संहिता 17:4

दाऊद ने अधर्मियों के मार्ग से स्वयं को कैसे बचाए रखा?

यहोवा के मुँह के वचनों के द्वारा उसने स्वयं को अधर्मियों के मार्ग से बचाए रखा।

भजन संहिता 17:6

दाऊद ने परमेश्वर से क्यों प्रार्थना की है?

दाऊद ने परमेश्वर से प्रार्थना की हैं क्योंकि परमेश्वर उसे उत्तर देगा।

भजन संहिता 17:7

दाऊद परमेश्वर से क्या दिखाने को कहता है?

वह परमेश्वर से कहता है कि वह उसे अपनी अद्‌भुत करुणा दिखाएँ।

भजन संहिता 17:7 (#2)

परमेश्वर अपने दाहिने हाथ से किसे बचाता है?

वह अपने दाहिने हाथ के द्वारा अपने शरणागतों को उनके विरोधियों से बचाता है।

भजन संहिता 17:8-9

दाऊद परमेश्वर के द्वारा उन्हें दुष्ट शत्रुओं से बचाने के तरीके का वर्णन कैसे करता है?

परमेश्वर दाऊद की रक्षा अपनी आँखों की पुतली के समान करेगा, और अपने पंखों के तले दाऊद को छिपाएगा।

भजन संहिता 17:10

दाऊद अपने शत्रुओं के बारे में क्या कहता है?

वह कहता है कि उसके शत्रुओं ने अपने हृदयों को कठोर किया है; उनके मुँह से घमण्ड की बातें निकलती हैं।

भजन संहिता 17:11

दाऊद के शत्रुओं ने उसके साथ क्या किया है?

उन्होंने पग-पग पर दाऊद को घेरा है; वे उसको भूमि पर पटक देने के लिये घात लगाए हुए हैं।

भजन संहिता 17:13

दाऊद यहोवा से अपने शत्रुओं के विरुद्ध क्या करने की प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उठे, और उसके शत्रुओं को पटके।

भजन संहिता 17:14

दाऊद यहोवा से अपने आपको किससे बचाने के लिए प्रार्थना कर रहा है?

वह यहोवा से प्रार्थना कर रहा है कि वह उसे उन सांसारिक मनुष्यों से बचाए जिनका भाग केवल इसी जीवन में है।

भजन संहिता 17:14 (#2)

यहोवा अपने प्रिय जनों के लिए कैसे व्यवस्था करता हैं?

यहोवा उनके पेट को भण्डार से भरता है। वे बाल-बच्चों से सन्तुष्ट हैं; और शेष सम्पत्ति अपने बच्चों के लिये छोड़ जाते हैं।

भजन संहिता 17:15

दाऊद को क्या आशा है जब वह धर्मी होकर यहोवा का मुख का दर्शन करेगा?

वह यहोवा के स्वरूप से सन्तुष्ट होगा।

भजन संहिता 18:1

दाऊद ने यहोवा से क्या कहा?

उसने कहा; मैं तुझ से प्रेम करता हूँ।

भजन संहिता 18:3

जब दाऊद यहोवा को पुकारेगा तो क्या होगा?

तब दाऊद अपने शत्रुओं से बचाया जाएगा।

भजन संहिता 18:6

जब यहोवा ने दाऊद की वाणी सुनी, तब वह कहाँ था?

यहोवा ने अपने मन्दिर से दाऊद की वाणी सुनी।

भजन संहिता 18:7

पहाड़ों की नींव क्यों हिल गईं?

वे इसलिए हिल गई क्योंकि वह अति क्रोधित हुआ था।

भजन संहिता 18:9

यहोवा स्वर्ग से कैसे उतर आया?

वह स्वर्ग को नीचे झुकाकर उतर आया।

भजन संहिता 18:14

यहोवा ने अपने शत्रुओं को कैसे तितर-बितर किया?

उसने अपने तीर चला-चलाकर शत्रुओं को तितर-बितर किया।

भजन संहिता 18:15

जगत की नींव कैसे प्रगट हुई?

यहोवा की डाँट से, और यहोवा के नथनों की साँस की झोंक से हुआ।

भजन संहिता 18:16

यहोवा ने दाऊद को कहाँ से खींच लिया?

उन्होंने दाऊद को गहरे जल में से खींच लिया।

भजन संहिता 18:19

यहोवा ने दाऊद को क्यों छुड़ाया?

यहोवा ने दाऊद को इसलिए छुड़ाया क्योंकि यहोवा उससे प्रसन्न था।

भजन संहिता 18:27

यहोवा दीन लोगों के साथ क्या करता है?

वे दीन लोगों को बचाता है।

भजन संहिता 18:27 (#2)

यहोवा घमण्ड भरी आँखों वाले लोगों के साथ क्या करता है?

वह घमण्ड भरी आँखों को नीची करता है।

भजन संहिता 18:30

दाऊद यहोवा के मार्ग के लिए क्या करता है?

वह कहता हैं कि यहोवा का मार्ग सिद्ध है।

भजन संहिता 18:37

दाऊद ने अपने शत्रुओं के साथ क्या किया?

दाऊद ने अपने शत्रुओं का पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया।

भजन संहिता 18:41

जब दाऊद के शत्रुओं ने यहोवा की दुहाई दी, तो क्या हुआ?

यहोवा ने उनको उत्तर न दिया।

भजन संहिता 18:43

यहोवा ने दाऊद को किसका प्रधान बनाया है?

यहोवा ने दाऊद को अन्यजातियों का प्रधान बनाया है।

भजन संहिता 18:48

यहोवा ने दाऊद को किससे छुड़ाया है?

यहोवा ने दाऊद को उसके शत्रुओं से छुड़ाया है।

भजन संहिता 18:50

यहोवा अपनी करुणा युगानुयुग कैसे करता रहेगा?

वह अपने अभिषिक्त दाऊद पर और उसके वंश पर युगानुयुग करुणा करता रहेगा।

भजन संहिता 19:1

आकाश क्या वर्णन करता है और आकाशमण्डल क्या प्रकट करता है?

आकाश परमेश्वर की महिमा वर्णन करता है; और आकाशमण्डल उसकी हस्तकला को प्रगट करता है।

भजन संहिता 19:2

रात से रात क्या सिखाती है?

रात को रात ज्ञान सिखाती है।

भजन संहिता 19:4

आकाश और आकाशमण्डल का स्वर और वचन कहाँ तक पहुँचाया गया है?

उनका स्वर सारी पृथ्वी पर गूँज गया है, और उनका वचन जगत के छोर तक पहुँच गया है।

भजन संहिता 19:5

सूर्य किसके समान है?

सूर्य एक दूल्हे के समान है और एक शूरवीर के समान है।

भजन संहिता 19:7

यहोवा की व्यवस्था क्या करती है?

यहोवा की व्यवस्था प्राण को बहाल कर देती है।

भजन संहिता 19:7 (#2)

यहोवा के नियम क्या कहते हैं?

यहोवा के नियम बुद्धिहीन लोगों को बुद्धिमान बना देते हैं।

भजन संहिता 19:8

यहोवा के उपदेश क्या करते हैं?

यहोवा के उपदेश हृदय को आनन्दित कर देते हैं।

भजन संहिता 19:8 (#2)

यहोवा की आज्ञा क्या करती है?

यहोवा की आज्ञा आँखों में ज्योति ले आती है।

भजन संहिता 19:10

यहोवा के नियम सोने की तुलना में कैसे हैं?

वे तो सोने से और बहुत कुन्दन से भी बढ़कर मनोहर हैं।

भजन संहिता 19:11

यहोवा के नियम यहोवा के दास के लिए क्या करते हैं?

उन्हीं से दास चिताया जाता है; उनके पालन करने से बड़ा ही प्रतिफल मिलता है।

भजन संहिता 19:12

दाऊद किससे शुद्ध होने की प्रार्थना करता है?

वे गुप्त पापों से पवित्र होने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 19:13

जब दास अपने ढिठाई के पापों को अपने ऊपर प्रभुता करने नहीं देते, तो क्या होता है?

तब वह सिद्ध हो जाएगा, और बड़े अपराधों से बचा रहेगा।

भजन संहिता 19:14

दाऊद यहोवा के सम्मुख क्या को ग्रहणयोग्य बनाना चाहता है।

दाऊद चाहता था कि उसके मुँह के वचन और उसके हृदय का ध्यान यहोवा के सम्मुख में ग्रहणयोग्य हों।

भजन संहिता 20:2

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर कहाँ से सहायता करे और सम्भाल ले?

वह प्रार्थना करता है कि यहोवा अपने पवित्रस्थान से सहायता करे और सिय्योन से उसे सम्भाल ले।

भजन संहिता 20:3

दाऊद चाहता है कि यहोवा किस बात को स्मरण करे और क्या ग्रहण करे?

दाऊद प्रार्थना करता है कि यहोवा उसके सब भेंटों को स्मरण करे और उसकी होमबलि को ग्रहण करे।

भजन संहिता 20:5

दाऊद कहता है कि वे किस कारण हर्षित होकर गाएँगे?

दाऊद कहता है कि वे यहोवा के उद्धार के कारण ऊँचे स्वर से हर्षित होकर गाएँगे।

भजन संहिता 20:6

दाऊद कहता है कि यहोवा किसे बचाएगा?

दाऊद कहता है कि मैं जान गया कि यहोवा अपने अभिषिक्त को बचाएगा।

भजन संहिता 20:7

किसी को किस पर भरोसा है?

किसी को रथों पर, और किसी को घोड़ों पर भरोसा है।

भजन संहिता 20:7 (#2)

परन्तु दाऊद और उसके लोग क्या करेंगे?

वे अपने परमेश्वर यहोवा ही का नाम लेंगे।

भजन संहिता 21:1

राजा किसमें आनन्दित होगा?

यहोवा के सामर्थ्य से राजा आनन्दित होगा; और उसके किए हुए उद्धार से वह अति मगन होगा।

भजन संहिता 21:2

यहोवा ने राजा के लिए क्या किया है?

यहोवा ने राजा के मनोरथ को पूरा किया है, और उसके मुँह की विनती को यहोवा ने अस्वीकार नहीं किया।

भजन संहिता 21:3

यहोवा राजा को क्या देता है और उनके सिर पर क्या पहनाता है?

यहोवा राजा को उत्तम आशीषें देता है और उसके सिर पर कुन्दन का मुकुट पहनाता है।

भजन संहिता 21:4

राजा के मांगने पर यहोवा ने राजा को क्या दिया?

यहोवा ने राजा को जीवनदान और युगानुयुग का जीवन दिया है।

भजन संहिता 21:5

राजा की महिमा अधिक क्यों है?

यहोवा के उद्धार के कारण राजा की महिमा अधिक है।

भजन संहिता 21:5 (#2)

यहोवा राजा को क्या देता है?

यहोवा राजा को वैभव और ऐश्वर्य से आभूषित कर देता है।

भजन संहिता 21:7

राजा क्यों नहीं टलेगा?

क्योंकि राजा का भरोसा यहोवा के ऊपर है; इसलिए परमप्रधान की करुणा से वह कभी नहीं टलने का।

भजन संहिता 21:8

यहोवा का हाथ किसे ढूँढ़ निकलेगा?

उनका हाथ उन सब शत्रुओं को ढूँढ़ निकलाएगा जो यहोवा के बैरी है।

भजन संहिता 21:9

यहोवा अपने शत्रुओं के साथ क्या करेगा?

वह उन्हें जलते हुए भट्ठे के समान जलाएगा। यहोवा अपने क्रोध में उन्हें निगल जाएगा।

भजन संहिता 21:10

यहोवा अपने शत्रुओं के फलों के साथ क्या करेगा?

वह उनके फलों को पृथ्वी पर से, और उनके वंश को मनुष्यों में से नष्ट करेगा।

भजन संहिता 21:11

यहोवा अपने शत्रुओं को क्यों नष्ट करेगा?

वह उन्हें नष्ट इसलिए करेगा क्योंकि उन्होंने यहोवा की हानि ठानी है।

भजन संहिता 21:11–12

यहोवा के शत्रुओं की युक्ति क्यों पूरी न हो पाएगी?

यहोवा के शत्रुओं की युक्ति इसलिए पूरी न हो पाएगी क्योंकि यहोवा अपना धनुष उनके विरुद्ध चढ़ाएगा, और वे पीठ दिखाकर भागेंगे।

भजन संहिता 21:13

लोग यहोवा के लिए क्या करेंगे?

वे उसकी सामर्थ्य और पराक्रम का भजन सुनाएँगे।

भजन संहिता 22:1

दाऊद परमेश्वर से क्या पूछ रहा है?

दाऊद पूछ रहा है कि परमेश्वर ने उसे क्यों छोड़ दिया है, वह उससे क्यों दूर रहता है।

भजन संहिता 22:2

दाऊद दिन और रात में क्या करता है?

दाऊद दिन में पुकारता है और रात में भी चुप नहीं रहता।

भजन संहिता 22:3

दाऊद परमेश्वर को किस प्रकार सम्बोधित करता है?

दाऊद परमेश्वर को पवित्र कहकर पुकारता है और कहता है कि वह इस्राएल की स्तुति के सिंहासन पर विराजमान है।

भजन संहिता 22:4–5

दाऊद के पुरखा ने क्या किया और परमेश्वर क्या करता था?

दाऊद के पुरखा परमेश्वर पर भरोसा रखते थे और वह उन्हें छुड़ाता था और वे कभी लज्जित नही हुए।

भजन संहिता 22:6

दाऊद स्वयं को क्या कहता है?

दाऊद कहता है कि वह एक कीड़ा हैं और मनुष्य नहीं, उसका मनुष्यों में नामधराई और लोगों में अपमान होता हैं।

भजन संहिता 22:8

जो मनुष्य दाऊद की नामधराई करते है और अपमानित करते हैं, वे दाऊद को क्या कहते हैं?

वे कहते है "वह यहोवा पर भरोसा करता है, यहोवा उसको छुड़ाए, वह उसको उबारे क्योंकि वह उससे प्रसन्न है।"

भजन संहिता 22:9–10

दाऊद ने परमेश्वर पर कब से भरोसा रखना सीखा है?

दाऊद कहता है कि जब से वह अपनी माँ के गर्भ से निकला और जब वह दूध पीता बच्चा था, तब से ही उसने यहोवा पर भरोसा रखना सीखा है।

भजन संहिता 22:11

दाऊद परमेश्वर से अपने लिए क्या करने की प्रार्थना कर रहा है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि वह उससे दूर न हो क्योंकि संकट निकट है और सहायता के लिए कोई नहीं है।

भजन संहिता 22:12–13

दाऊद के चारों ओर क्या गरजनेवाले सिंह के समान है?

बहुत से बाशान के बलवन्त साँड़ उसके चारों ओर हैं, और वे अपना मुँह उसकी ओर पसारे हुए है।

भजन संहिता 22:14–15

दाऊद स्वयं को कैसे वर्णित करते हैं?

वह कहते हैं कि वह जल के समान बह गया, और उसकी सब हड्डियों के जोड़ उखड़ गए: उसका हृदय मोम हो गया, वह उसकी देह के भीतर पिघल गया। उसका बल टूट गया, वह ठीकरा हो गया; और उसकी जीभ उसके तालू से चिपक गई।

भजन संहिता 22:16

दाऊद के चारों ओर क्या घेर लिया है और उसे घेरे हुए है?

कुत्तों ने उसे घेर लिया है और कुकर्मियों की मण्डली उसे चारों ओर घेरे हुए है; वह उसके हाथ और उसके पैर को छेदते हैं।

भजन संहिता 22:18

वस्त्र और पहरावे का क्या किया गया?

वस्त्र को आपस में बाँट लिया गया, और पहरावे पर चिट्ठी डाली।

भजन संहिता 22:19

यहोवा से दाऊद की प्रार्थना क्या है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह दूर न रहे।

भजन संहिता 22:20–21

दाऊद किससे बचाए जाने की प्रार्थना करता है?

वह प्रार्थना करता है कि उसके प्राण तलवार से बचाए, उसके प्राण कुत्तों के पंजों से, जंगली साँड़ के सींगों से, और सिंह के मुँह से बचाए जाए।

भजन संहिता 22:22

दाऊद अपने भाइयों के सामने क्या प्रचार करेगा और कहाँ यहोवा की प्रशंसा करेगा?

वे अपने भाइयों के सामने यहोवा के नाम का प्रचार करेगा और सभा के बीच में उसकी प्रशंसा करेगा।

भजन संहिता 22:23

किसे यहोवा की स्तुति करनी चाहिए, उसकी महिमा करनी चाहिए और उसका भय मानना चाहिए?

यहोवा के डरवैयों को उसकी स्तुति करनी चाहिए, याकूब के वंश को उसकी महिमा करनी चाहिए और इस्राएल के वंश को उसका भय मानना चाहिए।

भजन संहिता 22:24

यहोवा ने दुःखी की कब सुन ली?

जब दुःखी ने यहोवा की दुहाई दी, तब यहोवा ने उसकी सुन ली।

भजन संहिता 22:25

दाऊद कहाँ स्तुति करेगा और अपनी मन्नतों को पूरी करेगा?

वह बड़ी सभा में उसकी स्तुति करेगा; मैं अपनी मन्नतों को यहोवा के भय रखनेवालों के सामने पूरा करेगा।

भजन संहिता 22:26

कौन भोजन करके तृप्त होंगे, और यहोवा की स्तुति करेंगे?

नम्र लोग भोजन करके तृप्त होंगे और जो यहोवा के खोजी हैं, वे उसकी स्तुति करेंगे।

भजन संहिता 22:27

पृथ्वी के सब दूर-दूर देशों के लोग और जाति-जाति के सब कुल क्या करेंगे?

पृथ्वी के सब दूर-दूर देशों के लोग यहोवा को स्मरण करेंगे और उसकी ओर फिरेंगे; और जाति-जाति के सब कुल यहोवा के सामने दण्डवत् करेंगे।

भजन संहिता 22:28

यहोवा किस पर प्रभुता करता है?

यहोवा सब जातियों पर प्रभुता करता है।

भजन संहिता 22:29

यहोवा के सामने कौन घुटने टेकेंगे?

वे सब जो मिट्टी में मिल जाते हैं और अपना-अपना प्राण नहीं बचा सकते, वे सब उसी के सामने घुटने टेकेंगे।

भजन संहिता 22:30–31

दूसरी पीढ़ी क्या करेंगी?

वे आएँगे और उसके धार्मिकता के कामों को एक वंश पर जो उत्पन्न होगा यह कहकर प्रगट करेंगे कि उसने ऐसे-ऐसे अद्‌भुत काम किए।

भजन संहिता 23:1

दाऊद का चरवाहा कौन हैं?

यहोवा दाऊद का चरवाहा है।

भजन संहिता 23:2

यहोवा दाऊद को कहाँ बैठाता है?

यहोवा दाऊद को हरी-हरी चराइयों में बैठाता है।

भजन संहिता 23:2 (#2)

यहोवा दाऊद को कहाँ ले चलता है?

यहोवा दाऊद को सुखदाई जल के झरने के पास ले चलता है।

भजन संहिता 23:3

यहोवा क्या ले आता है?

यहोवा दाऊद के जी में जी ले आता है।

भजन संहिता 23:3 (#2)

यहोवा दाऊद की अगुआई कहाँ करता है?

यहोवा धार्मिकता के मार्गों में दाऊद की अगुआई करता है।

भजन संहिता 23:4

जब दाऊद घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलता है, तो कौन उसके साथ रहता है?

दाऊद के साथ यहोवा रहता है।

भजन संहिता 23:5

यहोवा दाऊद के सामने क्या बिछाता है?

यहोवा दाऊद के सतानेवालों के सामने उसके लिये मेज बिछाता है।

भजन संहिता 23:5 (#2)

यहोवा ने किसके सिर पर तेल मला है?

यहोवा ने दाऊद के सिर पर तेल मला है।

भजन संहिता 23:6

दाऊद के जीवन भर उसके साथ-साथ क्या बनी रहेंगी?

निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर दाऊद के साथ-साथ बनी रहेंगी।

भजन संहिता 23:6 (#2)

दाऊद सर्वदा के लिए कहाँ वास करेगा?

दाऊद यहोवा के धाम में सर्वदा वास करेगा।

भजन संहिता 24:1

पृथ्वी किसकी है?

पृथ्वी और जो कुछ उसमें है यहोवा ही का है; जगत और उसमें निवास करनेवाले भी।

भजन संहिता 24:3–4

यहोवा के पर्वत पर कौन चढ़ सकता है और यहोवा के पवित्रस्थान में कौन खड़ा हो सकता है?

वे जिसके काम निर्दोष और हृदय शुद्ध है, जिसने अपने मन को व्यर्थ बात की ओर नहीं लगाया, और न कपट से शपथ

खाई है, वे ही यहोवा के पर्वत पर चढ़ेंगे और उसके पवित्रस्थान में खड़े होंगे।

भजन संहिता 24:5–6

यहोवा की ओर से आशीष कौन पाएगा?

जो लोग उसके खोजी है, याकूबवंशी जो उसके दर्शन के खोजी है, वे ही यहोवा की ओर से आशीष पाएँगे।

भजन संहिता 24:7

फाटकों को क्यों अपने सिर ऊँचे करने चाहिए?

क्योंकि प्रतापी राजा प्रवेश करेगा।

भजन संहिता 25:2

दाऊद ने परमेश्वर पर भरोसा रख कर क्या माँगा?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उसे लज्जित होने न दे, और उसके शत्रु उस पर जयजयकार करने न पाएँ।

भजन संहिता 25:4–5

दाऊद यहोवा से क्या देखने की प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा उसे अपने मार्ग बताएँ।

भजन संहिता 25:6–7

दाऊद यहोवा से क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह अपनी दया और करुणा के कामों को स्मरण करे, और दाऊद यह भी कहता है कि वह उसकी जवानी के पापों और उसके अपराधों को स्मरण न करे।

भजन संहिता 25:8–9

यहोवा भला और सीधा है इसलिए वह क्या दिखलाएगा?

यहोवा भला और सीधा है; इसलिए वह पापियों को अपना मार्ग दिखलाएगा। वह नम्र लोगों को न्याय की शिक्षा देगा, और वह नम्र लोगों को अपना मार्ग दिखलाएगा।

भजन संहिता 25:10

यहोवा के मार्ग किससे बने हैं?

यहोवा के मार्ग उसकी करुणा और उसकी सच्चाई से बने हैं।

भजन संहिता 25:11

यहोवा दाऊद का पाप क्यों क्षमा करे?

यहोवा अपने नाम के निमित्त दाऊद का पाप क्षमा करे।

भजन संहिता 25:12–13

जो व्यक्ति यहोवा का भय मानता है, उसके लिए यहोवा क्या करेगा?

प्रभु उसको उसी मार्ग पर जिससे वह प्रसन्न होता है चलाएगा।

भजन संहिता 25:14

यहोवा उन लोगों के लिए क्या करते हैं जो उससे डरते हैं?

जो उससे डरते हैं, यहोवा के भेद को वही जानते हैं और वह अपनी वाचा उन पर प्रगट करेगा।

भजन संहिता 25:15

दाऊद की आँखें सदैव यहोवा पर क्यों टकटकी लगाए रहती हैं?

क्योंकि यहोवा ही उसके पाँवों को जाल में से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 25:16

जब दाऊद अकेला और पीड़ित होता है, तो वह यहोवा से क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता हैं कि वह उसकीं ओर फिरकर उस पर दया करें।

भजन संहिता 25:17–19

जब दाऊद के हृदय का क्लेश बढ़ गया, तो वह यहोवा से क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसके दुःख और कष्ट पर दृष्टि करें, और उसके सब पापों को क्षमा करें, और

उसके शत्रुओं को देखें कि वे कैसे बढ़ गए हैं, और उससे बड़ा बैर रखते हैं।

भजन संहिता 25:20

दाऊद लज्जित क्यों नहीं होगा?

क्योंकि वह यहोवा का शरणागत है।

भजन संहिता 25:22

दाऊद इस्राएल को किससे छुड़ाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करता है?

वह प्रार्थना करता है कि परमेश्वर इस्राएल को उसके सब संकटों से छुड़ाए।

भजन संहिता 26:1

दाऊद अपनी चाल के बारे में क्या कहता है?

दाऊद कहता है कि वह खराई से चलता रहा है और उसका भरोसा यहोवा पर अटल बना है।

भजन संहिता 26:2

दाऊद यहोवा से क्या परखने और जांचने के लिए प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से अपने मन और हृदय को परखने और जाँचने के लिये प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 26:3

दाऊद की आँखों के सामने क्या है?

यहोवा की करुणा दाऊद की आँखों के सामने है।

भजन संहिता 26:4

दाऊद किनके संग नहीं बैठा या न ही साथ कहीं जाएगा?

दाऊद निकम्मी चाल चलनेवालों के संग नहीं बैठा, और न वह कपटियों के साथ कहीं जाएगा।

भजन संहिता 26:5

दाऊद किससे घृणा रखता है?

दाऊद कुकर्मियों की संगति से घृणा रखता है।

भजन संहिता 26:5

दाऊद किसके संग न बैठूँगा कहता है?

दाऊद दुष्टों के संग न बैठूँगा कहता है।

भजन संहिता 26:6–7

यहोवा की वेदी की प्रदक्षिणा करते समय दाऊद क्या करता है?

वह यहोवा का धन्यवाद ऊँचे शब्द से करता है और यहोवा के सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करता है।

भजन संहिता 26:8

दाऊद यहोवा के निवास-स्थान से क्या रखता है?

वह यहोवा के धाम से उसके महिमा के निवास-स्थान से प्रीति रखता है।

भजन संहिता 26:9

दाऊद यहोवा से क्या करने के लिए प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा उसके प्राण को पापियों के साथ, और उसके जीवन को हत्यारों के साथ न मिलाए।

भजन संहिता 26:11

दाऊद कहता है कि वह कैसे चलेगा?

दाऊद कहता है कि वह खराई से चलता रहेगा।

भजन संहिता 26:12

दाऊद के पाँव कहाँ स्थिर है और वह कहाँ यहोवा को धन्य कहा करेगा?

उसके पाँव चौरस स्थान में स्थिर है और वह सभाओं में यहोवा को धन्य कहा करेगा।

भजन संहिता 27:1

दाऊद किसी से क्यों न डरे?

क्योंकि यहोवा उसकी ज्योति, उसका उद्धार और उसके जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है, इसलिए दाऊद किसी से नहीं डरेगा।

भजन संहिता 27:2

जब कुकर्मियों ने दाऊद पर चढ़ाई की, तब क्या हुआ?

तब वे कुकर्मी अर्थात् सताने वाले और बैर रखने वाले ठोकर खाकर गिर पड़े।

भजन संहिता 27:3

किस परिस्थितियों में दाऊद नहीं डरेगा बल्कि हियाव बाँधे निश्चित रहेगा?

चाहे सेना भी उसके विरुद्ध छावनी डाले, तो भी वह न डरेगा; चाहे उसके विरुद्ध लड़ाई ठन जाए, उस दशा में भी वह हियाव बाँधे निश्चित रहेगा।

भजन संहिता 27:4

दाऊद ने यहोवा से क्या माँगा है?

दाऊद ने यहोवा से एक वार माँगा है, की वह जीवन भर यहोवा के भवन में रहने पाए, जिससे यहोवा की मनोहरता पर दृष्टि लगाए रहे, और उसके मन्दिर में ध्यान किया करे।

भजन संहिता 27:5

विपत्ति के दिन में यहोवा दाऊद के लिए क्या करेगा?

यहोवा उसे अपने मण्डप में छिपा रखेगा, अपने तम्बू के गुप्त स्थान में वह उसे छिपा लेगा, और चट्टान पर चढ़ाएगा।

भजन संहिता 27:6

दाऊद यहोवा के लिए किस प्रकार बलिदान चढ़ाएगा?

दाऊद आनन्द के बलिदान चढ़ाएगा, गाएगा और यहोवा के लिए गीत गाता रहेगा।

भजन संहिता 27:7

दाऊद यहोवा से क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रार्थना करता है कि यहोवा उसका शब्द सुने, उस पर दया करे और उसे उत्तर दे।

भजन संहिता 27:8

दाऊद का मन यहोवा से क्या कहता है?

दाऊद का मन कहता है, "हे यहोवा, तेरे दर्शन का मैं खोजी रहूँगा।"

भजन संहिता 27:9

दाऊद यहोवा से क्या न करने को कहता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा अपना मुख मुझसे न छिपा, अपने दास को क्रोध करके न हटा, मुझे त्याग न दे, और मुझे छोड़ न दे।

भजन संहिता 27:10

किस स्थिति में यहोवा दाऊद को सम्भाल लेगा?

उसके माता-पिता ने तो उसे छोड़ दिया है, परन्तु यहोवा उसे सम्भाल लेगा।

भजन संहिता 27:11

दाऊद अपने द्रोहियों के कारण यहोवा से क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रार्थना करता है कि यहोवा उसे अपने मार्ग सिखाए और उसे चौरस मार्ग पर ले चले।

भजन संहिता 27:12

दाऊद यहोवा से क्यों प्रार्थना करता है कि वह उसको उसके सतानेवालों की इच्छा पर न छोड़े?

दाऊद प्रार्थना करता है कि यहोवा उसको उसके सतानेवालों की इच्छा पर न छोड़े, क्योंकि उसके विरुद्ध झूठे साक्षी जो उपद्रव करने की धुन में हैं उसके विरुद्ध उठे हैं।

भजन संहिता 27:13

दाऊद को किस बात पर विश्वास था नहीं तो वो मूर्छित हो जाता?

दाऊद को इस बात पर विश्वास था कि वह जीवितों की पृथ्वी पर यहोवा की भलाई को देखेगा।

भजन संहिता 27:14

दाऊद लोगों को क्या करने के लिए उत्साहित करता है?

दाऊद लोगों को यहोवा की बाट जोहने, हियाव बांधने और अपने हृदय को दृढ़ रखने के लिए उत्साहित करता है।

भजन संहिता 28:1

दाऊद किसे पुकारता है?

दाऊद अपनी चट्टान, यहोवा को पुकारता है।

भजन संहिता 28:1 (#2)

यदि यहोवा दाऊद की अनसुनी करे, तो क्या होगा?

दाऊद कब्र में पड़े हुओं के समान हो जाएगा जो पाताल में चले जाते हैं।

भजन संहिता 28:2

दाऊद किसकी दुहाई देता है?

दाऊद दुहाई देता है कि यहोवा उसकी गिड़गिड़ाहट की बात सुन ले।

भजन संहिता 28:3

दाऊद यहोवा से क्या न करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रार्थना करता है कि यहोवा उसे दुष्टों और अनर्थकारियों के संग न घसीटें।

भजन संहिता 28:4

दाऊद यहोवा से दुष्टों को क्या देने के लिए प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा उनके हाथों के काम के अनुसार उन्हें बदला दे और उनके कामों का पलटा उन्हें दे।

भजन संहिता 28:5

दुष्ट क्या नहीं समझते हैं?

दुष्ट यहोवा के कामों को और उसके हाथ के कामों को नहीं समझते हैं।

भजन संहिता 28:6

यहोवा ने क्या सुना है?

यहोवा ने दाऊद की गिड़गिड़ाहट को सुना है।

भजन संहिता 28:7

दाऊद का बल और उसकी ढाल कौन हैं?

यहोवा ही दाऊद का बल और उसकी ढाल है।

भजन संहिता 28:7 (#2)

दाऊद का मन किस पर भरोसा करता है?

दाऊद का मन यहोवा पर भरोसा करता है इसलिए उसका हृदय प्रफुल्लित है।

भजन संहिता 28:8

अपने लोगों की सामर्थ्य कौन हैं?

यहोवा ही अपने लोगों की सामर्थ्य हैं।

भजन संहिता 28:8 (#2)

अभिषिक्त के लिये उद्धार का दृढ़ गढ़ कौन हैं?

यहोवा अपने अभिषिक्त के लिये उद्धार का दृढ़ गढ़ है।

भजन संहिता 28:9

दाऊद यहोवा से किसका उद्धार करने और आशीष देने की प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से अपनी प्रजा का उद्धार करने, और अपने निज भाग के लोगों को आशीष देने के लिये प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 29:1

दाऊद किससे कहता है कि वे यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को सराहें?

दाऊद परमेश्वर के पुत्रों से कहता है कि वे यहोवा का गुणानुवाद करें, यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को सराहें।

भजन संहिता 29:2

यहोवा के नाम की क्या करो?

यहोवा के नाम की महिमा करो।

भजन संहिता 29:3

दाऊद यहोवा की वाणी की तुलना किससे करता है?

दाऊद यहोवा की वाणी की तुलना मेघों से करते हुए कहता है कि उसकी वाणी मेघों के ऊपर सुनाई देती है।

भजन संहिता 29:5

यहोवा किसे तोड़ डालता है?

यहोवा लबानोन के देवदारों को भी तोड़ डालता है।

भजन संहिता 29:8

यहोवा किसे कँपाता है?

यहोवा कादेश के वन को भी कँपाता है।

भजन संहिता 29:9

यहोवा के मन्दिर में सब कोई क्या बोलते रहते हैं?

उसके मन्दिर में सब कोई "महिमा ही महिमा" बोलते रहते है।

भजन संहिता 29:10

यहोवा कितने समय तक राजा होकर विराजमान रहता है?

यहोवा सर्वदा के लिये राजा होकर विराजमान रहता है।

भजन संहिता 29:11

यहोवा अपने लोगों को कौन-कौन सी दो चीजें देगा?

यहोवा अपनी प्रजा को बल देगा और वह अपनी प्रजा को शान्ति की आशीष देगा।

भजन संहिता 30:1

दाऊद यहोवा को क्यों सराहेगा?

दाऊद यहोवा को इसलिए सराहेगा क्योंकि उसने उसे खींचकर निकाला है, और उसके शत्रुओं को उस पर आनन्द करने नहीं दिया।

भजन संहिता 30:2

जब दाऊद ने दुहाई दी, तो यहोवा ने क्या किया?

यहोवा ने दाऊद को चंगा किया।

भजन संहिता 30:3

यहोवा ने दाऊद का प्राण को कहाँ से निकाला है?

यहोवा ने दाऊद के प्राण अधोलोक में से निकाला है।

भजन संहिता 30:4

यहोवा के पवित्र नाम के स्मरण में विश्वासयोग्य से क्या कहा गया है?

विश्वासयोग्य से यहोवा की स्तुति करने और उसका धन्यवाद करने के लिए कहा गया है।

भजन संहिता 30:5

यहोवा का क्रोध और उसकी प्रसन्नता कब तक बनी रहती है?

यहोवा का क्रोध तो क्षण भर होता है, परन्तु उसकी प्रसन्नता जीवन भर की होती है।

भजन संहिता 30:5 (#2)

कदाचित् रात को रोना पड़े फिर क्या होगा?

कदाचित् रात को रोना पड़े, परन्तु सवेरे आनन्द पहुँचेगा।

भजन संहिता 30:6

दाऊद ने अपने चैन के समय क्या कहा था?

दाऊद ने कहा था, की "मैं कभी नहीं टलने का।"

भजन संहिता 30:7

जब यहोवा ने अपना मुख फेर लिया, तब दाऊद के साथ क्या हुआ?

जब यहोवा ने अपना मुख फेर लिया, तब दाऊद घबरा गया।

भजन संहिता 30:8

दाऊद ने यहोवा को पुकार कर क्या किया?

दाऊद ने यहोवा को पुकारा और प्रभु से गिड़गिड़ाकर विनती की।

भजन संहिता 30:10

दाऊद यहोवा से अपने लिए कौन-कौन सी बातें करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसकी सुने, उस पर दया करे और उसका सहायक बने।

भजन संहिता 30:11 30:11

यहोवा ने दाऊद के लिए क्या किया है?

यहोवा ने दाऊद के विलाप को नृत्य में बदल डाला है, उसके टाट उतरवाकर उसके कमर में आनन्द का पटुका बाँधा है।

भजन संहिता 30:12

दाऊद का मन क्या करेगा?

दाऊद का मन यहोवा का भजन गाता रहेगा और कभी चुप न होगा। वह अपने परमेश्वर यहोवा का सदैव धन्यवाद करता रहेगा।

भजन संहिता 31:1

दाऊद किसमें शरण लेता है?

दाऊद यहोवा में शरण लेता है।

भजन संहिता 31:1–2

दाऊद यहोवा से क्या करने के लिए प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसे कभी लज्जित होने न दे, उसे छुड़ा लें और यहोवा अपना कान उसकी ओर लगाकर तुरन्त उसे छुड़ा लें।

भजन संहिता 31:3

दाऊद परमेश्वर से अगुआई करने और आगे ले चलने के लिए क्यों कहता हैं?

दाऊद परमेश्वर से आपने के नाम के निमित्त उसकी अगुआई करने और उसे आगे ले चलने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 31:4

दाऊद को क्यों विश्वास है कि यहोवा उसे उस जाल से छुड़ाएगा जिसे उसके शत्रुओं ने उसके लिए बिछाया है?

क्योंकि यहोवा उसका दृढ़ गढ़ है, इसलिए दाऊद विश्वास करता है कि यहोवा उसे उस जाल से छुड़ाएगा।

भजन संहिता 31:5

दाऊद अपनी आत्मा किसको सौंप देता है?

दाऊद अपनी आत्मा को यहोवा के हाथ में सौंप देता है।

भजन संहिता 31:6

दाऊद किससे घृणा करता है?

जो व्यर्थ मूर्तियों पर मन लगाते हैं, उनसे दाऊद घृणा करता है।

भजन संहिता 31:7

दाऊद यहोवा की करुणा से क्यों मगन और आनन्दित होगा?

दाऊद मगन और आनन्दित इसलिए होगा क्योंकि यहोवा ने उसके दुःख पर दृष्टि की है, उसके कष्ट के समय यहोवा ने उसकी सुधि ली है।

भजन संहिता 31:8

यहोवा ने दाऊद के पाँवों को कहाँ खड़ा किया है?

यहोवा ने दाऊद के पाँवों को चौड़े स्थान में खड़ा किया है।

भजन संहिता 31:9

दाऊद क्यों चाहता है कि यहोवा उस पर दया करें?

वह इसलिए चाहता है क्योंकि वह संकट में है, उसकी आँखें वरन् उसका प्राण और शरीर सब शोक के मारे घुले जाते हैं।

भजन संहिता 31:10

दाऊद का बल क्यों जाता रहा और उसकी हड्डियाँ क्यों घुल गई?

उसके अधर्म के कारण उसका बल जाता रहा, और उसकी हड्डियाँ घुल गई।

भजन संहिता 31:11

पड़ोसियों ने दाऊद की स्थिति पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

पड़ोसियों में उसकी नामधराई हुई है, उसके जान-पहचानवालों के लिये डर का कारण है; जो उस को सड़क पर देखते है वह उससे दूर भाग जाते हैं।

भजन संहिता 31:12

दाऊद अपनी तुलना किससे करता है?

दाऊद कहता है कि वह मृतक के समान लोगों के मन से बिसर गया; वह टूटे बर्तन के समान हो गया है।

भजन संहिता 31:13

दाऊद इतना व्याकुल क्यों हैं?

उसने बहुतों के मुँह से अपनी निन्दा सुनी हैं, चारों ओर भय ही भय है! जब उन्होंने उसके विरुद्ध आपस में सम्मति की तब उसके प्राण को लेने की युक्ति की है इसलिए दाऊद व्याकुल है।

भजन संहिता 31:15

दाऊद परमेश्वर से किससे छुड़ाने की प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रार्थना करता है कि परमेश्वर उसे उसके शत्रुओं और उसके सतानेवालों के हाथ से उसे छुड़ाए।

भजन संहिता 31:16

दाऊद परमेश्वर से अपने दास के लिए क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वह दाऊद अपने दास पर अपने मुँह का प्रकाश चमकाए और अपनी करुणा से उसका उद्धार करें।

भजन संहिता 31:17

दाऊद परमेश्वर से अपने लिए क्या न होने देने की प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रार्थना करता है कि परमेश्वर उसे लज्जित न होने दे।

भजन संहिता 31:18

झूठ बोलनेवाले मुँह क्यों बन्द किए जाएँ?

क्योंकि वे अहंकार और अपमान से धर्मी की निन्दा करते हैं।

भजन संहिता 31:19

परमेश्वर ने अपनी भलाई किनके लिए रख छोड़ी है?

परमेश्वर ने अपनी भलाई अपने डरवैयों के लिये रख छोड़ी है।

भजन संहिता 31:20

यहोवा अपने डरवैयों को, किससे गुप्त और छिपाए रखेगा?

यहोवा उन्हें दर्शन देने के गुप्त स्थान में मनुष्यों की बुरी गोष्ठी से गुप्त रखेगा और उनको अपने मण्डप में झगड़े-रगड़े से छिपाए रखेगा।

भजन संहिता 31:21

यहोवा क्यों धन्य हैं?

यहोवा इसलिए धन्य है, क्योंकि उसने दाऊद को गढ़वाले नगर में रखकर दाऊद पर अद्‌भुत करुणा की है।

भजन संहिता 31:22

यहोवा ने दाऊद के लिए क्या किया, जबकि दाऊद ने कहा था कि वह परमेश्वर की दृष्टि से दूर हो गया?

यहोवा ने उसकी गिड़गिड़ाहट को सुन लिया जब उसने यहोवा की दुहाई दी।

भजन संहिता 31:23

यहोवा विश्वासयोग्य लोगों के लिए क्या करता है?

यहोवा विश्वासयोग्य लोगों की तो रक्षा करता है, परन्तु जो अहंकार करता है, उसको वह भली भाँति बदला देता है।

भजन संहिता 31:24

दाऊद यहोवा पर आशा रखनेवालों को क्या सलाह देता है?

वह उन्हें सलाह देता है कि हियाव बाँधो और तुम्हारे हृदय दृढ़ रहें!

भजन संहिता 32:1

यहोवा द्वारा धन्य कौन है?

वे लोग धन्य हैं जिनके अपराध यहोवा क्षमा करता है और जिनके पापों को वह ढाँप देता है।

भजन संहिता 32:3-4

जब दाऊद चुप रहा, तब क्या हुआ?

जब वह चुप रहा तब दिन भर कराहते-कराहते दाऊद की हड्डियाँ पिघल गई। क्योंकि रात-दिन वह यहोवा के हाथ के

नीचे दबा रहा और उसकी तरावट धूपकाल की सी झुर्राहट बनती गई।

भजन संहिता 32:5

जब दाऊद ने अपना पाप परमेश्वर पर प्रगट किया और अपना अधर्म न छिपाया, तब परमेश्वर ने क्या किया?

परमेश्वर ने दाऊद के अधर्म और पाप को क्षमा कर दिया।

भजन संहिता 32:6

भक्तों को क्या करना चाहिए?

भक्त को ऐसे समय में प्रार्थना करना चाहिए जब यहोवा मिल सकता है, ताकि जब जल की बड़ी बाढ़ आए तो भी उस भक्त के पास न पहुँचेगी।

भजन संहिता 32:6 (#2)

जब यहोवा मिल सकता है उस समय जब एक भक्त उससे प्रार्थना करे तो उस भक्त के साथ क्या होगा?

निश्चय जब जल की बड़ी बाढ़ आएगी, तो भी उस भक्त के पास न पहुँचेगी।

भजन संहिता 32:7

परमेश्वर दाऊद को किससे घेर लेगा?

परमेश्वर उसे चारों ओर से छुटकारे के गीतों से घेर लेगा।

भजन संहिता 32:10

जो यहोवा पर भरोसा रखता है, उसके साथ क्या होगा?

जो यहोवा पर भरोसा रखता है वह करुणा से घिरा रहेगा।

भजन संहिता 32:11

धर्मियों और सीधे मनवालों को यहोवा के लिए क्या करना है?

धर्मियों यहोवा के कारण आनन्दित और मगन हो, और सब सीधे मनवालों आनन्द से जयजयकार करो।

भजन संहिता 33:1

भजनकार के अनुसार धर्मियों को किसकी जयजयकार करनी चाहिए?

धर्मियों को यहोवा के कारण जयजयकार करनी चाहिए।

भजन संहिता 33:2

भजनकर यहोवा का धन्यवाद क्या बजाकर करने के लिए कहता है?

भजनकर वीणा बजा-बजाकर यहोवा का धन्यवाद करने के लिए कहता हैं।

भजन संहिता 33:4

भजनकार यहोवा के वचन और काम का वर्णन किस प्रकार करता है?

भजनकार कहता है कि यहोवा का वचन सीधा है और उसका सब काम निष्पक्षता से होता है।

भजन संहिता 33:5

यहोवा किससे प्रीति रखता है?

यहोवा धार्मिकता और न्याय से प्रीति रखता है।

भजन संहिता 33:6

यहोवा के वचन से क्या बने है?

यहोवा के वचन से आकाशमण्डल बने है।

भजन संहिता 33:6 (#2)

यहोवा के मुँह की श्वास से क्या बने?

सभी तारेगण यहोवा के मुँह की श्वास से बने।

भजन संहिता 33:7

भजनकार कहता है कि यहोवा समुद्र के जल के साथ क्या करता है?

वह समुद्र का जल ढेर के समान इकट्ठा करता हैं।

भजन संहिता 33:8

भजनकार ने जगत के सब निवासी से क्या करने को कहा?

भजनकार ने कहा कि जगत के सब निवासी यहोवा का भय मानें!

भजन संहिता 33:11

यहोवा की योजना कब तक स्थिर रहेगी?

यहोवा की योजना सर्वदा स्थिर रहेगी, उसके मन की कल्पनाएँ पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहेंगी।

भजन संहिता 33:14

यहोवा अपने निवास के स्थान से, किसको देखता है?

यहोवा अपने निवास के स्थान से पृथ्वी के सब रहनेवालों को देखता है।

भजन संहिता 33:18

यहोवा की दृष्टि किन पर है?

यहोवा की दृष्टि उसके डरवैयों पर बनी रहती है

भजन संहिता 33:21

हमारा हृदय यहोवा के कारण क्यों आनन्दित होगा?

हमारा हृदय उसके कारण इसलिए आनन्दित होगा, क्योंकि हमने उसके पवित्र नाम का भरोसा रखा है।

भजन संहिता 34:1

दाऊद कब यहोवा को धन्य कहा करेगा?

दाऊद हर समय यहोवा को धन्य कहा करेगा।

भजन संहिता 34:2

जब दाऊद यहोवा पर घमण्ड करेगा तो कौन यह सुनकर आनन्दित होंगे?

दाऊद चाहता है कि नम्र लोग यह सुनकर आनन्दित हों।

भजन संहिता 34:3

दाऊद लोगों से क्या करने के लिए कह रहा है?

दाऊद उनसे अपने साथ यहोवा की बड़ाई करने और उसके नाम की मिलकर स्तुति करने का आग्रह कर रहा है।

भजन संहिता 34:4

जब दाऊद यहोवा के पास गया, तो क्या हुआ?

जब दाऊद यहोवा के पास गया, तब यहोवा ने उसकी सुन ली, और उसे पूरी रीति से निर्भय किया।

भजन संहिता 34:5

जिन्होंने उसकी ओर दृष्टि की, उन्होंने क्या पाया?

जिन्होंने उसकी ओर दृष्टि की, उन्होंने ज्योति पाई और उनका मुँह कभी काला न होने पाया।

भजन संहिता 34:6

जब दीन जन ने पुकारा तब यहोवा ने सुन लिया, तो यहोवा ने क्या किया?

यहोवा ने उसको उसके सब कष्टों से छुड़ा लिया।

भजन संहिता 34:7

यहोवा के डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किए हुए क्या करता है?

यहोवा के डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किए हुए उनको बचाता है।

भजन संहिता 34:8

धन्य मनुष्य कौन है?

धन्य मनुष्य वह है जो यहोवा की शरण लेता है।

भजन संहिता 34:9

यहोवा के पवित्र लोगों को उसका भय क्यों मानना है?

यहोवा के पवित्र लोगों, उसका भय इसलिए मानो, क्योंकि उसके डरवैयों को किसी बात की घटी नहीं होती।

भजन संहिता 34:10

दाऊद यहोवा के खोजियों के बारे में क्या कहता है?

दाऊद कहता है कि यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होगी।

भजन संहिता 34:11

दाऊद बच्चों से क्या कहता है?

दाऊद कहता है, "आओ मेरी सुनो, मैं तुम को यहोवा का भय मानना सिखाऊँगा।"

भजन संहिता 34:13–14

दाऊद क्या कहता है कि जो मनुष्य जीवन की इच्छा रखता है उसे क्या करना चाहिए?

दाऊद कहता है कि उसे अपनी जीभ को बुराई से रोके रहना चाहिए, अपने मुँह की चौकसी करनी चाहिए कि उससे छल की बात न निकले, बुराई को छोड़ना चाहिए, भलाई करना चाहिए, मेल को ढूँढ़ना चाहिए और उसी का पीछा करना चाहिए।

भजन संहिता 34:15

यहोवा धर्मियों की दुहाई पर कैसे प्रतिक्रिया देता है?

यहोवा की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं, और उसके कान उनकी दुहाई की ओर लगे रहते हैं।

भजन संहिता 34:16

यहोवा बुराई करनेवालों के साथ क्या करेगा जिनसे वो विमुख रहता है?

यहोवा उनका स्मरण पृथ्वी पर से मिटा डालेगा।

भजन संहिता 34:17

जब धर्मी यहोवा की दुहाई देते हैं तब यहोवा क्या करता है?

यहोवा उनकी सुनता है, और उनको सब विपत्तियों से छुड़ाता है।

भजन संहिता 34:18

यहोवा किनके समीप रहता है?

यहोवा टूटे मनवालों के समीप रहता है।

भजन संहिता 34:18 (#2)

यहोवा किनका उद्धार करता है?

यहोवा पिसे हुओं का उद्धार करता है।

भजन संहिता 34:19–20

जिस धर्मी पर बहुत सी विपत्तियाँ पड़ती हैं, उसके साथ क्या होता है?

यहोवा उसे उन सबसे मुक्त करता है और उसकी हड्डी-हड्डी की भी रक्षा करता है।

भजन संहिता 34:21

दुष्ट का क्या परिणाम होगा?

दुष्ट अपनी बुराई के द्वारा मारा जाएगा।

भजन संहिता 34:21 (#2)

धर्मी के बैरी का क्या परिणाम होगा?

धर्मी के बैरी दोषी ठहराए जाएँगे।

भजन संहिता 34:22

यहोवा अपने शरणागत दासों के लिए क्या करता है?

यहोवा उनका प्राण मोल लेकर बचा लेता है, और उनमें से कोई भी दोषी नहीं ठहरेगा।

भजन संहिता 35:1

दाऊद यहोवा से क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना कहता है कि वह उसके साथ मुकद्दमा लड़ने वालों के साथ लड़ें, और उसके विरुद्ध युद्ध करने वालों के साथ युद्ध करें।

भजन संहिता 35:2–3

दाऊद यहोवा से अपनी सहायता के लिए कौन-कौन से हथियार इस्तेमाल करने को कहता है?

दाऊद यहोवा से कहता है कि वह ढाल, भाला और बर्छी लेकर खड़ा हो और उसकी सहायता करे।

भजन संहिता 35:4

जो दाऊद की हानि की कल्पना करते हैं दाऊद उनके साथ क्या होने देना चाहता है?

जो दाऊद हानि की कल्पना करते हैं, वे पीछे हटाए जाएँ और उनका मुँह काला हो।

भजन संहिता 35:5

दाऊद किससे चाहता है कि वह उसके शत्रुओं को हाँकता जाए?

दाऊद चाहता है कि यहोवा का दूत उन्हें हाँकता जाए।

भजन संहिता 35:7

दाऊद के शत्रुओं ने अकारण क्या किया?

उन्होंने अपना जाल गड्ढे में बिछाया है और दाऊद का प्राण लेने के लिये गड्ढा खोदा है।

भजन संहिता 35:8

दाऊद अपने शत्रुओं के साथ क्या चाहता हैं कि हो?

दाऊद चाहता है कि अचानक उन पर विपत्ति आ पड़े, और जो जाल उन्होंने बिछाया है उसी में वे आप ही फँसे; और उसी विपत्ति में वे आप ही पड़ें।

भजन संहिता 35:9

दाऊद किसमें मगन होगा?

वह यहोवा के कारण अपने मन में मगन होगा।

भजन संहिता 35:11–12

दाऊद का प्राण क्यों ऊब जाता है?

दाऊद का प्राण इसलिए ऊब जाता क्योंकि अधर्मी साक्षी खड़े होते हैं और वे उस पर झूठा आरोप लगाते हैं और भलाई के बदले बुराई करते हैं।

भजन संहिता 35:13–14

दाऊद ने अपने शत्रुओं की परेशानियों पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

दाऊद ने टाट पहना, और उपवास कर करके दुःख उठाता रहा और उसके लिए शोक का पहरावा पहने हुए सिर झुकाकर शोक किया।

भजन संहिता 35:15–16

दाऊद की परेशानियों पर शत्रुओं ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

वे आनन्दित होकर उसके विरुद्ध इकट्ठे हुए, उसे फाड़ते रहे, उसे ताने मारते रहे, और उस पर दाँत पीसते रहे।

भजन संहिता 35:17–18

दाऊद बड़ी सभा में यहोवा का धन्यवाद कब करेंगे?

जब यहोवा उसके प्राण को जवान सिंहों से बचा लेगा, तब वह बड़ी सभा में यहोवा का धन्यवाद करेगा।

भजन संहिता 35:20

दाऊद के शत्रु मेल की बात बोलने के बजाय क्या करते हैं?

वे देश में जो चुपचाप रहते हैं, उनके विरुद्ध छल की कल्पनाएँ करते हैं।

भजन संहिता 35:22–23

दाऊद यहोवा से क्या चाहता है क्योंकि उसने दाऊद की विपत्ति देखी हैं?

वह चाहता है कि यहोवा चुप न रहें, दूर न रहें, और उसके न्याय के लिए जागें और मुकद्दमा निपटाने के लिये आएँ।

भजन संहिता 35:24

दाऊद यहोवा से क्यों कहता है कि वह उसका न्याय चुकाए?

वह कहता है कि यहोवा अपनी धार्मिकता के अनुसार उसका न्याय चुकाए।

भजन संहिता 36:1

दुष्ट जन का अपराध उसके हृदय के भीतर क्या कहता है?

दुष्ट जन का अपराध उसके हृदय के भीतर कहता है कि परमेश्वर का भय उसकी दृष्टि में नहीं है।

भजन संहिता 36:2

दुष्ट जन अपने मन में कैसी चिकनी चुपड़ी बातें विचारता है?

वह सोचता है कि उसका अधर्म प्रगट नहीं होगा और उसे कोई घृणित नहीं ठहराएगा।

भजन संहिता 36:3

दुष्ट जन की बातें कैसी होती हैं?

उसकी बातें अनर्थ और छल की होती हैं।

भजन संहिता 36:3 (#2)

दुष्ट जन ने क्या करने से हाथ उठाया है?

उसने बुद्धि और भलाई के काम करने से हाथ उठाया है।

भजन संहिता 36:4

दुष्ट जन अपने बिछौने पर पड़े-पड़े क्या करता है?

वह अपने बिछौने पर पड़े-पड़े अनर्थ की कल्पना करता है।

भजन संहिता 36:5

स्वर्ग और आकाशमण्डल तक क्या पहुँची है?

यहोवा की करुणा स्वर्ग में है, और उसकी सच्चाई आकाशमण्डल तक पहुँची है।

भजन संहिता 36:6

यहोवा का धर्म और न्याय किसके समान है?

उसका धर्म ऊँचे पर्वतों के समान है और उसका न्याय अथाह सागर के समान हैं।

भजन संहिता 36:6 (#2)

यहोवा किसकी रक्षा करता है?

यहोवा मनुष्य और पशु दोनों की रक्षा करता है।

भजन संहिता 36:7

कौन परमेश्वर के पंखो के तले शरण लेते हैं?

मनुष्य परमेश्वर के पंखो के तले शरण लेते हैं।

भजन संहिता 36:8

मनुष्य क्या की बहुतायत से तृप्त होंगे?

मनुष्य परमेश्वर के भवन के भोजन की बहुतायत से तृप्त होंगे।

भजन संहिता 36:10

दाऊद परमेश्वर से किस पर करुणा करने के लिए प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से अपने (परमेश्वर को) जाननेवालों पर करुणा करने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 36:11

दाऊद परमेश्वर से क्या न होने देने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि अहंकारी उस पर लात उठाने न पाए, और न दुष्ट अपने हाथ के बल से उसे भगाने पाए।

भजन संहिता 36:12

जो अनर्थकारी गिर पड़े हैं उनका क्या परिणाम होगा?

वे ढकेल दिए गए, और फिर उठ न सकेंगे।

भजन संहिता 37:1–2

दाऊद क्यों कहता है कि कुकर्मियों के कारण मत कुढ़?

दाऊद कुकर्मियों के कारण मत कुढ़ इसलिए कहता है क्योंकि वे घास के समान झट कट जाएँगे, और हरी घास के समान मुर्झा जाएँगे।

भजन संहिता 37:4

दाऊद यहोवा को अपने सुख का मूल जानने के लिये क्यों कहता है?

वह यहोवा को अपने सुख का मूल जानने के लिये इसलिए कहता है क्योंकि वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा।

भजन संहिता 37:5–6

दाऊद क्यों कहता है कि यहोवा पर भरोसा रख?

वह इसलिए कहता है कि यहोवा पर भरोसा रख क्योंकि वही कार्य पूरा करेगा, तेरा धर्म ज्योति के समान, और तेरा न्याय दोपहर के उजियाले के समान प्रगट करेगा।

भजन संहिता 37:7

दाऊद कहता है कि हमें यहोवा के सामने क्या करना चाहिए?

वह कहता है कि यहोवा के सामने चुपचाप रह, और धीरज से उसकी प्रतिक्षा कर, और उस मनुष्य के कारण न कुढ़, जिसके काम सफल होते हैं, और वह बुरी युक्तियों को निकालता है।

भजन संहिता 37:8–10

दाऊद क्यों कहता है कि क्रोध से परे रह, और जलजलाहट को छोड़ दे या मत कुढ़?

वह इसलिए कहता है क्योंकि कुकर्मी लोग काट डाले जाएँगे और जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वही पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

भजन संहिता 37:11

नम्र लोग क्या होंगे?

नम्र लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे, और बड़ी शान्ति के कारण आनन्द मनाएँगे।

भजन संहिता 37:14–15

जो दुष्ट लोग सीधे चाल चलने वालों को वध करने का प्रयास करते हैं, उनके साथ क्या होगा?

उनकी तलवारों से उन्हीं के हृदय छिदेंगे, और उनके धनुष तोड़े जाएँगे।

भजन संहिता 37:16–17

धर्मी का थोड़ा सा धन दुष्टों के बहुत से धन से उत्तम क्यों होता है?

धर्मी का थोड़ा सा धन दुष्टों के बहुत से धन से उत्तम इसलिए है, क्योंकि दुष्टों की भुजाएँ तो तोड़ी जाएँगी; परन्तु यहोवा धर्मियों को सम्भालता है।

भजन संहिता 37:18–19

यहोवा खरे लोगों के लिए प्रबंध कैसे करेगा?

खरे लोग विपत्ति के समय लज्जित नहीं होंगे, और अकाल के दिनों में वे तृप्त रहेंगे।

भजन संहिता 37:20

यहोवा के शत्रु क्या होंगे?

यहोवा के शत्रु खेत की सुथरी घास के समान नाश होंगे और वे धुएँ के समान लुप्त हो जाएँगे।

भजन संहिता 37:23–24

मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है तो इस से क्या लाभ होता है?

चाहे वह गिरे तो भी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थामे रहता है।

भजन संहिता 37:25

दाऊद ने धर्मी के साथ क्या घटित होते हुए नहीं देखा?

उसने न तो कभी धर्मी को त्यागा हुआ, और न उसके वंश को टुकड़े माँगते देखा है।

भजन संहिता 37:26

धर्मी जन कैसे कार्य करता है?

वह तो दिन भर अनुग्रह कर करके ऋण देता है।

भजन संहिता 37:27

लोगों को सर्वदा बने रहने के लिए क्या करना चाहिए?

उन्हें बुराई को छोड़ भलाई करनी चाहिए।

भजन संहिता 37:29

धर्मी लोग क्या होंगे?

धर्मी लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे, और उसमें सदा बसे रहेंगे।

भजन संहिता 37:30

धर्मी अपने मुँह से कैसी बातें करता है?

धर्मी अपने मुँह से बुद्धि की बातें करता, और न्याय का वचन कहता है।

भजन संहिता 37:32–33

जो दुष्ट धर्मी की ताक में रहता है और उसके मार डालने का यत्न करता है उसके साथ क्या होगा?

यहोवा उसको उसके हाथ में न छोड़ेगा, और जब उसका विचार किया जाए तब वह उसे दोषी न ठहराएगा।

भजन संहिता 37:34

जो यहोवा की बाट जोहता है, उसका क्या होगा?

यहोवा उसे बढ़ाकर पृथ्वी का अधिकारी कर देगा।

भजन संहिता 37:35–36

दुष्ट के साथ क्या होगा?

वह हरा पेड़ अपने निज भूमि में फैलता है, परन्तु बाद में वह वहाँ है ही नहीं।

भजन संहिता 37:39–40

यहोवा धर्मियों के लिए क्या करता है?

संकट के समय यहोवा उनका दृढ़ गढ़ है और यहोवा उनकी सहायता करके उनको बचाता है।

भजन संहिता 38:1

दाऊद यहोवा से क्रोध में आकर क्या न करने के लिए प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा उसे अपने क्रोध में आकर झिड़क न दे, और न जलजलाहट में आकर उसकी ताड़ना करें।

भजन संहिता 38:3

दाऊद क्यों कहता हैं, "मेरी हड्डियों में कुछ भी चैन नहीं?"

दाऊद अपने पाप के कारण कहता है कि उसकी हड्डियों में कुछ भी चैन नहीं।

भजन संहिता 38:4

दाऊद का सिर क्यों डूब गया?

उसके अधर्म के कामों में उसका सिर डूब गया।

भजन संहिता 38:6

दाऊद दिन भर क्या करता है?

वह दिन भर शोक का पहरावा पहने हुए चलता फिरता है।

भजन संहिता 38:7

दाऊद अपने शरीर के विषय में क्या कहता है?

दाऊद कहता है कि उसकी कमर में जलन है, और उसके शरीर में आरोग्यता नहीं।

भजन संहिता 38:9

दाऊद क्या कहता है कि प्रभु के सम्मुख है?

वह कहता है कि उसकी (दाऊद की) सारी अभिलाषा प्रभु के सम्मुख है।

भजन संहिता 38:11

दाऊद के मित्र और उसके संगी कैसे अलग हो गए?

दाऊद के मित्र और उसके संगी उसकी विपत्ति में उससे अलग हो गए।

भजन संहिता 38:16

दाऊद को यह चिंता है कि यदि उसका पाँव फिसल जाता है तो उसके शत्रु क्या करेंगे?

यदि दाऊद का पाँव फिसल जाता है, तो उसके शत्रु उस पर अपनी बड़ाई मारते हैं।

भजन संहिता 38:20

दाऊद के शत्रु भलाई के बदले में क्या करते हैं?

भलाई के बदले वे दाऊद के साथ बुराई करते हैं और भलाई के पीछे चलने के कारण उसका विरोध करते हैं।

भजन संहिता 38:21–22

जब दाऊद यहोवा से सहायता मांगता है, तो वे किन नामों का उपयोग करता है?

वह उसे "यहोवा", "परमेश्वर", और "मेरे उद्धारकर्ता" कहता है।

भजन संहिता 39:1

दाऊद ने क्या करने का निर्णय लिया?

दाऊद ने निर्णय लिया कि वह अपनी चाल चलन में चौकसी करेगा और दुष्ट के सामने लगाम लगाए अपना मुँह बन्द किए रखेगा।

भजन संहिता 39:2–3

जब दाऊद मौन धारण कर गूँगा बन गया, और भलाई की ओर से भी चुप्पी साधे रहा, तब क्या हुआ?

दाऊद की पीड़ा बढ़ गई और उसके हृदय के अन्दर आग भड़क उठी।

भजन संहिता 39:4

दाऊद अपने जीवन के बारे में क्या मालूम करना चाहता है?

दाऊद यह मालूम करना चाहता है कि उसका अन्त कब होगा, उसकी आयु के दिन कितने हैं, और वह कितना अनित्य है।

भजन संहिता 39:5

दाऊद कहता है कि यहोवा की दृष्टि में उसका जीवनकाल कैसा है?

यहोवा की दृष्टि में दाऊद का जीवनकाल कुछ है ही नहीं।

भजन संहिता 39:6

मनुष्य क्यों व्यर्थ घबराते हैं?

मनुष्य धन संचय करने के लिए व्यर्थ घबराते हैं।

भजन संहिता 39:7

दाऊद की आशा कहाँ लगी है?

दाऊद की आशा तो प्रभु की ओर लगी है।

भजन संहिता 39:8

दाऊद यहोवा से किस बन्धन से छुड़ाने के लिए प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से अपने सब अपराधों के बन्धन से छुड़ाने के लिए प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 39:8 (#2)

दाऊद किसका विषय नहीं बनना चाहता?

दाऊद मूर्ख की निन्द का विषय नहीं बनना चाहता।

भजन संहिता 39:9

प्रभु ने जो काम किया, उस पर दाऊद क्या प्रतिक्रिया देता है?

दाऊद गूँगा बन गया और मुँह न खोला।

भजन संहिता 39:10

दाऊद किससे भस्म हुआ जाता है?

दाऊद प्रभु के हाथ की मार से भस्म हुआ जाता है।

भजन संहिता 39:11

जब प्रभु मनुष्य को अधर्म के कारण डाँट-डपटकर ताड़ना देता है, तब क्या होता है?

प्रभु उसकी सामर्थ्य को पतंगे के समान नाश करता है और सचमुच सब मनुष्य वृथाभिमान करते हैं।

भजन संहिता 39:12

दाऊद यहोवा से अपनी दुहाई पर कान लगाने और उसे रोना सुनकर शांत न रहने के लिए क्यों प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से सुनने के लिए कहता है, क्योंकि दाऊद उसके साथ एक परदेशी यात्री के समान रहता है, और उसके सब पुरखाओं के समान परदेशी है।

भजन संहिता 39:13

दाऊद अपने चले जाने से पहले यहोवा से क्या करने की प्रार्थना करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा उसे बचा लें, ताकि वह प्रदीप्त जीवन प्राप्त करे।

भजन संहिता 40:1

जब दाऊद धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा तब यहोवा ने क्या किया?

यहोवा ने दाऊद की ओर झुककर उसकी दुहाई सुनी।

भजन संहिता 40:2

यहोवा ने दाऊद के लिए और क्या-क्या किया?

यहोवा ने दाऊद को सत्यानाश के गड्ढे और दलदल की कीच में से उबारा, और उसको चट्टान पर खड़ा करके उसके पैरों को दृढ़ किया।

भजन संहिता 40:3

क्योंकि परमेश्वर ने दाऊद को एक नया गीत सिखाया जो परमेश्वर की स्तुति का है, इससे बहुत लोग क्या करेंगे?

बहुत लोग यह देखेंगे और यहोवा की महिमा करेंगे, और यहोवा पर भरोसा रखेंगे।

भजन संहिता 40:4

धन्य कौन हैं?

जो यहोवा पर भरोसा करता है, और अभिमानियों और मिथ्या की ओर मुड़नेवालों की ओर मुँह न फेरता वह पुरुष धन्य है।

भजन संहिता 40:5

दाऊद परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों और विचार का वर्णन कैसे करता है?

परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों और विचार जो हमारे लिये करता है वह बहुत सी हैं, उसके तुल्य कोई नहीं।

भजन संहिता 40:7–8

पुस्तक में दाऊद के विषय में क्या लिखा हुआ है?

यह लिखा है कि वह परमेश्वर की इच्छा पूरी करने से प्रसन्न होता है और परमेश्वर की व्यवस्था उसके अन्तःकरण में बसी है।

भजन संहिता 40:9

बड़ी सभा में दाऊद ने क्या प्रचार किया है?

दाऊद ने बड़ी सभा में धार्मिकता के शुभ समाचार का प्रचार किया है।

भजन संहिता 40:10

दाऊद ने मन ही में क्या नहीं रखा?

उसने परमेश्वर की धार्मिकता मन ही में नहीं रखा, और परमेश्वर की करुणा और सत्यता बड़ी सभा से गुप्त नहीं रखी।

भजन संहिता 40:11

दाऊद यहोवा से क्या प्रार्थना करता है कि वह उसके लिए क्या करे?

दाऊद प्रार्थना करता है कि यहोवा अपनी बड़ी दया दाऊद पर से न हटा ले, परमेश्वर की करुणा और सत्यता से निरन्तर दाऊद की रक्षा होती रहे।

भजन संहिता 40:12

दाऊद का हृदय क्यो टूट गया है?

क्योंकि वह अनगिनत बुराइयों से घिरा हुआ है; उसके अधर्म के कामों ने उसे आ पकड़ा और वह दृष्टि नहीं उठा सकता। इसलिए उसका हृदय टूट गया है।

भजन संहिता 40:13

वह किस बात के लिए यहोवा से कृपा की प्रार्थना करता है?

वह प्रार्थना करता है कि यहोवा कृपा करके उसे छुड़ा ले।

भजन संहिता 40:14

दाऊद किस बात की प्रार्थना करता है कि जो उसके प्राण की खोज में हैं, उनके साथ क्या हो?

वह प्रार्थना करता है कि वे सब लज्जित हों, उनके मुँह काले हों, और जो उसकी हानि से प्रसन्न होते हैं वे पीछे हटाए और निरादर किए जाएँ।

भजन संहिता 40:16

जितने परमेश्वर को ढूँढ़ते हैं और उसका उद्धार चाहते हैं, उनके लिए दाऊद क्या प्रार्थना करता है?

वह प्रार्थना करता है कि वे परमेश्वर के कारण हर्षित और आनन्दित हों, और वे निरन्तर कहते रहें, "यहोवा की बड़ाई हो!"

भजन संहिता 40:17

दाऊद प्रभु के बारे में क्या कहता है?

प्रभु उसकी चिन्ता करता है, उसका सहायक और छुड़ानेवाला है।

भजन संहिता 41:1

दाऊद किस को धन्य कहते हैं?

जो कंगाल की सुधि रखता है, वह धन्य है।

भजन संहिता 41:1–2

यहोवा धन्य मनुष्य के लिये क्या करेंगे?

यहोवा उसको बचाएगा, उसकी रक्षा करके उसको जीवित रखगा, और वे पृथ्वी पर धन्य होगा।

भजन संहिता 41:2

यहोवा धन्य मनुष्य के साथ क्या नहीं करेंगे?

यहोवा उसे उसके शत्रुओं की इच्छा पर नहीं छोड़ेंगे।

भजन संहिता 41:3

यहोवा व्याधि के मारे शय्या पर पड़े धन्य मनुष्य के लिये क्या करेंगे?

जब वे व्याधि के मारे शय्या पर पड़े हो, तब यहोवा उन्हें सम्भालेंगे और रोग में उनके पूरे बिछौने को उलटकर ठीक करेंगे।

भजन संहिता 41:4

दाऊद ने यहोवा से उस पर दया करने के लिये क्यों कहा?

दाऊद ने यहोवा से उस पर दया करने के लिये कहा क्योंकि उसने यहोवा के विरुद्ध पाप किया था।

भजन संहिता 41:5

दाऊद के शत्रु क्या कहकर उसकी बुराई करते हैं?

वे पूछते हैं कि वह कब मरेगा, और उसका नाम कब मिटेगा।

भजन संहिता 41:6

दाऊद का शत्रु उससे क्या कहता है?

उसका शत्रु व्यर्थ बातें बकता है।

भजन संहिता 41:7

दाऊद के बैरी क्या कानाफूसी करते और किसकी कल्पना करते हैं?

दाऊद के बैरी मिलकर उसके विरुद्ध कानाफूसी करते हैं और उसकी हानि की कल्पना करते हैं।

भजन संहिता 41:9

दाऊद का परम मित्र जिस पर वह भरोसा रखता था, उसने क्या किया है?

उसके परम मित्र ने उसके विरुद्ध लात उठाई है।

भजन संहिता 41:10

यहोवा ने दाऊद के लिये क्या किया है?

यहोवा ने उस पर दया करके उसको उठाया कि वह अपने बैरी को उनका बदला दे।

भजन संहिता 41:11

दाऊद ने कैसे जान लिया कि यहोवा उससे प्रसन्न है?

दाऊद यह जानता है क्योंकि उसका शत्रु उस पर जयवन्त नहीं हो पाता है।

भजन संहिता 41:12

यहोवा दाऊद को कैसे सम्भालते हैं?

यहोवा उसे खराई से सम्भालते और सर्वदा के लिये अपने सम्मुख स्थिर करते हैं।

भजन संहिता 41:13

यहोवा कब धन्य है?

यहोवा आदि से अनन्तकाल तक धन्य हैं।

भजन संहिता 42:1

भजनकार का प्राण परमेश्वर के लिये कैसे हाँफता है?

जैसे हिरनी नदी के जल के लिये हाँफती है, वैसे ही उसका प्राण परमेश्वर के लिये हाँफता है।

भजन संहिता 42:2

भजनकार अपने प्राण के विषय में क्या कहता है?

उसका प्राण परमेश्वर, हाँ जीविते परमेश्वर का प्यासा है।

भजन संहिता 42:3

भजनकार के आँसू उसके लिये क्या बन गया है?

उसके आँसू दिन और रात उसका आहार हुए।

भजन संहिता 42:4

भजनकार किन बातों को स्मरण करते हैं?

वह स्मरण करता है कि वह कैसे भीड़ के संग जाया करता था, वह जयजयकार और धन्यवाद के साथ उत्सव करनेवाली भीड़ के बीच में परमेश्वर के भवन को धीरे धीरे जाया करता था।

भजन संहिता 42:5

भजनकार अपने प्राण से क्या करने को कहता है?

वह अपने प्राण से परमेश्वर पर आशा लगाए रहने को कहता है, क्योंकि वह उनके दर्शन से उद्धार पाकर फिर उनका धन्यवाद करेगा।

भजन संहिता 42:7

भजनकार किसमें डूब गया है?

भजनकार परमेश्वर की सारी तरंगों और लहरों में डूब गया है।

भजन संहिता 42:8

दिन को यहोवा क्या प्रगट करेंगे?

दिन को यहोवा अपनी शक्ति और करुणा प्रगट करेंगे।

भजन संहिता 42:8 (#2)

रात में क्या होगा?

रात को वे परमेश्वर का गीत गाएँगे, और अपने जीवनदाता परमेश्वर से प्रार्थना करेंगे।

भजन संहिता 42:9

भजनकार परमेश्वर, जो उनकी चट्टान है, से क्या पूछेंगे?

वह पूछेंगे कि परमेश्वर उन्हें क्यों भूल गए, और वे शत्रु के अत्याचार के मारे क्यों शोक का पहरावा पहने हुए चलते फिरते हैं।

भजन संहिता 42:10

भजनकार अपने सतानेवाले की निन्दा की तुलना किससे करते हैं?

वे कहते हैं कि सतानेवाले की निन्दा से मानो उनकी हड्डियाँ चूर-चूर होती हैं, मानो कटार से छिदी जाती हैं।

भजन संहिता 42:11

भजनकार परमेश्वर से क्या प्रतीक्षा करते हैं?

वे पूरे भरोसे के साथ प्रतीक्षा करते हैं कि परमेश्वर उन्हें आशीष देंगे।

भजन संहिता 43:1

भजनकार परमेश्वर से उसके लिये क्या करने को कहता है?

वह परमेश्वर से कहता है कि वह उसका न्याय चुकाए और विधर्मी जाति से उसका मुकद्दमा लड़े; उसको छली और कुटिल पुरुष से बचाएँ।

भजन संहिता 43:2

परमेश्वर को उसका न्याय चुकाना और उसका मुकद्दमा लड़ना क्यों चाहिए?

परमेश्वर को उसका न्याय चुकाना चाहिए क्योंकि परमेश्वर उसका सामर्थी परमेश्वर हैं।

भजन संहिता 43:3

भजनकार परमेश्वर से क्या प्रार्थना करता है कि उनका प्रकाश और उनकी सच्चाई क्या करें ?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उनका प्रकाश और उनकी सच्चाई उसकी अगुआई करें और उसे परमेश्वर के पवित्र पर्वत पर और निवास-स्थान में पहुँचाए।

भजन संहिता 43:4

जब परमेश्वर भजनकार को निवास-स्थान में पहुँचाएँगे, तब वह कहाँ जाएगा?

वह परमेश्वर की वेदी के पास जाएगा।

भजन संहिता 43:4 (#2)

भजनकार अपनी वीणा के साथ क्या करेगा?

वह अपनी वीणा बजा-बजाकर परमेश्वर का धन्यवाद करेगा।

भजन संहिता 43:5

भजनकार का प्राण अन्दर ही अन्दर व्याकुल क्यों नहीं होना चाहिए ?

उसके प्राण को परमेश्वर में आशा रखना चाहिए क्योंकि परमेश्वर उसके मुख की चमक है और उसका परमेश्वर है इसलिए वह फिर उनका धन्यवाद करेगा।

भजन संहिता 44:1

भजनकार ने अपने कानों से क्या सुना है?

उसने सुना है कि परमेश्वर ने उनके दिनों में और प्राचीनकाल में क्या-क्या काम किए हैं।

भजन संहिता 44:2

परमेश्वर ने अपने हाथों से क्या किया?

परमेश्वर ने अपने हाथ से जातियों को निकाल दिया और इस्राएल के लोगों को बसाया।

भजन संहिता 44:3

इस्राएली देश के अधिकारी और जयवन्त कैसे हुए?

वे न तो अपनी तलवार के बल से इस देश के अधिकारी हुए, और न अपने बाहुबल से; परन्तु परमेश्वर के दाहिने हाथ से क्योंकि परमेश्वर उनको चाहते थे।

भजन संहिता 44:5

इस्राएली परमेश्वर के सहारे क्या करेंगे?

वे परमेश्वर के सहारे अपने द्रोहियों को ढकेलकर गिरा देंगे और परमेश्वर के नाम के प्रताप से अपने विरोधियों को रौंदेंगे।

भजन संहिता 44:6

भजनकार किस पर भरोसा नहीं रखेगा?

वह अपने धनुष पर भरोसा नहीं रखेगा, और न अपनी तलवार के बल से बचेगा।

भजन संहिता 44:7

परमेश्वर ने उसे किससे बचाया है?

परमेश्वर ने उसे उसके द्रोहियों से बचाया है और उसके बैरियों को निराश और लज्जित किया है।

भजन संहिता 44:9

अब परमेश्वर ने क्या किया है?

अब परमेश्वर ने उसको त्याग दिया और उसका अनादर किया है, और उसके दलों के साथ आगे नहीं जाते हैं।

भजन संहिता 44:10

परमेश्वर इस्राएलियों से क्या करवाते हैं?

परमेश्वर उन्हें शत्रु के सामने से हटा देते हैं।

भजन संहिता 44:10 (#2)

इस्राएलियों के बैरी क्या करते हैं?

उनके बैरी मनमाने लूट मार करते हैं।

भजन संहिता 44:11

परमेश्वर ने इस्राएलियों को किसके समान कर दिया है?

परमेश्वर ने उन्हें कसाई की भेड़ों के समान कर दिया है, और उनको अन्यजातियों में तितर-बितर किया है।

भजन संहिता 44:13

परमेश्वर इस्राएलियों को उनके पड़ोसियों से क्या कराते हैं?

परमेश्वर उनके पड़ोसियों से उनकी नामधराई कराते हैं और चारों ओर के रहनेवाले उनसे हँसी ठट्ठा करते हैं।

भजन संहिता 44:15

भजनकार को दिन भर तिरस्कार सहना क्यों पड़ता है?

कलंक लगाने और निन्दा करनेवाले के बोल के कारण, शत्रु और बदला लेनेवालों के कारण, बुरा-भला कहनेवालों और निन्दा करनेवालों के कारण उसको दिन भर तिरस्कार सहना पड़ता है।

भजन संहिता 44:17

इस्राएलियों ने क्या नहीं किया हैं?

वे परमेश्वर को नहीं भूले और न ही परमेश्वर की वाचा के विषय विश्वासघात किया है।

भजन संहिता 44:18

इस्राएलियों के मन और पैरों ने क्या नहीं किया है?

उनका मन न बहका और न ही उनके पैर परमेश्वर की राह से मुड़े।

भजन संहिता 44:19

फिर भी परमेश्वर ने क्या किया हैं?

परमेश्वर ने उन्हें गीदड़ों के स्थान में पीस डाला और उनको घोर अंधकार में छिपा दिया है।

भजन संहिता 44:20–21

परमेश्वर निश्चित रूप से क्या विचार करेंगे?

परमेश्वर यह विचार करेंगे कि क्या वे परमेश्वर का नाम भूल गए या किसी पराए देवता की ओर अपने हाथ फैलाए हैं।

भजन संहिता 44:22

इस्राएली परमेश्वर के निमित्त क्या समझे जाते हैं?

वे भेड़ों के समान समझे जाते हैं जो वध होने पर हैं।

भजन संहिता 44:25

इस्राएलियों के प्राण ने क्या किया है?

उनका प्राण मिट्टी से लग गया और उनका शरीर भूमि से सट गया है।

भजन संहिता 44:26

भजनकार क्या प्रार्थना करता है कि परमेश्वर क्या करें?

वह प्रार्थना करता है कि परमेश्वर उनकी सहायता के लिये उठ खड़े हो, और परमेश्वर अपनी करुणा के निमित्त उनको छुड़ाएँ।

भजन संहिता 45:1

भजनकार क्या सुनाने वाले हैं?

जो बात उन्होंने राजा के विषय रची है उसको सुनाने वाले हैं।

भजन संहिता 45:2

भजनकार राजा का वर्णन किस प्रकार करते हैं?

राजा मनुष्य की सन्तानों में परम सुन्दर है, उनके होठों में अनुग्रह भरा हुआ है, इसलिए परमेश्वर ने उन्हें सदा के लिये आशीष दी है।

भजन संहिता 45:4

राजा को सफलता से क्यों सवार होना चाहिए?

राजा को सत्यता, नम्रता और धार्मिकता के निमित्त सफलता से सवार होना चाहिए।

भजन संहिता 45:5

राजा के तीरों का वर्णन कैसे किया गया है?

उनके तीर तेज़ हैं और राजा के शत्रुओं के हृदय उनसे छिदेंगे।

भजन संहिता 45:6

परमेश्वर के सिंहासन और राजदण्ड का वर्णन कैसे किया गया है?

उनका सिंहासन सदा सर्वदा बना रहेगा, और उनका राजदण्ड न्याय का है।

भजन संहिता 45:7

राजा ने किससे प्रीति की है और किससे बैर किया है?

उन्होंने धार्मिकता से प्रीति की है और दुष्टता से बैर किया है।

भजन संहिता 45:8

राजा के सारे वस्त्र किससे सुगन्धित हैं?

उनके सारे वस्त्र गन्धरस, अगर, और तेज से सुगन्धित हैं।

भजन संहिता 45:9

राजा की राजकुमारियाँ और पटरानी कहाँ हैं?

राजाओं की राजकुमारियाँ परमेश्वर की प्रतिष्ठित स्त्रियों में हैं और परमेश्वर के दाहिनी ओर पटरानी, ओपीर के कुन्दन से विभूषित खड़ी है।

भजन संहिता 45:12

धनवान लोग क्या करेंगे?

धनवान लोग राजा को प्रसन्न करने का यत्न करेंगे।

भजन संहिता 45:14

राजकुमारी को कहाँ ले जाया जाएगा?

वह बूटेदार वस्त्र पहने हुए राजा के पास पहुँचाई जाएगी।

भजन संहिता 45:15

कुमारियों को कैसे और कहाँ पहुँचाया जाएगा?

वे आनन्दित और मगन होकर पहुँचाई जाएँगी; वे राजा के महल में प्रवेश करेंगी।

भजन संहिता 45:16

राजा के पितरों के स्थान पर कौन होंगे?

उनके पितरों के स्थान पर उनके सन्तान होंगे; जिनको वो सारी पृथ्वी पर हाकिम ठहराएगा।

भजन संहिता 45:17

राजा के नाम का क्या होगा?

यह नाम की चर्चा पीढ़ी से पीढ़ी तक होती रहेगी।

भजन संहिता 46:1

भजनकार परमेश्वर का वर्णन कैसे करता है?

परमेश्वर हमारे शरणस्थान और बल हैं, संकट में अति सहज से मिलनेवाले सहायक।

Psalm 46:2

चाहे पृथ्वी उलट जाए, और पहाड़ समुद्र के बीच में डाल दिए जाएँ, तो भी इस्राएली क्या नहीं होंगे?

इस कारण, उनको कोई भय नहीं।

भजन संहिता 46:4

कौन सी बात से परमेश्वर के नगर में आनन्द होता है?

एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में आनन्द होता है।

भजन संहिता 46:5

परमेश्वर का नगर क्या नहीं होगा?

नगर कभी टलने का नहीं।

भजन संहिता 46:6

जब जाति-जाति के लोग झल्ला उठे, राज्य-राज्य के लोग डगमगाने लगे; वह बोल उठा, तब पृथ्वी के साथ क्या हुआ?

पृथ्वी पिघल गई।

भजन संहिता 46:7

सेनाओं के यहोवा, याकूब के परमेश्वर कहाँ और कौन हैं?

सेनाओं के यहोवा इस्राएल के संग हैं, और याकूब के परमेश्वर उनका ऊँचा गढ़ हैं।

भजन संहिता 46:9

यहोवा लड़ाइयों का क्या करते हैं?

वे पृथ्वी की छोर तक लड़ाइयों को मिटाते हैं, और वे धनुष को तोड़ते, और भाले को दो टुकड़े कर डालते हैं, और रथों को आग में झोंक देते हैं।

भजन संहिता 46:10

परमेश्वर लोगों से क्या करने के लिये कहते हैं?

चुप हो जाओ, और जान लो कि वे ही परमेश्वर हैं।

भजन संहिता 46:10 (#2)

जातियों में परमेश्वर का क्या होगा?

जातियों में और पृथ्वी भर में परमेश्वर की महिमा होगी।

भजन संहिता 46:11

इस्राएल के लिये याकूब का परमेश्वर कौन हैं?

वे उनका ऊँचा गढ़ हैं।

भजन संहिता 47:1–2

सब लोग को तालियाँ बजाकर और ऊँचे शब्द से परमेश्वर के लिये जयजयकार क्यों करनी चाहिए?

उन्हें तालियाँ बजाना और जयजयकार करना चाहिए क्योंकि यहोवा परमप्रधान और भययोग्य है, वे सारी पृथ्वी के ऊपर महाराजा हैं।

भजन संहिता 47:3

यहोवा देश-देश के लोगों और जाति-जाति के साथ क्या करते हैं?

वे देश-देश के लोगों को इस्राएलियों के सम्मुख नीचा करते, और जाति-जाति को उनके पाँवों के नीचे कर देते हैं।

भजन संहिता 47:5

परमेश्वर कैसे ऊपर गए हैं?

परमेश्वर जयजयकार सहित, यहोवा नरसिंगे के शब्द के साथ ऊपर गए हैं।

भजन संहिता 47:6–7

सब लोगों को परमेश्वर का भजन क्यों गाना चाहिए?

उन्हें परमेश्वर का भजन गाना चाहिए क्योंकि परमेश्वर सारी पृथ्वी के महाराजा हैं।

भजन संहिता 47:8

परमेश्वर कहाँ राज्य करते हैं?

परमेश्वर जाति-जाति पर राज्य करते हैं।

भजन संहिता 47:8 (#2)

परमेश्वर कहाँ विराजमान हैं?

परमेश्वर अपने पवित्र सिंहासन पर विराजमान हैं।

भजन संहिता 47:9

राज्य-राज्य के रईस क्या होने के लिये इकट्ठे हुए हैं?

वे अब्राहम के परमेश्वर की प्रजा होने के लिये इकट्ठे हुए हैं।

भजन संहिता 47:9 (#2)

राज्य-राज्य के रईस अब्राहम के परमेश्वर की प्रजा होने के लिये क्यों इकट्ठे हुए हैं?

वे अब्राहम के परमेश्वर की प्रजा होने के लिये इकट्ठे हुए हैं क्योंकि परमेश्वर तो शिरोमणि हैं।

भजन संहिता 48:1

भजनकार यहोवा का वर्णन कैसे करते हैं?

यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य हैं।

भजन संहिता 48:2

सिय्योन पर्वत का वर्णन कैसे किया गया है?

सिय्योन पर्वत ऊँचाई में सुन्दर और सारी पृथ्वी के हर्ष का कारण है।

भजन संहिता 48:3

परमेश्वर कैसे माने गए हैं?

परमेश्वर ऊँचे गढ़ माने गए हैं।

भजन संहिता 48:4–6

राजा लोग इकट्ठे हुए और उन्होंने सिय्योन पर्वत को देखा, तब क्या हुआ?

वे विस्मित और घबराकर भाग गए; वहाँ कँपकँपी ने उनको आ पकड़ा।

भजन संहिता 48:8

सेनाओं के यहोवा के नगर के लिये परमेश्वर क्या करेंगे?

परमेश्वर उसको सदा दृढ़ और स्थिर रखेंगे।

भजन संहिता 48:9

इस्राएलियों ने परमेश्वर के मन्दिर के भीतर किस पर ध्यान किया है?

उन्होंने परमेश्वर की करुणा पर ध्यान किया है।

भजन संहिता 48:10

भजनकार परमेश्वर के दाहिने हाथ का वर्णन कैसे करते हैं?

उनका दाहिना हाथ धार्मिकता से भरा है।

भजन संहिता 48:11

सिय्योन पर्वत को क्यों आनन्द करना चाहिए और यहूदा के नगर की पुत्रियाँ क्यों मगन होनी चाहिए?

परमेश्वर के न्याय के कामों के कारण उन्हें आनन्द करना और मगन होना चाहिए।

भजन संहिता 48:13

इस्राएलियों को सिय्योन के चारों ओर क्यों चलना चाहिए, उसके गुम्मटों को क्यों गिनना चाहिए, और उसके महलों को ध्यान से क्यों देखना चाहिए?

उन्हें ये बात करनी चाहिए ताकि वे आनेवाली पीढ़ी के लोगों से इस बात का वर्णन कर सकें।

भजन संहिता 48:14

इस्राएलियों के लिये परमेश्वर क्या करेंगे?

वे मृत्यु तक उनकी अगुआई करेंगे।

भजन संहिता 49:1–2

भजनकार किसको सुनने और कान लगाने को कहता है?

वे सब लोगों से सुनने को कहता है, और संसार के सब निवासियों से, क्या ऊँच, क्या नीच, क्या धनी, क्या दरिद्र, को कान लगाने को कहता है।

भजन संहिता 49:3

भजनकार के मुँह से क्या निकलेंगी?

उसके मुँह से बुद्धि की बातें निकलेंगी।

भजन संहिता 49:3 (#2)

भजनकार के हृदय की बातें किसकी होगी?

उसके हृदय की बातें समझ की होंगी।

भजन संहिता 49:4

भजनकार किसकी ओर अपना कान लगाएँगे और वे इसे कैसे प्रकाशित करेंगे?

वे नीतिवचन की ओर अपना कान लगाएँगे, जिसे वे वीणा बजाते हुए प्रकाशित करेंगे।

भजन संहिता 49:6–7

जो अपनी सम्पत्ति पर भरोसा रखते हैं, वे क्या नहीं कर सकते?

उनमें से कोई अपने भाई को किसी भाँति छुड़ा नहीं सकता है; और न परमेश्वर को उसके बदले प्रायश्चित में कुछ दे सकता है।

भजन संहिता 49:8

भजनकार उनके प्राण की छुड़ौती का वर्णन कैसे करते हैं?

उनके प्राण की छुड़ौती भारी है वह अन्त तक कभी न चुका सकेंगे।

भजन संहिता 49:9

कौन सदैव जीवित रह सकता है?

कोई ऐसा नहीं जो सदैव जीवित रह सकता है और कब्र को न देखे।

भजन संहिता 49:10

बुद्धिमान, मूर्ख और पशु सरीखे मनुष्य के साथ क्या होता है?

बुद्धिमान मारते हैं; और मूर्ख और पशु सरीखे मनुष्य भी दोनों नाश होते हैं, और अपनी सम्पत्ति दूसरों के लिये छोड़ जाते हैं।

भजन संहिता 49:12

मनुष्य के साथ क्या होता है?

मनुष्य प्रतिष्ठा पाकर भी स्थिर नहीं रहता है।

भजन संहिता 49:14

मनुष्य का गड़रिया कौन ठहरेगा?

मृत्यु उनका गड़रिया ठहरेगा।

भजन संहिता 49:14 (#2)

भोर में मनुष्य के साथ क्या होगा?

भोर को सीधे लोग उन पर प्रभुता करेंगे।

भजन संहिता 49:15

परमेश्वर भजनकार के लिये क्या करेंगे?

परमेश्वर उसके प्राण को अधोलोक के वश से छुड़ा लेंगे; वे उन्हें ग्रहण करके अपनाएँगे।

भजन संहिता 49:16

भजनकार कब कहते हैं कि भय न खाना?

जब कोई धनी हो जाए और उसके घर का वैभव बढ़ जाए, तब लोगों को भय नहीं खाना चाहिए।

भजन संहिता 49:16–17

भजनकार क्यों कहते हैं कि भय नहीं खाना चाहिए?

वह कहते हैं कि भय नहीं खाना चाहिए क्योंकि जब धनी मरता है, तब वह कुछ भी साथ नहीं ले जाता है, और न उसका वैभव उसके साथ कब्र में जाता है।

भजन संहिता 49:18

मनुष्य अन्य लोगों की प्रशंसा कब करते हैं?

जब अन्य लोग अपनी भलाई करते हैं, तब मनुष्य उनकी प्रशंसा करते हैं।

भजन संहिता 49:19

धनी किसमें मिलाया जाएगा?

वह अपने पुरखाओं के समाज में मिलाया जाएगा।

भजन संहिता 49:19 (#2)

धनी और उसके पुरखा क्या नहीं देखेंगे?

वे कभी उजियाला नहीं देखेंगे।

भजन संहिता 49:20

वह मनुष्य किसके समान है, जो प्रतिष्ठित तो है परन्तु समझ नहीं रखते है?

वे पशुओं के समान हैं, जो मर मिटते हैं।

भजन संहिता 50:1

आसाप परमेश्वर को सन्दर्भित करने के लिये परमेश्वर के किन तीन नामों का उपयोग करते हैं?

वे "सर्वशक्तिमान", "परमेश्वर", और "यहोवा" नामों का उपयोग करते हैं।

भजन संहिता 50:4

परमेश्वर ऊपर के आकाश को और पृथ्वी को भी क्यों पुकारते हैं?

वे ऊपर के आकाश को और पृथ्वी को भी पुकारते हैं ताकि वे अपनी प्रजा का न्याय कर सकें।

भजन संहिता 50:8

परमेश्वर अपने लोगों पर किस बात के लिए दोष नहीं लगाएँगे?

परमेश्वर उनसे कहते हैं कि वे उनके बलियों के विषय दोष नहीं लगाएँगे।

भजन संहिता 50:10

परमेश्वर क्यों कहते हैं कि वे अपनी प्रजा से कोई बैल या बकरी नहीं लेंगे?

परमेश्वर कहते हैं कि वन के सारे जीव-जन्तु और हजारों पहाड़ों के जानवर उनके ही हैं।

भजन संहिता 50:14

आसाप कहते हैं कि सबको परमेश्वर को क्या चढ़ाना है और पूरी करनी चाहिए?

सबको परमेश्वर को धन्यवाद ही का बलिदान चढ़ाना है, और परमप्रधान के लिये अपनी मन्नतें पूरी करनी चाहिए ।

भजन संहिता 50:17

परमेश्वर क्या कहते हैं कि दुष्ट किससे बैर करता है और किसे तुच्छ जानता है?

परमेश्वर कहते हैं कि दुष्ट शिक्षा से बैर करता है और उनके वचनों को तुच्छ जानता है।

भजन संहिता 50:21

परमेश्वर क्या कहते हैं कि जब वे चुप रहते हैं तब दुष्ट उनके विषय में क्या समझते हैं?

दुष्ट समझते हैं कि परमेश्वर बिल्कुल उनके समान हैं।

भजन संहिता 50:22

जब परमेश्वर दुष्ट को फाड़ डालेंगे, तब उनको छुड़ानेवाला कौन होगा?

उनको छुड़ानेवाला कोई नहीं होगा।

भजन संहिता 50:23

परमेश्वर अपना उद्धार किसे दिखाएँगे?

परमेश्वर धन्यवाद के बलिदान चढ़नेवालों' को और जो अपना चरित्र उत्तम रखते हैं, उनको अपना उद्धार दिखाएँगे।

भजन संहिता 51:1

दाऊद क्यों कहता है कि परमेश्वर को उस पर अनुग्रह करना चाहिए?

वह कहता है कि परमेश्वर को अपनी करुणा के अनुसार उस पर अनुग्रह करना चाहिए।

भजन संहिता 51:4

दाऊद कहता है कि उसने किसके विरुद्ध पाप किया है?

वह कहता है कि उसने केवल परमेश्वर ही के विरुद्ध पाप किया है।

भजन संहिता 51:5

दाऊद कहता है कि उसका पाप कब आरम्भ हुआ?

वह कहता है कि वह अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।

भजन संहिता 51:7

दाऊद परमेश्वर से क्या प्रार्थना करता है ताकि वे शुद्ध हो सकें?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे उसे जूफा से शुद्ध करें ताकि वह पवित्र हो जाएँ, और उसे धो दें, ताकि वह हिम से भी अधिक श्वेत बने।

भजन संहिता 51:10

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे उसके अन्दर क्या उत्पन्न करें और उसके भीतर नये सिरे से क्या उत्पन्न करें?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उसके अन्दर शुद्ध मन उत्पन्न करें, और उसके भीतर स्थिर आत्मा नये सिरे से उत्पन्न करें।

भजन संहिता 51:11

दाऊद परमेश्वर से क्या नहीं करने की प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उसे अपने सामने से न निकालें, और अपने पवित्र आत्मा को उससे अलग न करें।

भजन संहिता 51:14

दाऊद परमेश्वर से किस अपराध से छुड़ाने की प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से हत्या के अपराध से छुड़ाने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 51:17

परमेश्वर के योग्य बलिदान क्या है?

टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है। वे टूटे और पिसे हुए मन को तुच्छ नहीं जानते।

भजन संहिता 52:1

परमेश्वर की क्या बात अनन्त है?

परमेश्वर की करुणा अनन्त है।

भजन संहिता 52:3

वीर भलाई से बढ़कर किससे प्रीति रखता है?

वह भलाई से बढ़कर बुराई में प्रीति रखता है।

भजन संहिता 52:4

वीर किस प्रकार की बातों से प्रसन्न रहता है?

वह सब विनाश करनेवाली बातों से प्रसन्न रहता है।

भजन संहिता 52:5

परमेश्वर वीर के साथ क्या करेंगे?

परमेश्वर उसे सदा के लिये नाश कर देंगे।

भजन संहिता 52:7

पुरुष किस पर भरोसा रखता था?

वह अपने धन की बहुतायत पर भरोसा रखता था।

भजन संहिता 52:8

दाऊद ने अपना भरोसा किस पर रखा है?

उसने परमेश्वर की करुणा पर सदा सर्वदा के लिये भरोसा रखा है।

भजन संहिता 53:1

मूर्ख अपने मन में क्या कहता है?

वह कहता है, "कोई परमेश्वर है ही नहीं।"

भजन संहिता 53:3

जब परमेश्वर ने स्वर्ग पर से मनुष्यों के ऊपर दृष्टि की, तब क्या उन्हें कोई बुद्धि से चलनेवाला या परमेश्वर को खोजनेवाला मिला?

नहीं, वे सब एक साथ बिगड़ गए, और कोई सुकर्मी नहीं, एक भी नहीं।

भजन संहिता 53:5

जो परमेश्वर का नाम नहीं लेते है, उन्हें क्यों लज्जित कर दिया गया?

उन्हें लज्जित कर दिया गया इसलिए कि परमेश्वर ने उनको त्याग दिया है।

भजन संहिता 53:6

दाऊद को आशा थी कि इस्राएल का पूरा उद्धार कहाँ से निकलता?

वह आशा करता है कि भला होता कि इस्राएल का पूरा उद्धार सिय्योन से निकलता!

भजन संहिता 54:1

दाऊद ने परमेश्वर से किसके द्वारा उसका उद्धार करने की प्रार्थना की?

उसने परमेश्वर से प्रार्थना की कि परमेश्वर अपने नाम के द्वारा उसका उद्धार करें ।

भजन संहिता 54:3

कौन उसके विरुद्ध उठे हैं और दाऊद के प्राण के गाहक हुए हैं?

परदेशी उसके विरुद्ध उठे हैं, और कुकर्मी उसके प्राण के गाहक हुए हैं।

भजन संहिता 54:4

दाऊद के प्राण को कौन सम्भालनेवाले हैं?

प्रभु उसके प्राण को सम्भालनेवाले हैं।

भजन संहिता 54:5

परमेश्वर दाऊद के द्रोहियों को क्या लौटा देंगे?

वे द्रोहियों की बुराई को उन्हीं पर लौटा देंगे।

भजन संहिता 54:6

दाऊद यहोवा के नाम का धन्यवाद क्यों करेगा?

वह उनके नाम का धन्यवाद करेगा, क्योंकि यह उत्तम है।

भजन संहिता 54:7

दाऊद ने अपने शत्रुओं पर कैसी दृष्टि डाली है?

उसने अपने शत्रुओं पर विजयपूर्ण दृष्टि डाली है।

भजन संहिता 55:3

विपत्तियों के कारण दाऊद व्याकुल क्यों होता है?

वह व्याकुल होता है क्योंकि शत्रु कोलाहल और दुष्ट उपद्रव कर रहें हैं।

भजन संहिता 55:4

किस प्रकार का भय दाऊद में समा गया है?

मृत्यु का भय उसमें समा गया है।

भजन संहिता 55:6

दाऊद क्यों चाहता था कि उसके पास कबूतर के से पंख होते?

यदि उसके कबूतर के से पंख होते, तो वह उड़ जाता और विश्राम पाता।

भजन संहिता 55:9

दाऊद प्रभु से अपने शत्रुओं के साथ क्या करने की प्रार्थना करता है?

वह प्रभु से प्रार्थना करता है कि वे उनका सत्यानाश करें, और उनकी भाषा में गड़बड़ी डाल दें।

भजन संहिता 55:10–11

नगर के भीतर क्या होता है?

दुष्टता और उत्पात नगर के भीतर होता है।

भजन संहिता 55:12–13

किसने दाऊद की नामधराई की और दाऊद के विरुद्ध बड़ाई मारी?

दाऊद के परम मित्र और जान-पहचान के व्यक्ति ने दाऊद की नामधराई की और उसके विरुद्ध बड़ाई मारी।

भजन संहिता 55:15

दाऊद चाहता है कि उसके शत्रुओं पर अचानक क्या आ आए?

वह चाहता है कि मृत्यु अचानक उनको आ दबाए, और वे जीवित ही अधोलोक में उतर जाएँ।

भजन संहिता 55:17

दाऊद साँझ को, भोर को, दोपहर को, तीनों पहर में क्या करता है?

वह परमेश्वर को दुहाई देता और कराहता रहता है।

भजन संहिता 55:19

परमेश्वर दाऊद के शत्रुओं की सुनकर उन्हें क्यों उत्तर देंगे?

वे सुनकर उन्हें उत्तर देंगे क्योंकि उनमें कोई परिवर्तन नहीं, और उनमें परमेश्वर का भय है ही नहीं।

भजन संहिता 55:20

दाऊद के मित्र ने उस वाचा के साथ क्या किया जो उसने बनाई थी?

उसने अपनी वाचा को तोड़ दिया।

भजन संहिता 55:23

परमेश्वर दुष्ट को कहाँ गिरा देंगे?

वे दुष्ट को विनाश के गड्ढे में गिरा देंगे।

भजन संहिता 56:1

दाऊद परमेश्वर से उस पर दया करने की प्रार्थना क्यों करता है?

वह परमेश्वर से उस पर दया करने की प्रार्थना करता है क्योंकि मनुष्य उसे निगलना चाहते हैं।

भजन संहिता 56:2

दाऊद के द्रोही कब उसे निगलना चाहते हैं?

दाऊद के द्रोही दिन भर उसे निगलना चाहते हैं।

भजन संहिता 56:3

जिस समय दाऊद डरता है, तब वह क्या करता है?

जिस समय दाऊद डरता है, तब वह परमेश्वर पर भरोसा रखता है।

भजन संहिता 56:4

दाऊद का परमेश्वर पर भरोसे का परिणाम क्या है?

दाऊद ने परमेश्वर पर अपना भरोसा रखा, इसलिए वह नहीं डरेगा।

भजन संहिता 56:5

दाऊद के शत्रु दाऊद के वचनों के साथ क्या करते हैं?

वे दाऊद के वचनों को, उलटा अर्थ लगा लगाकर मरोड़ते रहते हैं।

भजन संहिता 56:5 (#2)

दाऊद के शत्रुओं की दाऊद के विरुद्ध क्या कल्पनाएँ होती है?

उनकी सारी कल्पनाएँ दाऊद ही की बुराई करने की होती है।

भजन संहिता 56:7

दाऊद परमेश्वर से अपने शत्रुओं को गिरा देने के लिये कैसे प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि परमेश्वर अपने क्रोध से देश-देश के लोगों को गिरा दे।

भजन संहिता 56:8

दाऊद परमेश्वर से अपने आँसुओं के साथ क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे दाऊद के आँसुओं को अपनी कुप्पी में रख लें।

भजन संहिता 56:9

किस समय दाऊद के शत्रु उलटे फिरेंगे?

जिस समय दाऊद पुकारेगा, उसी समय उसके शत्रु उलटे फिरेंगे।

भजन संहिता 56:12

दाऊद परमेश्वर को क्या देने की मन्नत मानता है?

दाऊद ने मन्नत मानी कि वे परमेश्वर को धन्यवाद-बलि चढ़ाएगा।

भजन संहिता 56:13

दाऊद परमेश्वर के सामने कहाँ चलता फिरता है?

दाऊद परमेश्वर के सामने जीवितों के उजियाले में चलता फिरता है।

भजन संहिता 57:1

दाऊद परमेश्वर से उस पर दया करने की प्रार्थना क्यों करता है?

वह परमेश्वर से उस पर दया करने की प्रार्थना करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का शरणागत है।

भजन संहिता 57:1 (#2)

दाऊद कब तक परमेश्वर का शरणागत है?

जब तक ये विपत्तियाँ निकल नहीं जातीं तब तक दाऊद परमेश्वर का शरणागत है।

भजन संहिता 57:2

दाऊद कहता है कि परमेश्वर उसके लिये क्या करते हैं?

दाऊद कहता है कि परमेश्वर उसके लिये सब कुछ सिद्ध करते हैं।

भजन संहिता 57:3

दाऊद कहता है कि परमेश्वर उस पर क्या प्रगट करेंगे?

दाऊद कहता है कि परमेश्वर उस पर अपनी करुणा और सच्चाई प्रगट करेंगे।

भजन संहिता 57:4

दाऊद को किसके बीच में लेटना पड़ता है?

उसको जलते हुओं के बीच में लेटना पड़ता है।

भजन संहिता 57:5

दाऊद परमेश्वर से अपनी महिमा कहाँ फैलाने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि परमेश्वर की महिमा सारी पृथ्वी के ऊपर फैल जाए।

भजन संहिता 57:6

दाऊद के आगे जिन्होंने गड्ढा खोदा, उनके साथ क्या हुआ?

वे आप ही उसमें गिर पड़े।

भजन संहिता 57:8

दाऊद किस वाद्ययंत्र को जागने के लिये पुकारता है?

दाऊद सारंगी और वीणा को जागने के लिये पुकारता है।

भजन संहिता 57:9

दाऊद प्रभु का धन्यवाद कहाँ करेगा?

दाऊद देश-देश के लोगों के बीच प्रभु का धन्यवाद करेगा।

भजन संहिता 57:9 (#2)

दाऊद प्रभु का भजन कहाँ गाएगा?

दाऊद राज्य-राज्य के लोगों के बीच में प्रभु का भजन गाएगा।

भजन संहिता 57:11

दाऊद परमेश्वर की महिमा को कहाँ फैलाने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर की महिमा को सारी पृथ्वी के ऊपर फैलाने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 58:2

दाऊद क्या कहता है कि मनुष्य वंशी देश भर में क्या करते जाते हैं?

वे देश भर में उपद्रव करते जाते हैं।

भजन संहिता 58:3

दाऊद कहता है कि दुष्ट लोग कब पराए हो जाते हैं?

वे जन्मते ही पराए हो जाते हैं।

भजन संहिता 58:7

जब दुष्ट लोग अपना तीर चढ़ाते हैं, तब दाऊद परमेश्वर से क्या करने को कहता है?

दाऊद परमेश्वर से कहता है कि उनके तीर दो टुकड़े हो जाएँ।

भजन संहिता 58:10

धर्मी कब आनन्दित होंगे?

परमेश्वर का ऐसा पलटा देखकर धर्मी आनन्दित होंगे।

भजन संहिता 59:1

दाऊद परमेश्वर से अपने शत्रुओं से बचाने के लिये कैसे प्रार्थना करते हैं?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उसे ऊँचे स्थान पर रखकर उसके विरोधियों से उसे बचा लें।

भजन संहिता 59:3

कौन दाऊद के विरुद्ध इकट्ठे होते हैं?

बलवन्त लोग दाऊद के विरुद्ध इकट्ठे होते हैं।

भजन संहिता 59:5

दाऊद यहोवा से किस पर अनुग्रह न करने के लिये कहता है?

वह किसी विश्वासघाती अत्याचारी पर अनुग्रह न करने के लिये यहोवा से कहता है।

भजन संहिता 59:10

दाऊद कैसे अपेक्षा करता है कि उसका परमेश्वर उससे मिलेंगे?

परमेश्वर करुणा करते हुए उससे मिलेंगे।

भजन संहिता 59:13

दाऊद परमेश्वर से अपने शत्रुओं का अन्त करने के लिये कैसे प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे जलजलाहट में आकर उनका अन्त करें, उनका अन्त ऐसे करें कि वे नष्ट हो जाएँ।

भजन संहिता 59:16

दाऊद किस प्रकार परमेश्वर की सामर्थ्य का यश गाता है?

वह कहता है कि परमेश्वर उसका ऊँचा गढ़ हैं और संकट के समय उसका शरणस्थान ठहरे हैं।

भजन संहिता 60:1

परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ क्या किया?

परमेश्वर ने उन्हें त्याग दिया, उन्हें तोड़ डाला, और उन पर क्रोधित हुए।

भजन संहिता 60:2

परमेश्वर ने भूमि के साथ क्या किया?

उन्होंने भूमि को कँपाया और फाड़ डाला है।

भजन संहिता 60:3

परमेश्वर ने अपनी प्रजा को क्या दिखाया और उन्हें क्या पिलाया?

परमेश्वर ने उन्हें कठिन समय दिखाया और उन्हें लड़खड़ा देनेवाला दाखमधु पिलाया।

भजन संहिता 60:4

परमेश्वर ने झण्डा किसे दिया है?

परमेश्वर ने अपने डरवैयों को झण्डा दिया है।

भजन संहिता 60:6

परमेश्वर शेकेम और सुक्कोत की तराई के साथ क्या करेंगे?

वे शेकेम को बाँट लेंगे और सुक्कोत की तराई को नपवाएँगे।

भजन संहिता 60:8

परमेश्वर एदोम के साथ क्या करेंगे?

वे एदोम पर अपना जूता फेंकेंगे।

भजन संहिता 60:10

परमेश्वर ने सेना के लिये क्या नहीं किया?

वे उनकी सेना के साथ नहीं गए।

भजन संहिता 60:11–12

इस्राएली कैसे वीरता दिखा सकते हैं?

वे परमेश्वर की सहायता से वीरता दिखाएँगे, क्योंकि शत्रुओं को वही रौंदेंगे।

भजन संहिता 61:1

दाऊद परमेश्वर से उनके लिये क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे उसका चिल्लाना सुनें और उसकी प्रार्थना की ओर ध्यान दें।

भजन संहिता 61:3

दाऊद के लिये परमेश्वर किसके समान रहे हैं?

परमेश्वर दाऊद के लिये शरणस्थान और शत्रु से बचने के लिये ऊँचा गढ़ रहे हैं।

भजन संहिता 61:4

दाऊद कहाँ बने रहेगा और शरण लेगा?

दाऊद परमेश्वर के तम्बू में युगानुयुग बने रहेगा और परमेश्वर के पंखों की ओट में शरण लिए रहेगा।

भजन संहिता 61:5

जब परमेश्वर ने दाऊद की मन्नतें सुनीं, तब परमेश्वर ने उसके लिये क्या किया?

जो परमेश्वर के नाम के डरवैये हैं, उनका सा भाग परमेश्वर ने दाऊद को दिया।

भजन संहिता 61:6

राजा की आयु को परमेश्वर क्या करेंगे?

परमेश्वर राजा की आयु को बहुत बढ़ाएँगे ताकि उसके वर्ष पीढ़ी-पीढ़ी के बराबर हो।

भजन संहिता 61:8

दाऊद सर्वदा परमेश्वर के नाम का भजन क्यों गाएगा?

दाऊद सर्वदा परमेश्वर के नाम का भजन गा गाकर अपनी मन्नतें हर दिन पूरी करेगा।

भजन संहिता 62:1

दाऊद चुप होकर परमेश्वर की ओर क्यों मन लगाया हुआ है?

दाऊद चुप होकर परमेश्वर की ओर मन लगाया हुआ है क्योंकि उसका उद्धार परमेश्वर ही से होता है।

भजन संहिता 62:2

दाऊद कहता है कि परमेश्वर उसके लिये क्या हैं?

दाऊद कहता है कि सचमुच परमेश्वर ही, उसकी चट्टान और उसका उद्धार हैं, वे उसका गढ़ हैं।

भजन संहिता 62:4

वे ऊँचे पद के पुरुष के साथ कैसा व्यवहार करते हैं?

सचमुच वे उसको, उसके ऊँचे पद से गिराने की सम्मति करते हैं; वे झूठ से प्रसन्न रहते हैं। मुँह से तो वे आशीर्वाद देते पर मन में कोसते हैं।

भजन संहिता 62:8

दाऊद लोगों से क्या करने को कहता है?

वह लोगों से कहता है कि वे हर समय परमेश्वर पर भरोसा रखें; परमेश्वर से अपने-अपने मन की बातें खोलकर कहें।

भजन संहिता 62:9

दाऊद नीच और बड़े लोगों का वर्णन कैसे करता है?

नीच लोग तो अस्थाई होते हैं, और बड़े लोग मिथ्या हैं। वे सब के सब साँस से भी हलके हैं।

भजन संहिता 62:10

दाऊद कहता है कि लोगों को अपना मन किस पर नहीं लगाना चाहिए?

वह कहता है कि उन्हें अत्याचार करने और लूट पाट करने पर भरोसा नहीं करना चाहिए, और धन-सम्पत्ति बढ़ने पर मन नहीं लगाना चाहिए क्योंकि इनका कोई लाभ नहीं होता।

भजन संहिता 62:11

जब परमेश्वर ने कहा, तब दाऊद ने क्या सुना?

दाऊद ने सुना है कि सामर्थ्य परमेश्वर का है।

भजन संहिता 62:12

करुणा किसकी है?

करुणा प्रभु की है क्योंकि प्रभु एक-एक जन को उसके काम के अनुसार फल देते हैं।

भजन संहिता 63:1

दाऊद परमेश्वर को कैसे ढूँढ़ता है?

दाऊद परमेश्वर को यत्न से ढूँढ़ता है, उसका मन उनका प्यासा है, और उसका शरीर परमेश्वर के लिये अभिलाषी है।

भजन संहिता 63:2

जब दाऊद ने पवित्रस्थान में परमेश्वर पर दृष्टि की, तब वह क्या देखता है?

वह परमेश्वर की सामर्थ्य और महिमा को देखता है।

भजन संहिता 63:3-4

परमेश्वर की करुणा के कारण दाऊद क्या करेगा?

दाऊद परमेश्वर की प्रशंसा करेगा, वह जीवन भर परमेश्वर को धन्य कहेगा, और परमेश्वर का नाम लेकर अपने हाथ उठाएगा।

भजन संहिता 63:5-6

किस बात से दाऊद का जीव तृप्त होता है और वे परमेश्वर की स्तुति करता है?

जब वह अपने बिछौने पर पड़े परमेश्वर को स्मरण करता है और रात के एक-एक पहर में उन पर ध्यान करता है, तब वह तृप्त होता है और वह स्तुति करता है।

भजन संहिता 63:7

दाऊद कहाँ जयजयकार करता है?

वह परमेश्वर के पंखों की छाया में जयजयकार करता है।

भजन संहिता 63:8

दाऊद को क्या थामे रखता है?

परमेश्वर का दाहिना हाथ दाऊद को थामे रखता है।

भजन संहिता 63:9-10

जो दाऊद के प्राण के खोजी हैं, उनके साथ क्या होगा?

वे पृथ्वी के नीचे स्थानों में जा पड़ेंगे, वे तलवार से मारे जाएँगे, और गीदड़ों का आहार हो जाएँगे।

भजन संहिता 63:11

जो कोई परमेश्वर की शपथ खाए, उनका क्या होगा?

जो कोई उनकी शपथ खाए, वह बड़ाई करने पाएगा।

भजन संहिता 63:11 (#2)

झूठ बोलनेवालों का क्या होगा?

झूठ बोलनेवालों का मुँह बन्द किया जाएगा।

भजन संहिता 64:1

दाऊद परमेश्वर से क्या सुनने के लिये कह रहा है?

वह चाहता है कि जब वह उनकी दुहाई दे, तब परमेश्वर उसकी सुनें।

भजन संहिता 64:2

दाऊद परमेश्वर से किससे उसके लिए आड़ होने की प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे कुकर्मियों की गोष्ठी से, और अनर्थकारियों के हुल्लड़ से उसकी आड़ हो।

भजन संहिता 64:3

दाऊद के शत्रुओं ने अपनी जीभ को क्या किया है?

उन्होंने अपनी जीभ को तलवार के समान तेज किया है।

भजन संहिता 64:4

दाऊद के शत्रु किस को तीर मारते हैं?

वे खरे मनुष्य को मारते हैं।

भजन संहिता 64:5

जब दाऊद के शत्रु फंदे लगाने के विषय बातचीत करते हैं, तब वे क्या कहते हैं?

वे कहते हैं, "हमको कौन देखेगा?"

भजन संहिता 64:7

परमेश्वर दाऊद के शत्रुओं को कैसे उत्तर देंगे?

परमेश्वर उन पर तीर चलाएँगे और वे अचानक घायल हो जाएँगे।

भजन संहिता 64:8

परमेश्वर के कामों के कारण, शत्रु का क्या होगा?

शत्रु ठोकर खाकर गिर पड़ेंगे और जितने उन पर दृष्टि करेंगे वे सब अपने-अपने सिर हिलाएँगे।

भजन संहिता 64:9

जब परमेश्वर दाऊद के शत्रुओं का न्याय करेंगे, तब सारे लोग कैसी प्रतिक्रिया दिखाएँगे?

सारे लोग डर जाएँगे; और परमेश्वर के कामों का बखान करेंगे, और परमेश्वर के कार्यक्रम को भली भाँति समझेंगे।

भजन संहिता 64:10

धर्मी और सब सीधे मनवाले क्या करेंगे?

धर्मी तो यहोवा के कारण आनन्दित होकर उनका शरणागत होगा; और सब सीधे मनवाले बड़ाई करेंगे।

भजन संहिता 65:1

दाऊद किससे कहता है कि उनकी मन्नतें पूरी की जाएँगी?

उनकी मन्नतें सिय्योन में परमेश्वर के लिये पूरी की जाएँगी।

भजन संहिता 65:3

दाऊद कहता है कि परमेश्वर उनके अपराधों का क्या करेंगे?

वह कहता है कि परमेश्वर उनके अपराधों को क्षमा करेंगे।

भजन संहिता 65:4

दाऊद किसे धन्य कहता है?

धन्य वह है जिसे परमेश्वर चुनकर अपने समीप आने देते हैं कि वह उनके आँगनों में वास करे; वह परमेश्वर के भवन के उत्तम-उत्तम पदार्थों से तृप्त होगा।

भजन संहिता 65:5

उनके उद्धारकर्ता परमेश्वर उनकी प्रार्थना का उत्तर कैसे देंगे?

परमेश्वर धार्मिकता से किए हुए अद्‌भुत कार्यों के द्वारा उत्तर देंगे।

भजन संहिता 65:7

परमेश्वर किसे शान्त करते हैं?

वे समुद्र का महाशब्द, उसकी तरंगों का महाशब्द, और देश-देश के लोगों का कोलाहल शान्त करते हैं।

भजन संहिता 65:8

कौन परमेश्वर के चिन्ह देखकर डर गए हैं?

जो दूर-दूर देशों के रहनेवाले हैं, वे परमेश्वर के चिन्ह देखकर डर गए हैं।

भजन संहिता 65:9

दाऊद कैसे कहता है कि परमेश्वर भूमि की सुधि लेते हैं?

परमेश्वर इसे सींचते हैं, इसे फलदायक करते हैं, और पृथ्वी को तैयार करके मनुष्यों के लिये अन्न को तैयार करते हैं।

भजन संहिता 65:11

परमेश्वर के मार्गों में क्या पाए जाते हैं?

उनके मार्गों में उत्तम-उत्तम पदार्थ पाए जाते हैं।

भजन संहिता 65:13

चराइयाँ किससे भरी हुई हैं, और तराइयाँ किससे ढँपी हुई हैं?

चराइयाँ भेड़-बकरियों से भरी हुई हैं, और तराइयाँ अन्न से ढँपी हुई हैं।

भजन संहिता 66:1

भजनकार सारी पृथ्वी के लोगों से क्या करने के लिये कहता है?

वह सारे लोगों से कहता है कि परमेश्वर के लिये जयजयकार करो, उनके नाम की महिमा का भजन गाओ, और उनकी स्तुति करते हुए, उनकी महिमा करो।

भजन संहिता 66:3

किसके कारण परमेश्वर के शत्रु उनकी चापलूसी करेंगे?

परमेश्वर के महासामर्थ्य के कारण उनके शत्रु उनकी चापलूसी करेंगे।

भजन संहिता 66:6

परमेश्वर ने मनुष्यों के लिये कौन से भययोग्य कार्यों को किए?

उन्होंने समुद्र को सूखी भूमि कर डाला ताकि वे महानद में से पाँव-पाँव पार उतरे।

भजन संहिता 66:9

परमेश्वर अपने लोगों के जीवन में क्या करते हैं?

परमेश्वर उनको जीवित रखते हैं और उनके पाँव को टलने नहीं देते हैं।

भजन संहिता 66:10

परमेश्वर ने अपनी प्रजा को कैसे ताया है?

परमेश्वर ने उन्हें चाँदी के समान ताया है।

भजन संहिता 66:12

परमेश्वर ने अपने लोगों को किससे भर दिया?

उन्होंने उनको उबार के सुख से भर दिया है।

भजन संहिता 66:13

भजनकार परमेश्वर के भवन में क्या लेकर आएगा?

वह परमेश्वर के भवन में होमबलि लेकर आएगा।

भजन संहिता 66:15

भजनकार परमेश्वर को क्या चढ़ाएगा?

वह मोटे पशुओं की होमबलि, मेढ़ों की चर्बी की धूप और बकरों समेत बैल चढ़ाएगा।

भजन संहिता 66:16

भजनकार परमेश्वर के सब डरवैयों को क्या बताएगा?

वह बताएगा कि परमेश्वर ने उसके लिये क्या-क्या किया है।

भजन संहिता 66:18

यदि भजनकार अपने मन में अनर्थ की बात सोचता, तो प्रभु क्या करते?

यदि भजनकार अपने मन में अनर्थ की बात सोचता, तो प्रभु उसकी नहीं सुनते।

भजन संहिता 66:20

परमेश्वर ने क्या अनसुनी नहीं की और क्या नहीं दूर कर दिया?

उन्होंने भजनकार की प्रार्थना अनसुनी नहीं की और न उससे अपनी करुणा दूर कर दी।

भजन संहिता 67:1–2

परमेश्वर अपनी प्रजा पर अनुग्रह क्यों करें और उन्हें आशीष क्यों दें?

परमेश्वर को अपनी प्रजा को आशीष देनी चाहिए ताकि उनकी गति पृथ्वी पर, और उनका किया हुआ उद्धार सारी जातियों में जाना जाए।

भजन संहिता 67:3

परमेश्वर का धन्यवाद किसे करना चाहिए?

देश-देश के सब लोगों को परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए।

भजन संहिता 67:4

राज्य-राज्य के लोगों को आनन्द और जयजयकार क्यों करना चाहिए?

राज्य-राज्य के लोगों को आनन्द और जयजयकार करना चाहिए क्योंकि परमेश्वर देश-देश के लोगों का न्याय धर्म से करेंगे और पृथ्वी के राज्य-राज्य के लोगों की अगुआई करेंगे।

भजन संहिता 67:6

भूमि ने अपनी उपज क्यों दी है?

भूमि ने अपनी उपज दी है क्योंकि परमेश्वर ने लोगों को आशीष दी है।

भजन संहिता 67:7

परमेश्वर ने लोगों को आशीष दी है, इसलिए क्या होना चाहिए?

पृथ्वी के दूर-दूर देशों के सब लोगों को उनका भय मानना चाहिए।

भजन संहिता 68:1

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर के शत्रु और परमेश्वर के बैरी के साथ क्या हो?

वह चाहता है कि परमेश्वर के शत्रु तितर-बितर हों, और परमेश्वर के बैरी उनके सामने से भाग जाएँ।

भजन संहिता 68:3

धर्मी को क्या करना चाहिए?

धर्मी को आनन्दित होना चाहिए, वह यहोवा के सामने प्रफुल्लित हों और आनन्द में मगन हों।

भजन संहिता 68:6

परमेश्वर अनाथों और बन्दियों के लिये क्या करते हैं?

वे अनाथों का घर बसाते हैं, और बन्दियों को छुड़ाकर सम्पन्न करते हैं।

भजन संहिता 68:7–8

जब परमेश्वर अपनी प्रजा के आगे-आगे चलते थे, तब पृथ्वी और आकाश ने क्या किया?

पृथ्वी काँप उठी और आकाश परमेश्वर के सामने टपकने लगा।

भजन संहिता 68:9–10

परमेश्वर ने अपनी प्रजा के लिये क्या भेजा?

परमेश्वर ने अपने निज भाग को जो बहुत सूखा था, हरा भरा करने के लिये बहुतायत की वर्षा की।

भजन संहिता 68:11

बड़ी सेना ने क्या सुनाया?

बड़ी सेना ने प्रभु की आज्ञा को सुनाया।

भजन संहिता 68:12–13

अपनी-अपनी सेना समेत राजा भाग चले जाने के बाद गृहस्थिन क्या करती हैं?

वे लूट के कबूतरी जो चाँदी और पीले सोने से मढ़े हुए हैं, उन्हें बाँट लेती हैं।

भजन संहिता 68:16

शिखरवाले पहाड़ किसको घूरते हैं?

शिखरवाले पहाड़ उस पर्वत को घूरते हैं, जहाँ परमेश्वर ने चाहा कि वे सदा वास करें।

भजन संहिता 68:17

परमेश्वर के कितने रथ हैं?

परमेश्वर के रथ बीस हजार, वरन् हजारों हजार हैं।

भजन संहिता 68:19

प्रभु अपनी प्रजा के लिये प्रतिदिन क्या करते हैं?

प्रभु प्रतिदिन उनके बोझ उठाते हैं।

भजन संहिता 68:22

प्रभु अपनी प्रजा को कहाँ से फेर ले आएँगे?

प्रभु अपनी प्रजा को बाशान से निकाल लाएँगे और गहरे सागर के तल से भी फेर ले आएँगे।

भजन संहिता 68:24–25

परमेश्वर की शोभा यात्रा किस क्रम में पवित्रस्थान में जाते हुए देखी गई?

गानेवाले आगे-आगे और तारवाले बाजों के बजानेवाले पीछे-पीछे गए, चारों ओर कुमारियाँ डफ बजाते हुए देखी गई।

भजन संहिता 68:26

सभाओं में परमेश्वर का धन्यवाद किसे करना चाहिए?

इस्राएल के सोते से निकले हुए लोगों को परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए।

भजन संहिता 68:27

सबसे छोटा गोत्र कौन है?

बिन्यामीन सबसे छोटा गोत्र है।

भजन संहिता 68:28

दाऊद परमेश्वर से अपनी प्रजा पर क्या प्रगट करने की प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि परमेश्वर अपनी सामर्थ्य को उन पर प्रगट करें, जैसे उन्होंने पहले प्रगट किए हैं।

भजन संहिता 68:30

दाऊद किसे झिड़कने के लिये कहता है?

दाऊद नरकटों में रहनेवाले जंगली पशुओं को, सांडों के झुण्ड को और देश-देश के बछड़ों को झिड़कने के लिये कहता है।

भजन संहिता 68:31

मिस्र से कौन आएँगे?

मिस्र से अधिकारी आएँगे।

भजन संहिता 68:32

किन्हें परमेश्वर के लिये गीत गाना चाहिए?

पृथ्वी पर के राज्य-राज्य के लोगों को परमेश्वर के लिये गीत गाना चाहिए ।

भजन संहिता 68:34

दाऊद कहता है कि किसके सामर्थ्य की स्तुति करनी चाहिए?

दाऊद कहता है कि परमेश्वर के सामर्थ्य की स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 68:35

परमेश्वर अपनी प्रजा को क्या देते हैं?

वे अपनी प्रजा को सामर्थ्य और शक्ति देते हैं।

भजन संहिता 69:1

दाऊद परमेश्वर से किससे उसका उद्धार करने की प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे उसे जल में डूबने से उद्धार करें।

भजन संहिता 69:3

जब दाऊद अपने परमेश्वर की बाट जोह रहा है, तब उसके साथ क्या हो रहा है?

वह पुकारते-पुकारते थक गया, उसका गला सूख गया, और उसकी आँखें धुँधली पड़ गई।

भजन संहिता 69:4

दाऊद के कितने शत्रु हैं जो उससे बैर करते हैं?

उसके शत्रु उसके सिर के बालों से अधिक हैं।

भजन संहिता 69:5

परमेश्वर दाऊद के विषय में क्या जानते हैं?

परमेश्वर दाऊद की मूर्खता को जानते हैं और उसके दोष परमेश्वर से छिपे नहीं हैं।

भजन संहिता 69:6

दाऊद नहीं चाहता कि उन लोगों के साथ क्या हो जो परमेश्वर की बाट जोहते हैं और उन्हें ढूँढ़ते हैं?

दाऊद यह प्रार्थना करता है कि वे लोग दाऊद के कारण लज्जित न हो या अपमानित न किए जाएँ।

भजन संहिता 69:9

दाऊद किनके निमित भस्म हुआ?

दाऊद परमेश्वर के भवन के निमित्त जलते-जलते भस्म हुआ।

भजन संहिता 69:10

दाऊद ने निन्दा सहने पर क्या किया?

उसने रोकर और उपवास करके दुःख उठाया।

भजन संहिता 69:11–12

कब दाऊद का दृष्टान्त उनमें चलता था?

जब उसने टाट का वस्त्र पहना था, तब उसका दृष्टान्त उनमें चलता था।

भजन संहिता 69:13

दाऊद कैसे चाहता है कि यहोवा उसकी प्रार्थना सुन ले?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वे अपनी करुणा की बहुतायात से, और बचाने की अपनी सच्ची प्रतिज्ञा के अनुसार उसकी सुन लें।

भजन संहिता 69:16

यहोवा को दाऊद की ओर क्यों ध्यान देना चाहिए?

परमेश्वर को अपनी दया की बहुतायत के अनुसार दाऊद की ओर ध्यान देना चाहिए ।

भजन संहिता 69:18

दाऊद चाहता है कि यहोवा दाऊद के शत्रुओं के कारण क्या करें?

वह चाहता है कि यहोवा उसके निकट आकर उसे छुडाएँ।

भजन संहिता 69:21

दाऊद के शत्रुओं ने उसे खाने के लिये क्या दिया और क्या पिलाया?

उन्होंने उसे खाने के लिये विष दिया और सिरका पिलाया।

भजन संहिता 69:22

दाऊद चाहता है कि उसके शत्रुओं का भोजन क्या हो?

वह चाहता है कि उसके शत्रुओं का भोजन उनके लिये फंदा हो और जाल बन जाए।

भजन संहिता 69:25

दाऊद चाहता है कि उसके शत्रुओं की छावनी क्या हो?

वह चाहता है कि उनकी छावनी उजड़ जाए, और उनके डेरों में कोई न रहे।

भजन संहिता 69:27

दाऊद चाहता है कि यहोवा उसके शत्रुओं पर क्या बढ़ाएँ?

वह चाहता है कि यहोवा उनके अधर्म पर अधर्म बढ़ाएँ।

भजन संहिता 69:30–31

बैल से अधिक, वरन् सींगवाले बैल से भी अधिक परमेश्वर को क्या भाएगा?

दाऊद का गीत गाकर परमेश्वर के नाम की स्तुति करना और धन्यवाद करते हुए उनकी बड़ाई करना यहोवा को भाएगा।

भजन संहिता 69:33

यहोवा दरिद्रों और अपने लोगों को जो बन्दी हैं, उन्हें कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

यहोवा दरिद्रों की ओर कान लगाते हैं और अपने लोगों को जो बन्दी हैं तुच्छ नहीं जानते हैं।

भजन संहिता 69:34

दाऊद कहता है कि परमेश्वर की स्तुति किसे करनी चाहिए?

स्वर्ग, पृथ्वी, समुद्र को अपने सब जीवजन्तुओं समेत परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 69:35–36

परमेश्वर सिय्योन और यहूदा के नगरों का क्या करेंगे?

परमेश्वर सिय्योन का उद्धार करेंगे, और यहूदा के नगरों को फिर बसाएँगे, और लोग फिर वहाँ बसकर उसके अधिकारी हो जाएँगे।

भजन संहिता 70:1

दाऊद परमेश्वर से क्या करने की प्रार्थना कर रहा है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि उसे छुड़ाने के लिये और उसकी सहायता करने के लिये फुर्ती करें।

भजन संहिता 70:2–3

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर उन लोगों के साथ क्या करें जो उसके प्राण के खोजी हैं?

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर उन्हें लज्जित और अपमानित करें, वे पीछे हटाए और निरादर किए जाएँ।

भजन संहिता 70:4

दाऊद चाहता है कि जितने यहोवा को ढूँढ़ते हैं, वे क्या करें?

वह चाहता है कि वे हर्षित और आनन्दित हों और कहें, "परमेश्वर की बड़ाई हो।"

भजन संहिता 70:5

दाऊद को दीन और दरिद्र होने के कारण परमेश्वर से क्या चाहिए?

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर फुर्ती करके उसकी सहायता करें और उसको छुड़ाएँ।

भजन संहिता 71:2

लेखक यहोवा से कहता है कि वह चाहता है कि परमेश्वर क्या करें?

लेखक चाहता है कि परमेश्वर उसे छुड़ाएँ, उद्धार करें, उसकी ओर कान लगाएँ और उसका उद्धार करें।

भजन संहिता 71:3

भजनकार चाहते हैं कि यहोवा उनके लिये क्या ठहरे?

भजनकार चाहते हैं कि यहोवा उनकी चट्टान और उनका गढ़ ठहरे।

भजन संहिता 71:4

भजनकार किसके हाथ से रक्षा चाहते हैं?

वे दुष्ट के और कुटिल और क्रूर मनुष्य के हाथ से रक्षा चाहते हैं।

भजन संहिता 71:5

भजनकार का आधार यहोवा कब से हैं?

बचपन से भजनकार का आधार यहोवा हैं।

भजन संहिता 71:7

भजनकार बहुतों के लिये क्या बन गए हैं?

वे बहुतों के लिये चमत्कार बन गए हैं।

भजन संहिता 71:8

भजनकार दिन भर अपने मुँह से क्या करते हैं?

वे दिन भर अपने मुँह से गुणानुवाद और शोभा का वर्णन करते हैं।

भजन संहिता 71:9

जब भजनकार बुढ़ापे में हो और उनका बल घटे, तब वे परमेश्वर से क्या न करने की प्रार्थना करते हैं?

वे यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें न त्यागे और न छोड़ें।

भजन संहिता 71:10–11

भजनकार के शत्रु उनके विरुद्ध आपस में सम्मति करते हैं, तब क्या कहते हैं?

वे कहते हैं, "परमेश्वर ने उसको छोड़ दिया है; उसका पीछा करके उसे पकड़ लो, क्योंकि उसका कोई छुड़ानेवाला नहीं।"

भजन संहिता 71:13

भजनकार चाहते हैं कि जो उनके प्राण के विरोधी हैं, उनके साथ क्या हो?

वे चाहते हैं कि वे लज्जित हो और उनका अन्त हो जाए, और नामधराई और अनादर में गड़ जाएँ।

भजन संहिता 71:15

भजनकार यहोवा के विषय में अपने मुँह से क्या वर्णन करेंगे?

उनका मुँह यहोवा की धार्मिकता और किए हुए उद्धार का वर्णन करेंगे।

भजन संहिता 71:17–18

यहोवा को भजनकार को क्यों नहीं छोड़ना चाहिए?

यहोवा को उन्हें नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि भजनकार आनेवाली पीढ़ी के लोगों को यहोवा का बाहुबल और सब उत्पन्न होनेवालों को यहोवा का पराक्रम सुनते हैं।

भजन संहिता 71:19

भजनकार कहता है कि क्या अति महान है?

परमेश्वर की धार्मिकता अति महान है।

भजन संहिता 71:21–22

भजनकार अपनी सारंगी बजाकर किस बात के लिये धन्यवाद गाएगा?

वह परमेश्वर की सच्चाई के लिये परमेश्वर को धन्यवाद देता है।

भजन संहिता 71:23–24

भजनकार किसकी चर्चा दिन भर करते रहेगा?

वह परमेश्वर की धार्मिकता की चर्चा दिन भर करता रहेगा।

भजन संहिता 72:1

सुलैमान परमेश्वर से राजा को क्या बताने और उनके राजपुत्र को क्या सिखलाने की प्रार्थना करता है?

सुलैमान परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे राजा को अपना नियम बताएँ, और उनके राजपुत्र को परमेश्वर की धार्मिकता सिखलाएँ।

भजन संहिता 72:5

सुलैमान चाहता है कि लोग कब तक परमेश्वर का भय माने?

वह चाहता है कि जब तक सूर्य और चन्द्रमा बने रहेंगे तब तक लोग पीढ़ी-पीढ़ी परमेश्वर का भय माने।

भजन संहिता 72:6

सुलैमान चाहता है कि राजा के दिन किसके समान हों?

वह चाहता है कि वे घास की खूँटी पर बरसने वाले मेंह, और भूमि सींचने वाली झड़ियों के समान हों।

भजन संहिता 72:8

राजा की प्रभुता कितनी दूर तक पहुँचेगी?

उनकी प्रभुता समुद्र से समुद्र तक और महानद से पृथ्वी की छोर तक पहुँचेगी।

भजन संहिता 72:11

सब राजा और जाति-जाति के लोग राजा के सामने क्या करेंगे?

सब राजा उसको दण्डवत् करेंगे, जाति-जाति के लोग उसके अधीन हो जाएँगे।

भजन संहिता 72:13

राजा कंगाल और दरिद्र के साथ कैसा व्यवहार करता है?

वह कंगाल और दरिद्र पर तरस खाता है, और दरिद्रों के प्राणों को बचाता है।

भजन संहिता 72:16

राजा पर परमेश्वर की आशीष के चिन्ह क्या हैं?

आशीष के चिन्ह हैं कि बहुत सा अन्न होगा, और नगर के लोग घास के समान लहलहाएँगे।

भजन संहिता 72:17

सुलैमान प्रार्थना करता है कि राजा का नाम कब तक बना रहे?

वह प्रार्थना करता है कि राजा का नाम सदा सर्वदा बना रहे, और जब तक सूर्य बना रहेगा, तब तक उसका नाम नित्य नया होता रहे।

भजन संहिता 72:18

केवल यहोवा ही क्या करते हैं?

आश्चर्यकर्म केवल वही करते हैं।

भजन संहिता 73:1

परमेश्वर किनके लिये भला हैं?

इस्राएल के लिये अर्थात् शुद्ध मनवालों के लिये परमेश्वर भला है।

भजन संहिता 73:2–3

आसाप के डग फिसलने ही पर क्यों थे?

उसके डग फिसलने ही पर थे क्योंकि जब वे दुष्टों का कुशल देखता था, तब उन घमण्डियों के विषय डाह करता था।

भजन संहिता 73:4–5

आसाप ने घमण्डियों और दुष्टों का वर्णन कैसे किया?

उसने कहा कि उनको वेदनाएँ नहीं होतीं, उनका बल अटूट रहता है, उनको दूसरे मनुष्यों के समान कष्ट नहीं होता; और अन्य मनुष्यों के समान उन पर विपत्ति नहीं पड़ती।

भजन संहिता 73:6

दुष्टों के लिये अहंकार और उपद्रव क्या बना है?

अहंकार उनके गले का हार बना है, और उपद्रव उनका ओढ़ना है।

भजन संहिता 73:7

दुष्टों की आँखें चर्बी झलकने के कारण क्या होता है?

आँखें चर्बी झलकने के कारण मन की दुष्ट भावनाएँ उमड़ती हैं।

भजन संहिता 73:8–9

दुष्ट लोग क्या बात बोलते हैं?

वे ठट्ठा मारते हैं, और दुष्टता से हिंसा की बात बोलते हैं, और मानो स्वर्ग में बैठे हुए बोलते हैं।

भजन संहिता 73:11

दुष्ट परमेश्वर के विषय में क्या कहते हैं?

वे कहते हैं, "परमेश्वर कैसे जानता है? क्या परमप्रधान को कुछ ज्ञान है?"

भजन संहिता 73:13–14

आसाप को क्यों लगता है कि उसने अपने हृदय को व्यर्थ शुद्ध किया?

आसाप दिन भर मार खाता आ रहा है और प्रति भोर को उसकी ताड़ना होती आ रही है।

भजन संहिता 73:15

यदि आसाप यह कहते हैं तो क्या होगा?

वह परमेश्वर की सन्तानों की पीढ़ी के साथ छल करता।

भजन संहिता 73:16–17

आसाप इसे समझने के लिये कहाँ गया?

आसाप परमेश्वर के पवित्रस्थान में गया।

भजन संहिता 73:19

दुष्ट क्षण भर में क्या हो गए हैं?

वे क्षण भर में उजड़ गए हैं।

भजन संहिता 73:22

आसाप ने कहा कि वह परमेश्वर के सम्मुख किसके समान था?

वह परमेश्वर के सम्मुख मूर्ख पशु के समान था।

भजन संहिता 73:24

अपनी सम्मति देता हुए उसकी अगुआई करने के बाद, परमेश्वर आसाप के लिये क्या करेंगे?

बाद में, परमेश्वर आसाप की महिमा करके उसको अपने पास रखेंगे।

भजन संहिता 73:25

आसाप पृथ्वी पर केवल क्या चाहता है?

वह केवल स्वर्ग के परमेश्वर को ही चाहता है।

भजन संहिता 73:27

किसका नाश होगा?

जो परमेश्वर से दूर रहते हैं, वे नाश होंगे, और जो कोई उनके विरुद्ध व्यभिचार करता है, उसको वे विनाश करते हैं।

भजन संहिता 73:28

वह कौनसी बात है, जिसे आसाप को करना चाहिए ?

उसे परमेश्वर के समीप रहना चाहिए।

भजन संहिता 74:2

आसाप परमेश्वर से क्या स्मरण करने को कहता है कि उन्होंने अपनी मण्डली के लिये प्राचीनकाल में क्या किया था?

प्राचीन काल में परमेश्वर ने उन्हें मोल लिया था और अपने निज भाग का गोत्र होने के लिये छुड़ा लिया था।

भजन संहिता 74:4–6

शत्रु ने पवित्रस्थान में क्या बुराइयाँ की है?

उन्होंने अपनी ही ध्वजाओं को चिन्ह ठहराया, कुल्हाड़े चलाए, नक्काशी को बिल्कुल तोड़ डाले।

भजन संहिता 74:7

उन्होंने पवित्रस्थान में और क्या किया?

उन्होंने पवित्रस्थान को आग में झोंक दिया और उसे नीचे गिराकर अशुद्ध कर डाला।

भजन संहिता 74:8

शत्रु ने सभास्थानों के साथ क्या किया?

उन्होंने इस देश में सब सभास्थानों को फूँक दिया।

भजन संहिता 74:9

परमेश्वर की प्रजा ने अब और क्या नहीं देखा?

परमेश्वर की प्रजा ने अब और कोई अद्‌भुत चिन्ह नहीं देखें, अब कोई नबी नहीं रहें।

भजन संहिता 74:12–13

ऐसे कौन से चिन्ह हैं जो बताते हैं कि परमेश्वर प्राचीनकाल से आसाप के राजा रहे हैं?

परमेश्वर ने समुद्र को दो भाग कर दिए और समुद्री अजगरों के सिरों को फोड़ दिए।

भजन संहिता 74:14

परमेश्वर ने लिव्यातान के साथ क्या किया?

उन्होंने लिव्यातान के सिरों को टुकड़े-टुकड़े करके जंगली जन्तुओं को खिला दिए।

भजन संहिता 74:16–17

परमेश्वर ने क्या स्थिर किया?

उन्होंने सूर्य और चन्द्रमा को स्थिर किए, और पृथ्वी की सब सीमाओं को ठहराएँ।

भजन संहिता 74:18

शत्रु क्या करते हैं जिसे आसाप चाहता है कि यहोवा स्मरण करें?

शत्रु ने यहोवा की नामधराई की है, और उनके नाम की निन्दा की है।

भजन संहिता 74:20

आसाप परमेश्वर से अपनी वाचा की सुधी लेने के लिये क्यों कहता है?

वह चाहता है कि यहोवा अपनी वाचा की सुधी लें क्योंकि देश अत्याचार के घरों से भरपूर है।

भजन संहिता 74:22

आसाप चाहता है कि परमेश्वर किसका मुकद्दमा लड़े?

आसाप चाहता है कि परमेश्वर उठें और अपना मुकद्दमा आप ही लड़े।

भजन संहिता 75:1

लोग किस बात के लिये धन्यवाद करते हैं?

वे धन्यवाद करते हैं क्योंकि परमेश्वर का नाम प्रगट हुआ है।

भजन संहिता 75:2–3

ठीक समय आने पर परमेश्वर क्या करेंगे?

वे आप ही ठीक-ठीक न्याय करेंगे, और पृथ्वी के खम्भों को स्थिर करेंगे।

भजन संहिता 75:4-5

आसाप घमण्डियों और दुष्टों से क्या न करने के लिये कहता है?

वे उनसे कहता है घमण्ड न करो और न ही सींग ऊँचा करो और सिर उठाकर ढिठाई की बात न बोलो।

भजन संहिता 75:7

आसाप परमेश्वर के विषय में क्या कहता है?

परमेश्वर ही न्यायी हैं, वे एक को घटाते और दूसरे को बढ़ाते हैं।

भजन संहिता 75:8

दुष्ट यहोवा के हाथ के दाखमधु का झागवाला कटोरे के साथ क्या करेंगे?

उसकी तलछट तक पृथ्वी के सब दुष्ट लोग पी जाएँगे।

भजन संहिता 75:9

आसाप याकूब के परमेश्वर का भजन कैसे गाएगा?

वे सदा प्रचार करते रहेगा और उनका भजन गाएगा।

भजन संहिता 75:10

परमेश्वर कहते हैं कि वे दुष्टों और धर्मी के सींगों को क्या करेंगे?

वे दुष्टों के सींगों को काट देंगे और धर्मी के सींग ऊँचा करेंगे।

भजन संहिता 76:2

यहूदा में परमेश्वर का धाम कहाँ है?

उनका धाम सिय्योन में है।

भजन संहिता 76:4

परमेश्वर अहेर से भरे हुए पहाड़ों में किसके समान हैं?

परमेश्वर ज्योतिर्मय हैं।

भजन संहिता 76:6

जब याकूब के परमेश्वर ने अपने शत्रुओं को घुड़का, तब क्या हुआ?

उनकी घुड़की से, रथों समेत घोड़े भारी नींद में पड़े।

भजन संहिता 76:8

जब परमेश्वर ने स्वर्ग से निर्णय सुनाया, तब क्या हुआ?

जब उन्होंने निर्णय सुनाया, तब पृथ्वी उस समय सुनकर डर गई, और चुप रही।

भजन संहिता 76:10

मनुष्य की जलजलाहट किसका कारण होगी?

मनुष्य की जलजलाहट परमेश्वर की स्तुति का कारण हो जाएगी।

भजन संहिता 76:11

लोगों को अपने परमेश्वर यहोवा से मानी हुई मन्नत के विषय में क्या करना चाहिए?

उन्हें अपनी मन्नत पूरी करनी चाहिए।

भजन संहिता 76:12

प्रधान और राजा यहोवा को कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

वे प्रधानों का अभिमान मिटा देते हैं; और राजाओं को भययोग्य जान पड़ते हैं।

भजन संहिता 77:2–3

आसाप ने अपने संकट के दिन में क्या किया?

संकट के दिन वह प्रभु की खोज में लगा रहा, रात को अपना हाथ फैलाया रहा।

भजन संहिता 77:5

जब आसाप को रात में झपकी नहीं लग रही थी, तब वह क्या सोच रहा था?

वह प्राचीनकाल के दिनों को, और युग-युग के वर्षों को सोच रहा था।

भजन संहिता 77:6

रात के समय आसाप ने अपने मन में क्या स्मरण किया?

उसने रात के समय अपने गीत को स्मरण किया।

भजन संहिता 77:10

आसाप का दुःख क्या है?

उसका दुःख यह है कि परमप्रधान का दाहिना हाथ बदल गया है।

भजन संहिता 77:11

आसाप यहोवा के कौनसे बड़े कामों की चर्चा करता है?

वह यहोवा के प्राचीनकालवाले अद्‌भुत कामों को स्मरण करता है।

भजन संहिता 77:13–15

परमेश्वर अन्य सभी देवताओं से कैसे भिन्न हैं?

कोई परमेश्वर के तुल्य बड़ा नहीं है, वे अद्‌भुत काम करते है, अपनी शक्ति प्रगट करते हैं, और अपनी प्रजा को छुड़ाते हैं।

भजन संहिता 77:16–17

प्रकृति ने परमेश्वर को कैसी प्रतिक्रिया दी?

समुद्र डर गया और गहरा सागर भी काँप उठा। मेघों से बड़ी वर्षा हुई और आकाश से शब्द हुआ।

भजन संहिता 77:18–20

परमेश्वर का मार्ग कहाँ है?

उनका मार्ग समुद्र में है, और उनका रास्ता गहरे जल में हुआ, लेकिन उनके पाँवों के चिन्ह मालूम नहीं होते।

भजन संहिता 78:2

आसाप अपने लोगों को शिक्षा कैसे सुनाएगा?

आसाप अपना मुँह नीतिवचन कहने के लिये खोलेगा और प्राचीनकाल की गुप्त बातें कहेगा।

भजन संहिता 78:4

आसाप होनहार पीढ़ी के लोगों से क्या वर्णन करेगा?

आसाप होनहार पीढ़ी के लोगों से यहोवा का गुणानुवाद और उनकी सामर्थ्य और आश्चर्यकर्मों का वर्णन करेगा।

भजन संहिता 78:6

यहोवा ने आसाप के पितरों को यहोवा की चितौनियों को अपने-अपने बाल-बच्चों को बताने की आज्ञा क्यों दी?

यहोवा ने यह आज्ञा दी ताकि आनेवाली पीढ़ी के लोग, अर्थात् जो बच्चे उत्पन्न होनेवाले हैं, वे इन्हें जानें; और अपने-अपने बाल-बच्चों से इनका बखान करने में उद्यत हों।

भजन संहिता 78:7–8

आसाप के पितरों के लिये यहोवा की चितौनियों को अपने-अपने बाल-बच्चों को बताना क्यों महत्वपूर्ण था?

यह उनके लिये महत्वपूर्ण था कि वे अपने-अपने बाल-बच्चों को यहोवा की चितौनियाँ बताएँ ताकि बच्चे अपने पितरों के

समान न हों, क्योंकि उस पीढ़ी के लोग तो हठीले और झगड़ालू थे।

भजन संहिता 78:10

इस्राएल ने परमेश्वर की दृष्टि में क्या गलत किया?

उन्होंने परमेश्वर की वाचा पूरी नहीं की, और उनकी व्यवस्था पर चलने से इन्कार किया।

भजन संहिता 78:14

परमेश्वर ने इस्राएल की अगुआई कैसे की?

उन्होंने दिन को बादल के खम्भे से और रात भर अग्नि के प्रकाश के द्वारा उनकी अगुआई की।

भजन संहिता 78:18

इस्राएल ने परमेश्वर की किस प्रकार परीक्षा की?

उन्होंने अपनी चाह के अनुसार भोजन माँगकर मन ही मन परमेश्वर की परीक्षा की।

भजन संहिता 78:19

इस्राएल ने परमेश्वर के विरुद्ध क्या बोला?

वे परमेश्वर के विरुद्ध बोले, और कहने लगे, "क्या परमेश्वर जंगल में मेज लगा सकता है?"

भजन संहिता 78:22

यहोवा क्यों क्रोध से भर गए और इस्राएल के विरुद्ध क्रोध भड़का?

यहोवा इस्राएल से क्रोधित हो गए क्योंकि उन्होंने उन पर विश्वास नहीं रखा और न उनकी उद्धार करने की शक्ति पर भरोसा किया।

भजन संहिता 78:23–29

इस्राएल ने उन पर विश्वास नहीं रखा, तो भी परमेश्वर ने उनके लिये किस प्रकार प्रदान किया?

परमेश्वर ने उनके लिये खाने को मन्ना और माँस धूलि के समान बहुत बरसाया और वे खाकर अति तृप्त हुए।

भजन संहिता 78:31

परमेश्वर ने अपने क्रोध में इस्राएल के साथ क्या किया?

परमेश्वर का क्रोध उन पर भड़का, और उन्होंने उनके हष्टपुष्टों को घात किया, और इस्राएल के जवानों को गिरा दिया।

भजन संहिता 78:34

जब परमेश्वर उन्हें घात करने लगे, तब इस्राएल की प्रजा कैसी प्रतिक्रिया देती थी?

वे उनको पूछते थे, और फिरकर परमेश्वर को यत्न से खोजते थे।

भजन संहिता 78:37

परमेश्वर के सम्मुख इस्राएल के हृदय की कैसी दशा थी?

उनके हृदय परमेश्वर की ओर दृढ़ न थे, न वे उनकी वाचा के विषय सच्चे थे।

भजन संहिता 78:38–39

परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों पर दया कैसे प्रगट की?

उन्होंने उनके अधर्म को ढाँपा और उन्हें नाश नहीं किया क्योंकि उन्हें स्मरण हुआ कि ये नाशवान हैं।

भजन संहिता 78:44

परमेश्वर ने मिस्रियों की नदियों के साथ क्या किया?

उन्होंने मिस्रियों की नदियों को लहू बना डाला, और वे अपनी नदियों का जल पी न सके।

भजन संहिता 78:51

परमेश्वर ने मिस्रियों के पहिलौठों के साथ क्या किया?

उन्होंने मिस्र के सब पहिलौठों को मारा, जो पौरूष के पहले फल थे।

भजन संहिता 78:52

परमेश्वर ने अपनी प्रजा को कैसे प्रस्थान कराया?

उन्होंने उन्हें भेड़-बकरियों के समान प्रस्थान कराया, और जंगल में उनकी अगुआई पशुओं के झुण्ड की सी की।

भजन संहिता 78:55

परमेश्वर ने अन्यजातियों के साथ क्या किया?

उन्होंने इस्राएलियों के सामने से अन्यजातियों को भगा दिया और उनकी भूमि को डोरी से माप-मापकर इस्राएल को बाँट दिया।

भजन संहिता 78:57

इस्राएल के लोगों ने अपने पुरखाओं के समान किस प्रकार कार्य किया?

उन्होंने मुड़कर अपने पुरखाओं के समान विश्वासघात किया।

भजन संहिता 78:58

इस्राएल ने क्या बनाकर परमेश्वर को रिस दिलाई?

उन्होंने ऊँचे स्थान बनाकर उनको रिस दिलाई, और खुदी हुई मूर्तियों के द्वारा उनमें से जलन उपजाई।

भजन संहिता 78:62–63

परमेश्वर ने अपनी प्रजा को किससे मरवा दिया?

उन्होंने उन्हें तलवार से मरवा दिया, और उनके जवान आग से भस्म हुए।

भजन संहिता 78:68

परमेश्वर ने इस्राएल में से किस गोत्र को चुन लिया?

परमेश्वर ने यहूदा ही के गोत्र को, और अपने प्रिय सिय्योन पर्वत को चुन लिया।

भजन संहिता 78:70

परमेश्वर ने इस्राएल की चरवाही करने के लिये किसे चुना?

उन्होंने अपने दास दाऊद को चुनकर भेड़शालाओं में से ले लिया।

भजन संहिता 79:1

जब अन्यजातियाँ इस्राएल में घुस आईं, तब क्या हुआ?

उन्होंने मन्दिर को अशुद्ध किया और यरूशलेम को खण्डहर कर दिया।

भजन संहिता 79:4

पड़ोसियों के बीच इस्राएल की क्या हुई?

पड़ोसियों के बीच उनकी नामधराई हुई, चारों ओर के रहनेवाले उन पर हँसते, और ठट्ठा करते हैं।

भजन संहिता 79:6

आसाप परमेश्वर से किन पर अपनी जलजलाहट भड़काने के लिये प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि जो जातियाँ परमेश्वर को नहीं जानती, और जिन राज्यों के लोग परमेश्वर से प्रार्थना नहीं करते, उन्हीं पर अपनी सब जलजलाहट भड़काएँ।

भजन संहिता 79:8

आसाप नहीं चाहता है कि परमेश्वर इस्राएल की हानि के लिये किस बात को स्मरण करें?

वह चाहता है कि परमेश्वर उनकी हानि के लिये उनके पुरखाओं के अधर्म के कामों को स्मरण न करें ।

भजन संहिता 79:10

आसाप नहीं चाहता है कि अन्यजातियाँ क्या कहें?

वह नहीं चाहता है कि अन्यजातियाँ कहें, "उनका परमेश्वर कहाँ रहा?"

भजन संहिता 79:13

आसाप क्या कहता है कि इस्राएल परमेश्वर के लिये क्या है?

वह कहता है कि वे परमेश्वर की प्रजा हैं और परमेश्वर की चराई की भेड़ें हैं।

भजन संहिता 80:1

भजनकार इस्राएल के चरवाहे से क्या करने की प्रार्थना कर रहा है?

भजनकार उनसे कान लगाने और उन पर अपना तेज दिखाने के लिये प्रार्थना कर रहा है।

भजन संहिता 80:2

भजनकार इस्राएल के चरवाहे से एप्रैम, बिन्यामीन और मनश्शे के सामने क्या करने के लिये प्रार्थना कर रहा है?

वह इस्राएल के चरवाहे से प्रार्थना कर रहा है कि वे अपना पराक्रम दिखाकर, उनका उद्धार करने को आएँ।

भजन संहिता 80:3

भजनकार परमेश्वर से क्या करने के लिये प्रार्थना कर रहा है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि वे उनको ज्यों का त्यों कर दें, और अपने मुख का प्रकाश चमकाएँ, तब उनका उद्धार हो जाएगा।

भजन संहिता 80:4

जब उनकी प्रजा ने प्रार्थना की, तब यहोवा की प्रतिक्रिया क्या थी?

जब उन्होंने प्रार्थना की, तब यहोवा अपनी प्रजा पर क्रोधित थे।

भजन संहिता 80:5

यहोवा ने उन्हें खाने और पीने के लिये क्या दिया है?

उन्होंने आँसुओं को उनका आहार बना दिया और उन्हें आँसू पीने के लिये दिया है।

भजन संहिता 80:6

इस्राएल के पड़ोसी और शत्रु उनके साथ क्या कर रहे हैं?

उनके पड़ोसी उनके साथ झगड़ रहे हैं और उनके शत्रु उनका मनमाना ठट्ठा कर रहे हैं।

भजन संहिता 80:7

जब सेनाओं के परमेश्वर उन्हें ज्यों के त्यों कर देंगे और अपने मुख का प्रकाश उन पर चमकाएँगे, तब क्या होगा?

उनका उद्धार हो जाएगा।

भजन संहिता 80:8

सेनाओं के परमेश्वर ने उस दाखलता के साथ क्या किया जिसे वे मिस्र से ले आए?

उन्होंने अन्यजातियों को निकालकर उसे लगा दिया।

भजन संहिता 80:9

परमेश्वर ने दाखलता लगाने की तैयारी में क्या किया?

परमेश्वर ने उसके लिये स्थान तैयार किया है।

भजन संहिता 80:10

दाखलता की शाखाएँ कहाँ तक फैल गई?

दाखलता पहाड़ों पर फैल गई और उसकी डालियाँ ईश्वर के देवदारों के समान हुई।

भजन संहिता 80:11

दाखलता की शाखाएँ कहाँ तक बढ़ गई और उसके अंकुर कहाँ तक फैल गए?

दाखलता की शाखाएँ समुद्र तक बढ़ गई, और उसके अंकुर फरात तक फैल गए।

भजन संहिता 80:12

चूँकि दाखलता के बाड़े टूट गए हैं, अब क्या होगा?

सब बटोही उसके फलों को तोड़ेंगे।

भजन संहिता 80:13

जंगली सूअर और पशु दाखलता के साथ क्या करेंगे?

जंगली सूअर उसको नाश किए डालता है और पशु उसे चर जाते हैं।

भजन संहिता 80:14

भजनकार सेनाओं के परमेश्वर से दाखलता के लिये क्या करने की प्रार्थना करता है?

वह सेनाओं के परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे फिर आएँ, स्वर्ग से ध्यान देकर देखें, और इस दाखलता की सुधि लें।

भजन संहिता 80:15

किसने दाखलता के पौधे लगाए और लता की शाखा को दृढ़ किया?

सेनाओं के परमेश्वर के दाहिने हाथ ने पौधे लगाए और लता की शाखा को दृढ़ किया।

भजन संहिता 80:16

दाखलता के साथ क्या हो रहा है?

दाखलता को जला दिया गया है और काट दिया गया है।

भजन संहिता 80:16 (#2)

भजनकार चाहता है कि सेनाओं के परमेश्वर के शत्रुओं के साथ क्या हो?

भजनकार चाहता है कि सेनाओं के परमेश्वर के शत्रु, उनकी घुड़की से नाश हो जाए।

भजन संहिता 80:17

भजनकार चाहता है कि परमेश्वर, परमेश्वर के दाहिने हाथ के सम्भाले हुए पुरुष के साथ क्या करें?

भजनकार चाहता है कि परमेश्वर का हाथ उस पुरुष पर रहे।

भजन संहिता 80:17 (#2)

परमेश्वर ने उस आदमी के लिये क्या किया?

परमेश्वर ने उन्हें अपने लिये दृढ़ किया।

भजन संहिता 80:18

यदि परमेश्वर उन्हें जिला दें, तब लोग क्या करेंगे?

वे परमेश्वर से प्रार्थना कर सकेंगे।

भजन संहिता 80:19

यदि सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, अपने मुख का प्रकाश लोगों पर चमकाएँगे, तब क्या होगा?

यदि यहोवा अपने मुख का प्रकाश उन पर चमकाएँगे, तब उनका उद्धार हो जाएगा।

भजन संहिता 81:1

भजनकार सब से परमेश्वर के साथ क्या करने के लिये कहता है?

वह उन्हें, गीत आनन्द से गाने और जयजयकार करने के लिये कहता है।

भजन संहिता 81:2

भजनकार लोगों से गीत गाते समय कौन-कौन से बाजे बजाने के लिये कहता है?

लोगों को डफ और मधुर बजनेवाली वीणा और सारंगी बजानी चाहिए।

भजन संहिता 81:3

लोगों को नरसिंगा कब फूँकना चाहिए?

उन्हें नये चाँद के दिन, और पूर्णमासी को उनके पर्व के दिन नरसिंगा फूँकना चाहिए।

भजन संहिता 81:4

इस्राएल के लिये विधि और नियम किसने ठहराए?

याकूब के परमेश्वर ने इसे इस्राएल के लिये ठहराए।

भजन संहिता 81:5

याकूब के परमेश्वर ने इस्राएल के लिये एक विधि और नियम क्यों चलाए?

इसको उन्होंने यूसुफ में चितौनी की रीति पर चलाए।

भजन संहिता 81:6

परमेश्वर ने लोगों के कंधों पर से क्या उतार दिया?

परमेश्वर ने बोझ को उतार दिया।

भजन संहिता 81:7

जब लोगों ने संकट में पड़कर पुकारा, तब क्या हुआ?

परमेश्वर ने उनको छुड़ाया, उनकी सुनी और उनकी परीक्षा की।

भजन संहिता 81:9

परमेश्वर ने पराए देवता के विषय में क्या कहा?

परमेश्वर ने कहा कि इस्राएल के बीच में पराया ईश्वर न हो; और न वे किसी पराए देवता को दण्डवत् करें।

भजन संहिता 81:10

यहोवा कहते हैं कि उन्होंने इस्राएल के लिये क्या किया?

वे उन्हें मिस्र देश से बाहर निकाल लाएँ।

भजन संहिता 81:10 (#2)

परमेश्वर ने इस्राएलियों से अपना मुँह पसारने के लिये क्यों कहा?

उन्होंने उनसे मुँह पसारने के लिये कहा ताकि वे उसे भर दें।

भजन संहिता 81:11

यहोवा के प्रजा, इस्राएल ने क्या नहीं किया?

उन्होंने यहोवा की न सुनी और उनको न चाहा।

भजन संहिता 81:12

यहोवा ने अपनी प्रजा को उनके मन के हठ पर क्यों छोड़ दिया?

उन्होंने उन्हें छोड़ दिया ताकि वे अपनी ही युक्तियों के अनुसार चले।

भजन संहिता 81:13

यहोवा अपनी प्रजा से क्या करवाने की अभिलाषी हैं?

यहोवा चाहते हैं कि उनकी प्रजा उनकी सुनें और उनके मार्गों पर चलें।

भजन संहिता 81:14

यदि उनकी प्रजा उनकी सुने और उनके मार्गों पर चलें, तब यहोवा क्या करेंगे?

वे क्षण भर में उनके शत्रुओं को दबा देंगे और अपना हाथ उनके द्रोहियों के विरुद्ध चलाएँगे।

भजन संहिता 81:15

भजनकार चाहता है कि यहोवा के बैरी के साथ क्या हो?

वह चाहता है कि वे भय में दण्डवत् करें और हमेशा के लिए अपमानित किया जाए।

भजन संहिता 81:16

यहोवा ने कहा कि वे इस्राएल के लिये क्या करेंगे?

यहोवा उनको उत्तम से उत्तम गेहूँ खिलाएँगे, और वे चट्टान के मधु से उनको तृप्त करेंगे।

भजन संहिता 82:1

परमेश्वर न्याय करने के लिये कहाँ खड़े होते हैं?

वे दिव्य सभा में खड़े हैं, और ईश्वरों के बीच में न्याय करते हैं।

भजन संहिता 82:2

परमेश्वर दिव्य सभा से क्या पूछते हैं?

परमेश्वर दिव्य सभा से पूछते हैं कि वे कब तक टेढ़ा न्याय करेंगे और दुष्टों का पक्ष लेंगे।

भजन संहिता 82:3

परमेश्वर दिव्य सभा से कंगाल और अनाथों, दीन-दरिद्र के लिये क्या करने को कहते हैं?

परमेश्वर दिव्य सभा से कहते हैं कि वे उनका न्याय चुकाए और उनका विचार धर्म से करें।

भजन संहिता 82:4

परमेश्वर दिव्य सभा से कंगाल और निर्धन के लिये क्या करने को कहते हैं?

परमेश्वर दिव्य सभा से उन्हें बचाने और दुष्टों के हाथ से उन्हें छुड़ाने को कहते हैं।

भजन संहिता 82:5

जो न तो कुछ समझते और न कुछ जानते हैं, वे कहाँ चलते फिरते रहते हैं?

वे अंधेरे में चलते फिरते रहते हैं।

भजन संहिता 82:6–7

परमेश्वर कहते हैं कि परमप्रधान के पुत्र किस प्रकार मरेंगे?

वे मनुष्यों के समान मरेंगे और किसी प्रधान के समान गिरेंगे।

भजन संहिता 82:8

आसाप परमेश्वर से क्यों प्रार्थना कर रहा है कि वे उठकर पृथ्वी का न्याय करें ?

वे परमेश्वर से न्याय करने के लिये प्रार्थना कर रहा है क्योंकि वे ही सब जातियों को अपने भाग में लेंगे।

भजन संहिता 83:2

परमेश्वर के शत्रु क्या कर रहे हैं?

वे धूम मचा रहे हैं, और अपना सिर उठाया है।

भजन संहिता 83:3

परमेश्वर के शत्रु किसके विरुद्ध सम्मति करते और युक्तियाँ निकालते हैं?

वे परमेश्वर की प्रजा के विरुद्ध सम्मति करते और परमेश्वर के रक्षित लोगों के विरुद्ध युक्तियाँ निकालते हैं।

भजन संहिता 83:4

परमेश्वर के शत्रु क्या कहते हैं कि वे इस्राएल के साथ क्या करेंगे?

उन्होंने कहा, "आओ, हम उनका ऐसा नाश करें कि राज्य भी मिट जाए और इस्राएल का नाम आगे को स्मरण न रहे।"

भजन संहिता 83:4 (#2)

यदि परमेश्वर के शत्रु इस्राएल को नाश कर दें, तब इस्राएल के नाम का क्या होगा?

इस्राएल का नाम आगे को स्मरण न होगा।

भजन संहिता 83:5

परमेश्वर के शत्रुओं ने किसके विरुद्ध युक्ति निकाली है?

उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध युक्ति निकाली और वाचा बाँधी है।

भजन संहिता 83:9–10

आसाप परमेश्वर से क्या प्रार्थना करता है कि वे उनके शत्रुओं के साथ वैसा ही करे जैसे उन्होंने मिद्यानियों, सीसरा और याबीन से किया था?

वह प्रार्थना करता है कि वे एनदोर में नाश हो, और भूमि के लिये खाद बन जाए।

भजन संहिता 83:11–12

शत्रुओं के रईसों और प्रधानों ने इस्राएल के विषय में क्या कहा था?

उन्होंने कहा था, "हम परमेश्वर की चराइयों के अधिकारी आप ही हो जाएँ।"

भजन संहिता 83:13–14

आसाप चाहता है कि परमेश्वर उनके शत्रुओं को किसके समान कर दें?

वह चाहता है कि परमेश्वर उन्हें बवंडर की धूलि, या पवन से उड़ाए हुए भूसे के समान कर दें, उस आग के समान जो वन को भस्म करती है, और उस लौ के समान जो पहाड़ों को जला देती है।

भजन संहिता 83:15

आसाप चाहता है कि परमेश्वर उनके शत्रुओं को कैसे भगाएँ और कैसे घबराएँ?

वह चाहता है कि परमेश्वर उन्हें अपनी आँधी से भगा दे, और अपने बवंडर से घबरा दें।

भजन संहिता 83:16

आसाप यहोवा से शत्रुओं के मुँह को अति लज्जित करने के लिये क्यों प्रार्थना करता है?

वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके शत्रु को अति लज्जित करें ताकि वे यहोवा के नाम को ढूँढ़ें।

भजन संहिता 83:17

आसाप चाहता है कि परमेश्वर के शत्रुओं के साथ क्या हो?

वह चाहता है कि वे सदा के लिये लज्जित और घबराए रहें, और इनके मुँह काले हों, और इनका नाश हो जाए।

भजन संहिता 83:18

परमेश्वर के शत्रु यहोवा के विषय में क्या जानेंगे?

वे जानेंगे कि केवल यहोवा सारी पृथ्वी के ऊपर परमप्रधान हैं।

भजन संहिता 84:1

भजनकार उस स्थान के विषय में क्या कहता है जहाँ सेनाओं के यहोवा निवास करते हैं?

वह कहता है कि सेनाओं के यहोवा का निवास क्या ही प्रिय हैं।

भजन संहिता 84:2

भजनकार किसकी अभिलाषा करता है?

उसका प्राण यहोवा के आँगनों की अभिलाषा करता है।

भजन संहिता 84:2 (#2)

भजनकार का तन मन दोनों किसे पुकारता है?

उनका तन मन दोनों जीविते परमेश्वर को पुकारता है।

भजन संहिता 84:3

गौरैया ने अपना बसेरा और शूपाबेनी ने घोंसला कहाँ बना लिया है, जिसमें वह अपने बच्चे रखे?

उन्होंने अपना बसेरा और घोंसला सेनाओं के यहोवा की वेदियों में बना लिया है।

भजन संहिता 84:3 (#2)

सेनाओं के यहोवा के लिये भजनकार ने और कौन से नाम का प्रयोग किए हैं?

वह हे मेरे राजा और हे मेरे परमेश्वर के नामों का प्रयोग करता है।

भजन संहिता 84:4

यहोवा के भवन में रहनेवालों के साथ क्या होता है?

वे धन्य हैं और वे यहोवा की स्तुति निरन्तर करते रहेंगे।

भजन संहिता 84:5

उस मनुष्य का क्या होगा जो यहोवा से शक्ति पाता है?

धन्य है वह मनुष्य, जो यहोवा से शक्ति पाता है।

भजन संहिता 84:6

धन्य मनुष्य सोतों का स्थान कहाँ बनाते हैं?

वे रोने की तराई में जाते हुए उसको सोतों का स्थान बनाते हैं।

भजन संहिता 84:7

धन्य मनुष्य अपना मुँह कहाँ दिखाएँगे?

वे सिय्योन में परमेश्वर को अपना मुँह दिखाएँगे।

भजन संहिता 84:8

भजनकार चाहता है कि उसकी प्रार्थना कौन सुने?

वह चाहता है कि सेनाओं के परमेश्वर यहोवा उसकी प्रार्थना सुनें।

भजन संहिता 84:8 (#2)

भजनकार चाहता है कि कौन कान लगाएँ?

वह चाहता है कि याकूब के परमेश्वर कान लगाएँ।

भजन संहिता 84:9

भजनकार चाहता है कि परमेश्वर किस पर दृष्टि करें और किसको देखें?

वह चाहता है कि परमेश्वर जो उनकी ढाल है, दृष्टि करें और परमेश्वर अपने अभिषिक्त का मुख देखें।

भजन संहिता 84:10

यहोवा के आँगनों में एक दिन किससे उत्तम है?

यहोवा के आँगनों में एक दिन और कहीं के हजार दिन से उत्तम है।

भजन संहिता 84:10 (#2)

भजनकार को दुष्टों के डेरों में वास करने से अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर क्या करना अधिक भाएगा?

उसे अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर खड़ा रहना ही अधिक भाएगा।

भजन संहिता 84:11

भजनकार के लिये यहोवा परमेश्वर कौन हैं?

यहोवा परमेश्वर सूर्य और ढाल है।

भजन संहिता 84:11 (#2)

यहोवा क्या देंगे?

यहोवा अनुग्रह करेंगे, और महिमा देंगे।

भजन संहिता 84:11 (#3)

जो लोग खरी चाल चलते हैं, उनसे यहोवा क्या न रख छोड़ेंगे?

जो लोग खरी चाल चलते हैं; उनसे यहोवा कोई अच्छी वस्तु रख न छोड़ेंगे।

भजन संहिता 84:12

उस मनुष्य का क्या होगा, जो सेनाओं के यहोवा पर भरोसा रखता है?

धन्य है वह मनुष्य, जो यहोवा पर भरोसा रखता है।

भजन संहिता 85:1

यहोवा ने याकूब के लिये क्या किया?

यहोवा उनके देश पर प्रसन्न हुए और याकूब को बँधुवाई से लौटा ले आएँ।

भजन संहिता 85:2

यहोवा ने अपनी प्रजा के पापों के विषय में क्या किया है?

उन्होंने अपनी प्रजा को क्षमा किया है और उनके सब पापों को ढाँप दिया।

भजन संहिता 85:3

यहोवा ने अपने रोष और भड़के हुए कोप को क्या किया?

उन्होंने अपने रोष को शान्त किया है और अपने भड़के हुए कोप को दूर किया है।

भजन संहिता 85:4

भजनकार परमेश्वर से किस बात को दूर करने के लिये कहता है?

वह परमेश्वर से अपना क्रोध अपनी प्रजा पर से दूर करने को कहता है।

भजन संहिता 85:6

यदि परमेश्वर अपनी प्रजा को फिर से जिलाएँगे, तब वे क्या करेंगे?

परमेश्वर की प्रजा परमेश्वर में आनन्द करेंगे।

भजन संहिता 85:7

भजनकार परमेश्वर से अपनी प्रजा को क्या दिखाने और उन्हें क्या करने की प्रार्थना कर रहा है?

वह यहोवा से अपनी करुणा दिखाने, और उद्धार करने की प्रार्थना कर रहा है।

भजन संहिता 85:8

भजनकार कहता है कि जब वह कान लगाए रहेगा कि परमेश्वर यहोवा क्या कहते हैं, तब क्या होगा?

परमेश्वर अपनी प्रजा से जो उनके भक्त है, शान्ति की बातें कहेंगे।

भजन संहिता 85:8 (#2)

प्रजा को परमेश्वर के साथ शान्ति की बातें कहने के लिये क्या करना चाहिए?

परमेश्वर की प्रजा फिरके मूर्खता न करने लगें।

भजन संहिता 85:9

जब परमेश्वर के डरवैयों के उद्धार का समय निकट है, तब देश में किसका निवास होगा ?

देश में महिमा का निवास होगा।

भजन संहिता 85:10

क्या आपस में मिल गई हैं और किसने आपस में चुम्बन किया हैं?

करुणा और सच्चाई आपस में मिल गई हैं, और धर्म और मेल ने आपस में चुम्बन किया हैं।

भजन संहिता 85:11

पृथ्वी में से क्या उगती है और स्वर्ग से क्या झुकता है?

पृथ्वी में से सच्चाई उगती है और स्वर्ग से धर्म झुकता है।

भजन संहिता 85:12

जब यहोवा अपनी उत्तम वस्तुएँ देंगे, तब क्या होगा?

उनकी भूमि अपनी उपज देगी।

भजन संहिता 85:13

कौन यहोवा के आगे-आगे चलेगा और उनके पाँवों के चिन्हों को उनके लिये मार्ग बनाएगा?

धर्म यहोवा के आगे-आगे चलेगा।

भजन संहिता 86:1

दाऊद यहोवा से कान लगाकर उनकी सुनने के लिये प्रार्थना क्यों करता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वे उसकी सुन लें क्योंकि दाऊद दीन और दरिद्र है।

भजन संहिता 86:2

दाऊद परमेश्वर का भक्त होने और भरोसा रखने के कारण परमेश्वर से क्या करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे उसकी रक्षा करें और उद्धार करें।

भजन संहिता 86:3

जब दाऊद प्रभु को पुकारता है, तब वह क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रभु से उस पर अनुग्रह करने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 86:4

जब दाऊद अपना मन प्रभु ही की ओर लगाता है, तब वह प्रभु से क्या प्रार्थना करता है?

दाऊद प्रभु से अपने दास के मन को आनन्दित करने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 86:5

उन सब के साथ क्या होगा, जो भले प्रभु को पुकारते हैं?

प्रभु क्षमा करनेवाले हैं और उन सभी के लिये अति करुणामय है।

भजन संहिता 86:6

दाऊद किनसे कहता है कि उसकी प्रार्थना की ओर कान लगाए और उसके गिड़गिड़ाने को ध्यान से सुने?

दाऊद यहोवा से कान लगाने और ध्यान से सुनने को कहता है।

भजन संहिता 86:7

जब दाऊद अपने संकट के दिन यहोवा को पुकारेगा, तब यहोवा क्या करेंगे?

यहोवा दाऊद की सुन लेंगे।

भजन संहिता 86:8

देवताओं में कौन प्रभु के तुल्य है?

देवताओं में से कोई भी प्रभु के तुल्य नहीं है।

भजन संहिता 86:9

सारी जातियाँ प्रभु के सामने क्या करेंगी?

सारी जातियाँ आकर प्रभु के सामने दण्डवत् करेंगी और प्रभु के नाम की महिमा करेंगी।

भजन संहिता 86:10

महान और आश्चर्यकर्म केवल कौन करते हैं?

केवल परमेश्वर ही महान और आश्चर्यकर्म करते हैं।

भजन संहिता 86:11

दाऊद यहोवा से क्या सिखाने की प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से यहोवा के मार्ग सिखाने की प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 86:11 (#2)

जब यहोवा दाऊद को सीखाएँगे तब क्या होगा?

दाऊद यहोवा के सत्य मार्ग पर चलेगा।

भजन संहिता 86:12

दाऊद परमेश्वर से क्या कहता है कि वह क्या करेगा?

दाऊद परमेश्वर का धन्यवाद करेगा और परमेश्वर के नाम की महिमा सदा करता रहेगा।

भजन संहिता 86:13

दाऊद कहता है कि उस पर परमेश्वर की करुणा ने क्या किया है?

परमेश्वर ने दाऊद को अधोलोक की तह में जाने से बचा लिया है।

भजन संहिता 86:14

दाऊद कहता है कि अभिमानी लोग और उपद्रवियों के झुण्ड ने क्या किया है?

वे दाऊद के विरुद्ध उठ गए हैं, उसके प्राण के खोजी हुए हैं और परमेश्वर का कुछ विचार नहीं रखते हैं।

भजन संहिता 86:15

दाऊद प्रभु का वर्णन कैसे करता है?

दाऊद प्रभु को दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर, विलम्ब से कोप करनेवाले और अति करुणामय के रूप में वर्णन करता है।

भजन संहिता 86:16

दाऊद प्रभु से उनके लिये क्या करने को कहता है?

दाऊद प्रभु से प्रार्थना करता है कि वह उसकी ओर फिरकर उस पर अनुग्रह करें, उसे शक्ति दें और उसका उद्धार करें।

भजन संहिता 86:17

जब यहोवा दाऊद को अपनी भलाई का चिन्ह दिखाएँगे, तब क्या होगा?

जो दाऊद के बैरी है, परमेश्वर की भलाई का चिन्ह देखकर निराश होंगे।

भजन संहिता 86:17 (#2)

दाऊद कहता है कि यहोवा ने उनके लिये क्या किया है?

यहोवा ने दाऊद की सहायता की और उसे शान्ति दी है।

भजन संहिता 87:1

प्रभु का नगर कहाँ स्थित है?

यह पवित्र पर्वतों पर स्थित है।

भजन संहिता 87:2

यहोवा सिय्योन के फाटकों से कितनी प्रीति रखते हैं?

वह उन्हें याकूब के सारे निवासों से बढ़कर प्रीति रखते हैं।

भजन संहिता 87:3

परमेश्वर के नगर के बारे में क्या कहा जाता है?

परमेश्वर के नगर के विषय में महिमा की बातें कही जाती हैं।

भजन संहिता 87:4

लेखक ने रहब और बाबेल का उल्लेख किस उद्देश्य से किया?

उन्होंने अपने जान-पहचानवालों से उनकी चर्चा की।

भजन संहिता 87:5

परमप्रधान सिय्योन के लिए क्या करेंगे?

परमप्रधान आप ही उसको स्थिर करेंगे।

भजन संहिता 87:6

जब यहोवा देश-देश के लोगों के नाम लिखकर गिन लेगा, तो वह क्या कहेगा?

वह कहेगा, "यह वहाँ उत्पन्न हुआ था।"

भजन संहिता 87:7

गवैये और नृतक क्या कहते हैं?

वे कहते हैं, "हमारे सब सोते तुझी में पाए जाते हैं।"

भजन संहिता 88:1

लेखक यहोवा, अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर को कब पुकारते हैं?

लेखक यहोवा के आगे दिन को और रात को चिल्लाया करते हैं।

भजन संहिता 88:2

लेखक यहोवा से उनके लिए क्या करने की प्रार्थना करते हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह उसकी प्रार्थना सुनें और उसके चिल्लाने की ओर कान लगाएँ।

भजन संहिता 88:3

लेखक के प्राण और आत्मा में कौन सी समस्याएँ हैं?

उसके प्राण क्लेश से भरा हुआ है, और उसका प्राण अधोलोक के निकट पहुँचा है।

भजन संहिता 88:4

जब लोग उसके साथ कब्र में पड़नेवालों के जैसा व्यवहार करते हैं तो लेखक स्वयं का वर्णन कैसे करता है?

वह स्वयं को बलहीन पुरुष के समान बताता है।

भजन संहिता 88:5

लेखक क्या कहता है कि जब वह कब्र में पड़े मुर्दों की तरह होता है तो उसके साथ क्या होता है?

वह कहता है कि यहोवा मुर्दों को स्मरण नहीं करता क्योंकि वे यहोवा की सहायता रहित हैं।

भजन संहिता 88:6

लेखक कहाँ कहते हैं कि यहोवा ने उसे किस स्थान में रखा है?

वह कहता है कि यहोवा ने उसे गड्ढे के तल ही में, अंधेरे और गहरे स्थान में रखा है।

भजन संहिता 88:7

लेखक पर क्या बनी हुई है?

यहोवा की जलजलाहट लेखक पर बनी हुई है।

भजन संहिता 88:8

यहोवा ने लेखक के पहचानवालों को उससे दूर क्यों कर दिया है?

यहोवा ने लेखक को उसके पहचानवालों की दृष्टि में घिनौना किया है।

भजन संहिता 88:9

लेखक की आँखें किस कारण धुँधली हो जाती है?

उसकी आँखें दुःख भोगते-भोगते धुँधली हो जाती है।

भजन संहिता 88:10

लेखक यहोवा से मुर्दों और मरे हुए लोगों के बारे में कौन से प्रश्न पूछते हैं?

वह यहोवा से पूछते हैं कि क्या वह मुर्दों के लिए अद्भुत काम करेंगे, और क्या वे उठकर यहोवा का धन्यवाद करेंगे।

भजन संहिता 88:11–12

लेखक यहोवा से उनकी करुणा, सच्चाई, अद्भुत काम और धर्म के बारे में क्या जानना चाहता है?

लेखक यहोवा से पूछते हैं कि क्या उन्हें कब्र में, और विनाश की दशा में, अंधकार में और विश्वासघात की दशा में जाना जाएगा।

भजन संहिता 88:13

लेखक की प्रार्थना यहोवा तक कब पहुँचती है?

भोर को उनकी प्रार्थना यहोवा तक पहुँचती है।

भजन संहिता 88:14

यहोवा ने लेखक के साथ क्या किया है?

यहोवा ने लेखक को छोड़ा और अपना मुख उससे छिपाता रहता है।

भजन संहिता 88:15

लेखक कितने समय से दुःखी है और अधमुआ है?

लेखक बचपन ही से दुःखी वरन् अधमुआ है।

भजन संहिता 88:16

लेखक क्या कहता है कि यहोवा के क्रोधित कार्यों और भयानक कार्यों ने क्या प्रभाव डाला है?

यहोवा का क्रोध लेखक पर पड़ा है; उस भय से वह मिट गया है।

भजन संहिता 88:17

यहोवा के क्रियाओं और कार्यों ने पूरे दिन लेखक के साथ क्या किया है?

वे दिन भर जल के समान लेखक को घेरे रहतें हैं; वे उनके चारों ओर दिखाई देते हैं।

भजन संहिता 88:18

लेखक क्या कह रहे हैं कि उनके जान-पहचानवालों को कहाँ डाल दिया है?

वह कहते हैं कि उनके जान-पहचानवालों को अंधकार में डाल दिया है।

भजन संहिता 89:1

लेखक किसके विषय सदा गाएंगे?

वे यहोवा की सारी करुणा के विषय सदा गाएंगे।

भजन संहिता 89:1 (#2)

लेखक पीढ़ी से पीढ़ी तक को क्या बताते रहेंगे?

वह यहोवा की सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बताते रहेंगे।

भजन संहिता 89:2

यहोवा अपनी सच्चाई को कहाँ स्थिर रखेगा?

यहोवा स्वर्ग में अपनी सच्चाई को स्थिर रखेगा।

भजन संहिता 89:3

किसके साथ वाचा बाँधी गई है और शपथ खाई गई है?

चुने हुए जन के साथ वाचा बाँधी गई है और दाऊद से शपथ खाई गई है।

भजन संहिता 89:4

वंश और राजगद्दी कब तक स्थिर रहेंगे?

वंश सदा स्थिर रहेंगे और राजगद्दी पीढ़ी-पीढ़ी तक बनी रहेगी।

भजन संहिता 89:5

स्वर्ग में किस लिये यहोवा की प्रशंसा होगी?

स्वर्ग में यहोवा के अद्‌भुत काम की प्रशंसा होगी।

भजन संहिता 89:5 (#2)

पवित्रों की सभा किस लिये यहोवा की प्रशंसा करेगी?

वे उसकी सच्चाई के कारण यहोवा की प्रशंसा करेंगे।

भजन संहिता 89:7

परमेश्वर की तुलना उन लोगों से कैसे की जाती है जो उनके चारों ओर हैं?

वह अपने चारों ओर सब रहनेवालों से अधिक भययोग्य हैं।

भजन संहिता 89:8

लेखक यहोवा की सच्चाई के बारे में क्या कहते हैं?

यह यहोवा के चारों ओर है।

भजन संहिता 89:9

समुद्र के गर्व पर यहोवा की प्रभुता के बारे में लेखक क्या कहता है?

वह कहते हैं कि जब तरंग उठते हैं, यहोवा उनको शान्त कर देता है।

भजन संहिता 89:10

यहोवा ने रहब के लिए क्या किया?

उन्होंने रहब को घात किए हुए के समान कुचल डाला।

भजन संहिता 89:10 (#2)

यहोवा ने अपने शत्रुओं को तितर-बितर करने के लिए क्या उपयोग किया?

उन्होंने अपने बाहुबल का उपयोग किया।

भजन संहिता 89:11

यहोवा के पास क्या है, जिन्होंने जगत और जो कुछ उसमें है, उसे बनाया?

आकाश और पृथ्वी यहोवा के हैं।

भजन संहिता 89:12

यहोवा ने क्या सिरजा?

यहोवा ने उत्तर और दक्षिण को सिरजा।

भजन संहिता 89:13

लेखक यहोवा की भुजा और हाथ के विषय में क्या कहते हैं?

यहोवा की भुजा बलवन्त है और हाथ शक्तिमान है, और उनका दाहिना हाथ प्रबल है।

भजन संहिता 89:14

यहोवा के सिंहासन का मूल क्या है?

धर्म और न्याय यहोवा के सिंहासन का मूल हैं।

भजन संहिता 89:14 (#2)

यहोवा के आगे-आगे क्या चलती है?

करुणा और सच्चाई यहोवा के आगे-आगे चलती है।

भजन संहिता 89:15–16

यहोवा की उपासना करने वाले लोगों का क्या होता है?

वे धन्य हैं जो यहोवा के मुख के प्रकाश में चलते हैं, वे यहोवा के नाम के हेतु दिन भर मगन रहते हैं, और उनके धर्म के कारण महान हो जाते हैं।

भजन संहिता 89:17

यहोवा की बल की शोभा और प्रसन्नता लोगों को कैसे लाभ पहुँचाती हैं?

लोगों के सींग ऊँचें होते हैं।

भजन संहिता 89:18

यहोवा का क्या है और उन्हें क्या कहा जाता है?

लोगों की ढाल यहोवा की ओर से है और उन्हें इस्राएल के पवित्र कहा जाता है।

भजन संहिता 89:19

यहोवा ने अपने भक्त को दर्शन में क्या कहा था?

उन्होंने कहा था कि उन्होंने सहायता करने का भार एक वीर पर रखा है, और प्रजा में से एक को चुनकर बढ़ाया है।

भजन संहिता 89:20–23

यहोवा ने कहा कि वह अपने दास दाऊद के लिए क्या करेंगे?

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने पवित्र तेल से उसका अभिषेक किया है और उसे दृढ़ रखेंगे।

भजन संहिता 89:24

दाऊद पर क्या बनी रहेंगी और उसका सींग कैसे ऊँचा होगा?

यहोवा की सच्चाई और करुणा दाऊद पर बनी रहेंगी और यहोवा के नाम से दाऊद का सींग ऊँचा होगा।

भजन संहिता 89:26

दाऊद यहोवा को क्या पुकारकर कहेंगे?

वह यहोवा को अपने पिता, अपने परमेश्वर, और अपने उद्धार की चट्टान कहेंगे।

भजन संहिता 89:27–28

यहोवा दाऊद के लिए क्या करेंगे, जिन्हें वह अपने पहलौठे पुत्र और पृथ्वी के राजाओं पर प्रधान के रूप में ठहराते हैं?

अपनी करुणा उस पर सदा बनाए रहेंगे और उनकी वाचा दाऊद के लिये अटल रहेगी।

भजन संहिता 89:29

दाऊद के वंश और उनकी राजगद्दी कब तक बनी रहेगी?

उनका वंश सदा के लिए रहेगा और उनकी राजगद्दी स्वर्ग के सामान सर्वदा बनी रहेगी।

भजन संहिता 89:30–32

यदि दाऊद के वंश यहोवा की व्यवस्था को छोड़ देते हैं, उनके नियमों के अनुसार न चलें, उनकी विधियों का उल्लंघन करें और उनकी आज्ञाओं को न मानें, तो यहोवा उनके साथ क्या करेंगे?

यहोवा उनके अपराध का दण्ड सोंटें से, और उनके अधर्म का दण्ड कोड़ों से देंगे।

भजन संहिता 89:33–34

यहोवा दाऊद से क्या वादे करते हैं?

यहोवा वादे करते हैं कि वे अपनी करुणा उस पर से न हटाएँगे और न सच्चाई त्याग कर झूठे ठहरेंगे। वे अपनी वाचा को नहीं तोड़ेंगे और जो उनके मुँह से निकल चूका है उसे न बदलेंगे।

भजन संहिता 89:35

यहोवा कैसी शपथ लेते हैं?

यहोवा अपनी पवित्रता की शपथ लेते हैं।

भजन संहिता 89:38

लेखक यहोवा द्वारा दाऊद के साथ किए जा रहे व्यवहार के बारे में क्या कहता है?

लेखक कहते हैं कि यहोवा ने अपने अभिषिक्त राजा को छोड़ा और उसे तज दिया, और उस पर अति क्रोध किया है।

भजन संहिता 89:41

लेखक क्या बताना चाहते हैं कि अभिषिक्त राजा के साथ क्या घटित हो रहा है?

सब बटोही उसको लूट लेते हैं, और उसके पड़ोसियों से उसकी नामधराई होती है।

भजन संहिता 89:42

अभिषिक्त राजा के विरोधियों ने क्या किया है?

परमेश्वर ने उनके विरोधियों को प्रबल किया है और उनके सब शत्रुओं को आनन्दित किया है।

भजन संहिता 89:43

जब अभिषिक्त राजा युद्ध में गए तो क्या हुआ?

राजा की तलवार की धार मुड़ गई और युद्ध में उनके पाँव जमते नहीं।

भजन संहिता 89:44

राजा का तेज और सिंहासन का क्या हुआ?

उनका तेज हर लिया गया है और उनका सिंहासन भूमि पर पटक दिया गया है।

भजन संहिता 89:45

अभिषिक्त राजा की जवानी का क्या हुआ?

उनकी जवानी घटाई गई है और उनको लज्जा से ढाँप दिया गया है।

भजन संहिता 89:46

लेखक यहोवा से उनके जलजलाहट के बारे में क्या पूछते हैं?

वह पूछता है कि यहोवा कब तक लगातार मुँह फेरे रहेंगे और उनकी जलजलाहट कब तक आग के समान भड़की रहेंगी।

भजन संहिता 89:47

लेखक यहोवा से किस विषय पर स्मरण करने के लिए कहते हैं?

वह यहोवा से पूछते हैं कि वह स्मरण करें कि वह कैसा अनित्य है और उन्होंने सब मनुष्यों को क्यों व्यर्थ सिरजा है।

भजन संहिता 89:49

लेखक ने प्रभु से प्राचीनकाल के करुणा के बारे में क्या पूछते हैं?

लेखक प्रभु से पूछते हैं, "तेरी प्राचीनकाल की करुणा कहाँ रही"?

भजन संहिता 89:50–51

लेखक प्रभु से क्या सुधि लेने के लिए कहते हैं?

वह प्रभु से कहते हैं कि उनके दासों की नामधराई होती है और यहोवा के अभिषिक्त के पीछे पड़कर उसकी नामधराई होती है।

भजन संहिता 89:52

लेखक का कहना है कि यहोवा कब तक धन्य रहेंगे?

यहोवा सर्वदा धन्य रहेंगे!

भजन संहिता 90:1

प्रभु कितने समय से मूसा और लोगों के लिए धाम बने हैं?

प्रभु पीढ़ी से पीढ़ी तक धाम बने हैं।

भजन संहिता 90:3

यहोवा मनुष्य को लौटाकर कहाँ ले जाते हैं?

वह मनुष्य को लौटाकर मिट्टी में ले जाते हैं।

भजन संहिता 90:4

प्रभु की दृष्टि में हजार वर्ष कैसे होते हैं?

वे ऐसे हैं, जैसा कल का दिन जो बीत गया, या रात का एक पहर।

भजन संहिता 90:5–6

मानव जाति के वंश किसके समान हैं?

वह भोर को फूलती और बढ़ती है, और साँझ तक कटकर मुर्झा जाती है।

भजन संहिता 90:7–8

मानव जाति प्रभु के क्रोध से क्यों भस्म हुए हैं और उनकी जलजलाहट से क्यों घबरा गए हैं?

वे भस्म हुए हैं और घबरा गए हैं क्योंकि प्रभु ने उनके अधर्म के कामों को अपने सम्मुख, और उनके छिपे हुए पापों को अपने मुख की ज्योति में रखा है।

भजन संहिता 90:10

बल के कारण मानव जाति की आयु कितनी हो सकती है?

बल के कारण उनकी आयु अस्सी वर्ष भी हो सकती है।

भजन संहिता 90:12

मूसा प्रभु से मानव जाति को कैसी समझ देने के लिए प्रार्थना करते हैं?

वह प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि वे मानव जाति को उनके अपने दिन गिनने की समझ दे, ताकि वे बुद्धिमान हो जाएँ।

भजन संहिता 90:14

मूसा क्या चाहते हैं कि प्रभु भोर को मानवजाति को कैसे तृप्त करे?

वह चाहते हैं कि प्रभु अपनी करुणा से मानवजाति को तृप्त करे, ताकि वे जीवन भर जयजयकार और आनन्द करते रहें।

भजन संहिता 90:16

मूसा प्रभु से अपने दासों को क्या प्रगट कराना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि प्रभु उनके दासों को उनके काम देखने दें और उनकी सन्तान पर प्रताप प्रगट करें।

भजन संहिता 90:17

प्रभु मानवता पर अपनी मनोहरता कैसे प्रकट करते हैं?

वह उनके हाथों के काम को दृढ़ करते हैं।

भजन संहिता 91:2

लेखक यहोवा के विषय में क्या कहते हैं?

लेखक कहते हैं, "वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, जिस पर मैं भरोसा रखता हूँ।"

भजन संहिता 91:3-4

यहोवा उस व्यक्ति के लिए क्या करेंगे जो उन पर भरोसा करता है?

यहोवा उन्हें बहेलिये के जाल से और घातक महामारी से बचाएंगे और पंखों की आड़ में ले लेंगे।

भजन संहिता 91:5-6

जो यहोवा पर भरोसा रखता है उसे किस बात से डरने की आवश्यकता नहीं?

जो यहोवा पर भरोसा करते हैं, उन्हें रात के भय से, दिन में उड़ने वाले तीर से, अंधेरे में फैलने वाली मरी से, और दिन-दुपहरी में आने वाले महारोग से डरने की आवश्यकता नहीं है।

भजन संहिता 91:9

लेखक के लिए यहोवा क्या हैं?

यहोवा लेखक के लिए शरणस्थान ठहरा है।

भजन संहिता 91:10-11

जो यहोवा पर भरोसा रखता है उसके घर पर कोई विपत्ति क्यों नहीं पड़ेगी, और न कोई दुःख उसके डेरे के निकट आएगा?

जो यहोवा पर भरोसा करते हैं, उन पर कोई विपत्ति नहीं पड़ेगी और न ही कोई दुःख उसके डेरे के निकट आएगा, क्योंकि यहोवा अपने दूतों को उसके निमित्त आज्ञा देगा, कि जहाँ कहीं वह जाए वे उसकी रक्षा करें।

भजन संहिता 91:12-13

जो यहोवा पर भरोसा करते हैं, स्वर्गदूत उनकी रक्षा और सुरक्षा कैसे करेंगे?

स्वर्गदूत उसे अपने हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि उसके पाँवों में पत्थर से ठेस लगे।

भजन संहिता 91:14-16

यहोवा उस व्यक्ति के लिए क्या करते हैं जिसने उनसे स्नेह किया है?

यहोवा उन्हें छुड़ाएँगे, उन्हें ऊँचे स्थान पर रखेंगे, जब वे पुकारेंगे तो उनकी सुनेंगे, जब वे संकट में होंगे तब उनके संग रहेंगे और उनकी महिमा बढ़ाएँगे, उन्हें दीर्घायु से तृप्त करेंगे, और उन्हें अपने उद्धार का दर्शन दिखाएंगे।

भजन संहिता 92:1

लेखक क्या भला मानते हैं?

यहोवा का धन्यवाद करना भला है और उनके नाम का भजन गाना।

भजन संहिता 92:2

लेखक कब कहता है कि यहोवा की करुणा और सच्चाई का प्रचार करें?

वह कहते हैं कि प्रातःकाल को यहोवा की करुणा और प्रति रात उसकी सच्चाई का प्रचार करें।

भजन संहिता 92:4-5

लेखक ने यहोवा के बड़े कामों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की है?

यहोवा के बड़े कामों ने उन्हें आनन्दित किया है ताकि वह जयजयकार करें।

भजन संहिता 92:6

कौन ऐसा व्यक्ति है जो इस आनन्द को नहीं समझता और विचार नहीं करता?

ऐसा आनन्द एक पशु समान मनुष्य या मूर्ख नहीं समझता और विचार नहीं करता।

भजन संहिता 92:7

दुष्ट जो घास के समान फूलते-फलते हैं और सब अनर्थकारी जो प्रफुल्लित होते हैं उनकी नियति क्या है?

दुष्ट जो घास के समान फूलते-फलते हैं, और सब अनर्थकारी जो प्रफुल्लित होते हैं, वे सर्वदा के लिये नाश होंगे।

भजन संहिता 92:8–9

क्यों सब अनर्थकारी, जो यहोवा के शत्रु हैं, तितर-बितर होंगे?

सब अनर्थकारी तितर-बितर होंगे क्योंकि यहोवा सदा विराजमान रहेंगे।

भजन संहिता 92:10–11

यहोवा ने लेखक का सींग कैसे ऊँचा किया, और ताजे तेल से उसका अभिषेक कैसे किया?

यहोवा ने लेखक को उनके शत्रुओं पर दृष्टि करके और उन कुकर्मियों का हाल सुनने की अनुमति देके उन्हें ऊँचा किया है और ताजे तेल से उनका अभिषेक किया है।

भजन संहिता 92:13

धर्मी जन कहाँ रोपे जाते हैं?

वे यहोवा के भवन में रोपे जाते हैं।

भजन संहिता 92:14–15

धर्मी जन यहोवा को सच्चा प्रगट करने के लिए क्या करते हैं?

धर्मी जन जब पुराने होते हैं, तब भी वे फलते, रस भरे और लहलहाते रहेंगे।

भजन संहिता 92:15

यहोवा लेखक की चट्टान क्यों हैं?

यहोवा उनकी चट्टान हैं क्योंकि यहोवा में कुटिलता कुछ भी नहीं है।

भजन संहिता 93:1

यहोवा ने क्या पहरावा पहना हुआ है?

यहोवा ने माहात्म्य का पहरावा पहना है और सामर्थ्य का फेटा बाँधे है।

भजन संहिता 93:3

महानदों ने अपनी आवाज़ कैसे उठाई है?

महानदों का कोलाहल हो रहा है, महानदों का बड़ा शब्द हो रहा है, महानद गरजते हैं।

भजन संहिता 93:4

कौन महासागर के शब्द से और समुद्र की महातरंगों से श्रेष्ठ है?

विराजमान यहोवा अधिक महान है और महासागर के शब्द से, और समुद्र की महातरंगों से।

भजन संहिता 93:5

लेखक यहोवा की चितौनियों और पवित्रता का वर्णन कैसे करते हैं?

लेखक कहते हैं कि यहोवा की चितौनियाँ अति विश्वासयोग्य हैं और यहोवा के भवन को युग-युग पवित्रता ही शोभा देती है।

भजन संहिता 94:1–2

लेखक यहोवा परमेश्वर से क्या करने को कहता है?

लेखक यहोवा परमेश्वर से कहता है कि वे अपना तेज लोगों पर दिखाएँ और घमण्डियों को उनके कर्मों के अनुसार बदला दें।

भजन संहिता 94:3–4

दुष्ट लोग कैसे डींग मारते हैं?

दुष्ट लोग बकते, ढिठाई की बातें बोलते और सब अनर्थकारी बड़ाई मारते हैं।

भजन संहिता 94:5–6

दुष्टों का आचरण कैसा होता है?

दुष्ट यहोवा की प्रजा को पीस डालते हैं और वे विधवा और परदेशी का घात करते, और अनाथों को मार डालते हैं।

भजन संहिता 94:7

दुष्ट क्या बोलते हैं?

दुष्ट कहते हैं कि यहोवा न देखेगा, याकूब का परमेश्वर विचार न करेगा।

भजन संहिता 94:8

लेखक मूर्खों से कौन-कौन से प्रश्न पूछते हैं?

वह उनसे पूछते हैं, "तुम कब बुद्धिमान बनोगे?"

भजन संहिता 94:11

यहोवा मनुष्यों के कल्पनाओं के बारे में क्या जानते हैं?

यहोवा जानते हैं कि मनुष्यों की कल्पनाएँ मिथ्या हैं।

भजन संहिता 94:12–13

यहोवा उस व्यक्ति के लिए क्या करते हैं जो धन्य है?

यहोवा अपनी व्यवस्था सिखाते हैं और विपत्ति के दिनों में उन्हें चैन देते हैं जो धन्य हैं।

भजन संहिता 94:14

लेखक यहोवा के लोगों से क्या वादा करते हैं?

लेखक कहते हैं कि यहोवा अपनी प्रजा को न तजेंगे, वह अपने निज भाग को न छोड़ेंगे।

भजन संहिता 94:15

यहोवा की प्रतिज्ञा का परिणाम क्या है?

यहोवा की प्रतिज्ञा का परिणाम यह होगा कि न्याय फिर धर्म के अनुसार किया जाएगा और सारे सीधे मनवाले उसके पीछे-पीछे हो लेंगे।

भजन संहिता 94:17–18

यहोवा की ओर से किस प्रावधान से लेखक को सहायता मिली?

यहोवा की करुणा का प्रावधान था जिसने लेखक को थाम लिया जब उन्होंने कहा, "मेरा पाँव फिसलने लगा है।"

भजन संहिता 94:20–21

दुष्ट शासक कानून की आड़ में कैसे उत्पात मचाते हैं?

दुष्ट शासक धर्मी का प्राण लेने को दल बाँधते हैं, और निर्दोष को प्राणदण्ड देते हैं।

भजन संहिता 94:22

यहोवा ने लेखक को कैसे प्रोत्साहित किया है?

यहोवा ने लेखक को प्रोत्साहित किया है, उनका गढ़ और शरण की चट्टान बनकर।

भजन संहिता 94:23

यहोवा दुष्ट शासकों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उनके अनर्थ काम उन्हीं पर लौटाएँगे और उन्हें उन्हीं की बुराई के द्वारा सत्यानाश कर देंगे।

भजन संहिता 95:2

लेखक सब को उसके सम्मुख आने के लिए कैसे प्रोत्साहित करते हैं?

लेखक सब को धन्यवाद के साथ यहोवा के सम्मुख आने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

भजन संहिता 95:3

यहोवा की तुलना अन्य देवताओं से कैसे की जाती है?

यहोवा महान परमेश्वर है, और सब देवताओं के ऊपर महान राजा है।

भजन संहिता 95:4–5

यहोवा सब देवताओं के ऊपर महान राजा क्यों हैं?

यहोवा सब देवताओं के ऊपर महान राजा हैं क्योंकि जिन पहाड़ों की चोटियाँ और समुद्र उन्होंने बनाए हैं, वे उनके हैं और स्थल भी उन्हीं के हाथ का रचा है।

भजन संहिता 95:6–7

हर किसी को यहोवा के सामने झुककर और घुटने टेककर दण्डवत् क्यों करना चाहिए?

हर किसी को यहोवा की आराधना करनी चाहिए क्योंकि वही उनका परमेश्वर हैं, और वे उसकी चराई की प्रजा, और उसके हाथ की भेड़ें हैं।

भजन संहिता 95:9

इस्राएल के पुरखाओं ने यहोवा को किस प्रकार उत्तर दिया?

उन्होंने परमेश्वर को परखा और उनको जाँचा और उनके काम को भी देखा।

भजन संहिता 95:10

यहोवा ने उन लोगों का वर्णन कैसे किया जिन्होंने उन्हें परखा?

यहोवा ने कहा, "ये तो भरमानेवाले मन के हैं, और इन्होंने मेरे मार्गों को नहीं पहचाना।"

भजन संहिता 95:11

यहोवा ने अपने क्रोध में क्या किया?

यहोवा ने अपने क्रोध में आकर शपथ खाई कि जो लोग उसके अधिकार को चुनौती देंगे वे उनके विश्रामस्थान में कभी प्रवेश न करने पाएँगे।

भजन संहिता 96:2

लेखक सभी को क्या सुनाते रहने के लिए प्रेरित करता है?

लेखक सभी को प्रोत्साहित करते हैं कि वे यहोवा के किए हुए उद्धार का शुभ समाचार सुनाते रहें।

भजन संहिता 96:3–4

हर किसी को यहोवा की महिमा और देश-देश के लोगों में उसके आश्चर्यकर्मों का वर्णन क्यों करना चाहिए?

हर किसी को यहोवा की महिमा और देश-देश के लोगों में उसके आश्चर्यकर्मों का वर्णन चाहिए क्योंकि यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य है; वह तो सब देवताओं से अधिक भययोग्य है।

भजन संहिता 96:6

यहोवा के पवित्रस्थान में कौन-कौन से गुण होते हैं?

यहोवा के पवित्रस्थान में वैभव और ऐश्वर्य, सामर्थ्य और शोभा हैं।

भजन संहिता 96:8

यहोवा को उसके नाम की महिमा करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

हर किसी को एक भेंट लेकर उसके आँगनों में आना चाहिए।

भजन संहिता 96:10

लेखक ने सब को जाति-जाति के बीच क्या कहने के लिए प्रोत्साहित किया?

लेखक ने सब को प्रोत्साहित किया कि वे कहें, "यहोवा राजा हुआ है।"

भजन संहिता 96:10 (#2)

यहोवा लोगों का न्याय कैसे करते हैं?

यहोवा लोगों का खराई से न्याय करते हैं।

भजन संहिता 96:11–13

आकाश को क्यों आनन्द करना चाहिए और पृथ्वी को क्यों मगन होना चाहिए?

आकाश आनन्द करे, और पृथ्वी मगन हो क्योंकि यहोवा आनेवाला है।

भजन संहिता 96:13

जब यहोवा आएगा तो वह क्या करेगा?

जब यहोवा आएगा, तो वह धर्म से जगत का, और सच्चाई से देश-देश के लोगों का न्याय करेगा।

भजन संहिता 97:2

यहोवा के सिंहासन का मूल क्या हैं?

यहोवा के सिंहासन का मूल धर्म और न्याय हैं।

भजन संहिता 97:3

यहोवा के आगे-आगे चलती हुई आग का क्या परिणाम होता है?

यहोवा के आगे-आगे आग चलती हुई उसके विरोधियों को चारों ओर भस्म करती है।

भजन संहिता 97:4-5

परमेश्वर के सामने क्या होता है?

यहोवा की बिजलियों से जगत प्रकाशित हो जाता है, पृथ्वी देखकर थरथरा उठती है, और पहाड़ यहोवा के सामने, मोम के समान पिघल जाते हैं।

भजन संहिता 97:6

यहोवा के धर्म और महिमा की साक्षी कौन करता है?

आकाश ने उसके धर्म की साक्षी दी; और देश-देश के सब लोगों ने उसकी महिमा देखी है।

भजन संहिता 97:7

यहोवा किन्हें लज्जित करेंगे?

जितने खुदी हुई मूर्तियों की उपासना करते और मूरतों पर फूलते हैं, वे लज्जित किए जाएँगे।

भजन संहिता 97:8

सिय्योन ने क्यों सुना और यहूदा की बेटियाँ क्यों मगन हुई?

सिय्योन ने सुना और यहूदा की बेटियाँ मगन हुई क्योंकि यह यहोवा के नियमों के कारण हुआ।

भजन संहिता 97:9

लेखक यहोवा के बारे में क्या कहते हैं?

लेखक कहते हैं कि यहोवा सारी पृथ्वी के ऊपर परमप्रधान है और सारे देवताओं से अधिक महान ठहरा है।

भजन संहिता 97:10

यहोवा अपने भक्तों के लिए क्या करते हैं?

यहोवा अपने भक्तों के प्राणों की रक्षा करते, और उन्हें दुष्टों के हाथ से बचाते हैं।

भजन संहिता 97:12

लेखक धर्मियों को क्या करने के लिए प्रोत्साहित करता है?

लेखक धर्मियों को यहोवा में आनन्दित होने और उनके पवित्र नाम का धन्यवाद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भजन संहिता 98:1

यहोवा के लोगों का उद्धार किसने किया?

यहोवा के दाहिने हाथ और पवित्र भुजा ने उनके लोगों का उद्धार किया है।

भजन संहिता 98:2

यहोवा ने अन्यजातियों की दृष्टि में क्या प्रगट किया है?

उसने अन्यजातियों की दृष्टि में अपना धर्म प्रगट किया है।

भजन संहिता 98:3

यहोवा किस बात की सुधि लेते हैं?

यहोवा इस्राएल के घराने पर की अपनी करुणा और सच्चाई की सुधि लेते हैं।

भजन संहिता 98:3 (#2)

कौन इस्राएल के परमेश्वर का उद्धार देखेगा?

पृथ्वी के सब दूर-दूर देश इस्राएल के परमेश्वर का उद्धार देखेंगे।

भजन संहिता 98:4

यहोवा के प्रावधान के प्रति हर किसी की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए?

हर किसी को जयजयकार करना चाहिए और जयजयकार करते हुए भजन गाना चाहिए।

भजन संहिता 98:5-6

इस्राएल के घराने को यहोवा के सामने स्तुति गाने और जयजयकार करने के लिए कौन से वाद्य यंत्रों का उपयोग करना चाहिए?

इस्राएल के घराने को वीणा, तुरहियां, और नरसिंगे के स्वर का उपयोग करना चाहिए।

भजन संहिता 98:7-8

लेखक यहोवा की सृष्टि को उसके आगमन पर प्रतिक्रिया देने के लिए कैसे प्रोत्साहित करता है?

लेखक कहता है कि समुद्र और उसमें की सब वस्तुएँ गरज उठें; जगत और उसके निवासी महाशब्द करें! नदियाँ तालियाँ बजाएँ; पहाड़ मिलकर जयजयकार करें।

भजन संहिता 98:9

यहोवा पृथ्वी का न्याय कैसे करेंगे?

यहोवा धर्म से जगत का, और सच्चाई से देश-देश के लोगों का न्याय करेंगे।

भजन संहिता 99:1

देश-देश के लोगों को यहोवा के राजा होने की कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए?

देश-देश के लोगों को यहोवा के राजा होने के प्रति काँप उठना चाहिए।

भजन संहिता 99:1 (#2)

पृथ्वी क्यों डोलती है?

पृथ्वी डोलती है क्योंकि यहोवा करूबों के ऊपर सिंहासन पर विराजमान हैं।

भजन संहिता 99:2

यहोवा देश-देश के लोगों के ऊपर क्यों प्रधान है?

यहोवा सिय्योन में महान है, इसलिए वे प्रधान हैं।

भजन संहिता 99:3

देश-देश के लोगों को यहोवा के महान और भययोग्य नाम का धन्यवाद क्यों करना चाहिए?

देश-देश के लोगों को यहोवा के नाम का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि वे पवित्र हैं।

भजन संहिता 99:4

लेखक राजा का वर्णन कैसे करते हैं?

लेखक कहते हैं कि राजा की सामर्थ्य न्याय से मेल रखती है।

भजन संहिता 99:5

लेखक कैसे कहता है कि देश देश के लोगों को यहोवा को प्रतिक्रिया देनी चाहिए?

लेखक कहते हैं कि देश देश के लोगों को यहोवा को सराहना चाहिए और उसके चरणों की चौकी के सामने दण्डवत् करना चाहिए क्योंकि वे पवित्र हैं।

भजन संहिता 99:6

वे कौन से पुरुष थे जिन्होंने यहोवा से प्रार्थना की और यहोवा ने उन्हें उत्तर दिया?

उनमें से कुछ लोग जिन्होंने यहोवा से प्रार्थना की और यहोवा ने उन्हें उत्तर दिया, वे थे मूसा, हारून, और शमूएल।

भजन संहिता 99:7

यहोवा से प्रार्थना करने वाले पुरुषों ने उनकी बातों पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

जो पुरुष प्रार्थना करते थे, वे यहोवा की चितौनियों और उसकी दी हुई विधियों पर चले।

भजन संहिता 99:8

यहोवा ने उन पुरुषों के लिए क्या किया जिन्होंने उनसे प्रार्थना की?

यहोवा उनके कामों का पलटा तो लेता था, तो भी उनके लिये क्षमा करनेवाला परमेश्वर था।

भजन संहिता 99:9

लेखक सभी को क्या करने के लिए प्रेरित करता है?

लेखक कहते हैं कि यहोवा को सराहो, और उसके पवित्र पर्वत पर दण्डवत् करो; क्योंकि परमेश्वर यहोवा पवित्र है।

भजन संहिता 100:1

लेखक यहोवा के लिए जयजयकार करने के लिए किसे आमंत्रित करते हैं?

वह सारी पृथ्वी के लोगों को यहोवा के लिए जयजयकार करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

भजन संहिता 100:2

लोगों को यहोवा के सम्मुख कैसे आना चाहिए?

उन्हें उसके सम्मुख आनन्द के साथ आना चाहिए।

भजन संहिता 100:3

लेखक यह दिखाने के लिए कौन सी छवि का उपयोग करते हैं कि लोग यहोवा से कैसे सम्बन्धित हैं?

वह कहते हैं कि वे यहोवा की प्रजा, और उसकी चराई की भेड़ें हैं।

भजन संहिता 100:4

लोगों को यहोवा के फाटकों और आँगनों में कैसे प्रवेश करना चाहिए?

उन्हें उसके फाटकों में धन्यवाद के साथ और उसके आँगनों में स्तुति करते हुए प्रवेश करना चाहिए।

भजन संहिता 100:5

लेखक के अनुसार कौन-सी चीज़ें सदा के लिये स्थिर रहती है?

वह कहते हैं कि यहोवा की करुणा सदा के लिये स्थिर रहती है।

भजन संहिता 101:1

दाऊद किन दो गुणों का गुणगान करेंगे?

वे करुणा और न्याय के विषय गायेंगे।

भजन संहिता 101:3

दाऊद ने किस काम पर चित्त नहीं लगाया?

दाऊद ने किसी ओछे काम पर चित्त नहीं लगाया।

भजन संहिता 101:5

दाऊद किसे सत्यानाश करेंगे?

जो छिपकर अपने पड़ोसी की चुगली खाए, उसको दाऊद सत्यानाश करेंगे।

भजन संहिता 101:6

दाऊद किस प्रकार के लोगों को अपने संग रखकर अपनी सेवा करना चाहते हैं?

दाऊद चाहता है कि देश के विश्वासयोग्य लोग उसके संग रहे और जो खरे मार्ग पर चलता है वही उसका सेवक बने।

भजन संहिता 101:7

दाऊद अपने घर के भीतर किसे रहने की अनुमति नहीं देंगे?

जो छल करता है वह उसके घर के भीतर न रहने पाएगा।

भजन संहिता 101:8

दाऊद कितनी बार कहते हैं कि वे देश के सब दुष्टों का सत्यानाश करेंगे?

प्रति भोर, वह सब दुष्टों का सत्यानाश करेंगे।

भजन संहिता 102:2

संकट के समय में संकट में पड़ा व्यक्ति यहोवा से क्या न करने की प्रार्थना करता है?

संकट में पड़ा व्यक्ति यहोवा से प्रार्थना करता है कि वे संकट के दिन अपना मुख उससे न छिपा ले।

भजन संहिता 102:4

संकट में पड़ा व्यक्ति अपने मन की तुलना किससे करता है?

संकट में पड़ा व्यक्ति कहता है कि वह झुलसी हुई घास के समान सूख गया है।

भजन संहिता 102:5

संकट में पड़े व्यक्ति के कराहने के कारण क्या हुआ है?

संकट में पड़े व्यक्ति की लगातार कराहने के कारण, उसकी चमड़ी हड्डियों में सट गई है।

भजन संहिता 102:8

जो लोग संकट में पड़े व्यक्ति का ठट्ठा करते हैं, वे उसके नाम का उपयोग कैसे करते हैं?

जो लोग संकट में पड़े व्यक्ति का ठट्ठा करते हैं, वह उसके नाम से श्राप देते हैं।

भजन संहिता 102:10

संकट में पड़ा व्यक्ति कैसे कहता है कि यहोवा के क्रोध ने उसके साथ व्यवहार किया है?

संकट में पड़ा व्यक्ति कहता है कि परमेश्वर ने उसे उठाया, और फिर फेंक दिया है।

भजन संहिता 102:12

यहोवा का स्मरण कब तक बना रहेगा?

लेखक कहता है कि यहोवा का स्मरण पीढ़ी से पीढ़ी तक बना रहेगा।

भजन संहिता 102:14

यहोवा के दास किसके प्रति तरस खाते हैं?

यहोवा के दास सिय्योन के खंडहरों की धूल पर तरस खाते हैं।

भजन संहिता 102:15

पृथ्वी के सब राजा यहोवा का भय कैसे मानेंगे?

पृथ्वी के सब राजा यहोवा के प्रताप से डरेंगे।

भजन संहिता 102:17

यहोवा लाचार की किस प्रार्थना का उत्तर देंगे?

यहोवा लाचार की प्रार्थना की ओर मुँह करता है।

भजन संहिता 102:18

लेखक कैसे दिखाता है कि यहोवा की स्तुति भविष्य में कितनी दूर तक जारी रहेगी?

वह लिखता है कि एक जाति जो उत्पन्न होगी, वह यहोवा की स्तुति करेंगे।

भजन संहिता 102:19

यहोवा ने स्वर्ग से क्या दृष्टि की?

यहोवा ने स्वर्ग से पृथ्वी की ओर देखा है।

भजन संहिता 102:22

देश-देश, और राज्य-राज्य के लोग किस उद्देश्य के लिए इकट्ठे होंगे?

देश-देश, और राज्य-राज्य के लोग यहोवा की उपासना करने को इकट्ठे होंगे।

भजन संहिता 102:24

संकट में पड़ा लेखक परमेश्वर से क्या न करने की विनती करता है?

लेखक ने कहा, "हे मेरे परमेश्वर, मुझे आधी आयु में न उठा ले।"

भजन संहिता 102:25

लेखक क्या कहता है कि यहोवा ने आदि में क्या किया था?

लेखक कहता है कि आदि में यहोवा ने पृथ्वी की नींव डाली।

भजन संहिता 102:27

यहोवा के वर्ष कितने समय तक रहेंगे?

यहोवा के वर्षों का अन्त न होगा।

भजन संहिता 102:28

लेखक कहाँ कहता है कि यहोवा के दासों की सन्तान कहाँ निवास करेगी?

यहोवा के दासों की सन्तान उसके सामने स्थिर रहेंगे।

भजन संहिता 103:2

दाऊद क्या नहीं भूलना चाहता?

वह यहोवा के किसी उपकार को नहीं भूलना चाहता।

भजन संहिता 103:4

दाऊद क्या कहता है कि यहोवा उसके प्राण को कैसा मुकुट बाँधता है?

वह उसके प्राण को करुणा और दया का मुकुट बाँधता है।

भजन संहिता 103:6

यहोवा उन सब पिसे हुओं के लिये क्या करता है?

यहोवा उन सब पिसे हुओं के लिये धर्म और न्याय के काम करता है।

भजन संहिता 103:7

यहोवा ने इस्राएलियों को क्या बताया?

उन्होंने इस्राएलियों पर अपने काम प्रगट किए।

भजन संहिता 103:9

दाऊद क्या कहता है कि यहोवा कभी क्या नहीं करेगा?

वह कहता है कि यहोवा सर्वदा वाद-विवाद करता न रहेगा, न उसका क्रोध सदा के लिये भड़का रहेगा।

भजन संहिता 103:10

दाऊद क्या कहता है कि यहोवा हमारे साथ किस प्रकार का व्यवहार नहीं करते?

यहोवा हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार नहीं करते।

भजन संहिता 103:13

यहोवा उन लोगों पर किस विशेष तरीके से दया करते हैं जो उनका आदर करते हैं?

यहोवा उन पर दया करते हैं जो उनका आदर करते हैं, उसी तरह जैसे एक पिता अपने बच्चों पर दया करता है।

भजन संहिता 103:17

यहोवा की करुणा कब तक बनी रहती है?

यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग बनी रहती है जो उसका सम्मान करते हैं।

भजन संहिता 103:19

यहोवा ने अपना सिंहासन कहाँ पर स्थापित किया है?

यहोवा ने तो अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थिर किया है।

भजन संहिता 103:20

वे कौन हैं जिनके पास वीरता है, जिन्हें यहोवा द्वारा आशीष देने के लिए बुलाया जाता है और जो उसके वचन को मानते हैं?

उनके दूतों को उनके वचन का पालन करने के लिए बुलाया जाता है।

भजन संहिता 103:22

दाऊद के अनुसार वे दास कौन हैं जो यहोवा की इच्छा पूरी करते हैं?

यहोवा की सारी सेनाएँ उनकी इच्छा पूरी करती हैं।

भजन संहिता 104:1

लेखक यहोवा के वस्त्रों का वर्णन कैसे करता है?

वह कहता है कि यहोवा वैभव और ऐश्वर्य का वस्त्र पहने हुए हैं।

भजन संहिता 104:2

यहोवा आकाश को किस प्रकार ताने रहता है?

वह आकाश को तम्बू के समान ताने रहता है।

भजन संहिता 104:5

लेखक क्या कहता है कि पृथ्वी की जो नींव यहोवा ने स्थिर की है, उसका कभी क्या नहीं होगा?

पृथ्वी की नींव कभी नहीं डगमगाएगी।

भजन संहिता 104:7

लेखक के अनुसार जल के भाग जाने का कारण क्या है?

यहोवा की घुड़की से जल भाग गया।

भजन संहिता 104:9

जल फिर से पृथ्वी को क्यों ढाँप नहीं सकता?

यहोवा ने उनके लिए एक सीमा ठहराई जिसको वह नहीं लाँघ सकते।

भजन संहिता 104:15

लेखक के अनुसार यहोवा मनुष्य को कौन सी तीन चीज़ें प्रदान करता है?

यहोवा दाखमधु जिससे मनुष्य का मन आनन्दित होता है, और तेल जिससे उसका मुख चमकता है, और अन्न जिससे वह सम्भल जाता है प्रदान करता है।

भजन संहिता 104:19

यहोवा ने चन्द्रमा और सूर्य को क्या चिन्हित करने के लिए नियुक्त किया?

उसने चन्द्रमा को नियत समयों के लिये नियुक्त किया और सूर्य को उसके अस्त होने का समय जानने के लिए बनाया।

भजन संहिता 104:22

जब सूर्य उदय होता है, तो जवान सिंहों का क्या होता है?

जब सूर्य उदय होता है, तो वे चले जाते हैं और अपनी माँदों में विश्राम करते हैं।

भजन संहिता 104:25

बड़ा और बहुत ही चौड़ा समुद्र किससे भरा होता है?

समुद्र में अनगिनत जलचर जीव-जन्तु, क्या छोटे, क्या बड़े भरे पड़े हैं।

भजन संहिता 104:27

सभी समुद्री जीव अपना भोजन प्राप्त करने के लिए किसकी ओर देखते हैं?

उन सब को परमेश्वर ही का आसरा है कि वह उन्हें उनका आहार समय पर दिया करे।

भजन संहिता 104:29

यदि यहोवा अपना मुख फेर ले या उनकी साँस ले ले तो प्राणियों का क्या होगा?

जब वह अपना मुख फेर लेता है, वे घबरा जाते हैं; यदि वह उनकी साँस ले लेता है, तो उनके प्राण छूट जाते हैं और मिट्टी में फिर मिल जाते हैं।

भजन संहिता 104:31

लेखक चाहता है कि यहोवा अपने कामों के साथ क्या करे?

लेखक चाहता है कि यहोवा अपने कामों से आनन्दित होवे।

भजन संहिता 104:33

लेखक जीवन भर कौन सा गीत गाने का वादा करता है?

वह वादा करता है कि जब तक वह बना रहेगा, अपने परमेश्वर का भजन गाता रहेगा।

भजन संहिता 104:35

लेखक को आशा है कि पृथ्वी पर पापी लोग और दुष्ट लोगों का क्या होगा?

वह चाहता है कि पापी लोग पृथ्वी पर से मिट जाएँ, और दुष्ट लोग आगे को न रहें!।

भजन संहिता 105:1

लेखक ने यहोवा के कामों का प्रचार करने के लिए कहाँ कहा है?

लेखक लोगों को यहोवा के कामों का प्रचार देश-देश के लोगों में करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

भजन संहिता 105:3

लेखक किसके हृदय को आनन्दित होने के लिए प्रोत्साहित करता है?

लेखक यहोवा के खोजियों को आनन्दित होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भजन संहिता 105:4

लोगों को यहोवा का दर्शन कितनी बार खोजना चाहिए?

लेखक को लगातार उसके दर्शन का खोजी बने रहना है।

भजन संहिता 105:8

लेखक कब तक कहता है कि परमेश्वर उस वचन को स्मरण रखता है जिसको उसने ठहराया है?

लेखक कहता है कि परमेश्वर उस वचन को सदा स्मरण रखता आया है जो उसने हजार पीढ़ियों के लिये ठहराया है।

भजन संहिता 105:9

लेखक के अनुसार परमेश्वर किस वाचा को स्मरण रखता है?

परमेश्वर वही वाचा जो उसने अब्राहम के साथ बाँधी, और उसके विषय में उसने इसहाक से शपथ खाई स्मरण रखता है।

भजन संहिता 105:11

यहोवा ने इस्राएल के साथ कौन सी अनन्त वाचा बाँधी है?

यहोवा ने इस्राएल के साथ एक अनन्त वाचा बाँधी ताकि उन्हें कनान देश निज भाग के रूप में दी जाए।

भजन संहिता 105:12

लेखक कब कहता है कि यहोवा ने इस्राएल के साथ वाचा बाँधी थी?

लेखक कहता है कि यहोवा ने यह वाचा तब बाँधी जब इस्राएल गिनती में थोड़े थे।

भजन संहिता 105:15

यहोवा ने राजाओं से किसे न छूने के लिए कहा था?

यहोवा ने उन्हें अपने अभिषिक्तों को न छूने के लिए कहा।

भजन संहिता 105:17

यहोवा ने यूसुफ को इस्राएल से आगे कैसे भेजा?

उसने यूसुफ को उनसे पहले भेजा कि वह दास होने के लिये बेचा जाए।

भजन संहिता 105:19

यूसुफ कसौटी पर कितने समय तक कसता रहा?

जब तक कि उसकी बात पूरी न हुई तब तक यहोवा का वचन यूसुफ को कसौटी पर कसता रहा।

भजन संहिता 105:21

भजनकार ने राजा द्वारा यूसुफ को अपने भवन का प्रधान बनाने का वर्णन करने के लिए किस वाक्यांश का उपयोग किया है?

यूसुफ को राजा के भवन का प्रधान बनाया गया था और राजा की पूरी सम्पत्ति का अधिकारी ठहराया गया था।

भजन संहिता 105:23

जब याकूब मिस्र आया तो वह कहाँ रहता था?

याकूब कुछ समय के लिए हाम के देश में रहा।

भजन संहिता 105:25

परमेश्वर ने किसको अपनी प्रजा इस्राएल से बैर कराया?

परमेश्वर ने इस्राएल के शत्रुओं को परमेश्वर की प्रजा से बैर करने के लिए के मन को फेर दिया।

भजन संहिता 105:27

मूसा और हारून ने परमेश्वर के चिन्ह कहाँ प्रदर्शित किए?

मूसा और हारून ने मिस्रियों के बीच परमेश्वर के चिन्ह दिखाए।

भजन संहिता 105:29

परमेश्वर ने मिस्रियों के जल और मछलियों के साथ क्या किया?

परमेश्वर ने मिस्रियों के जल को लहू कर डाला, और मछलियों को मार डाला।

भजन संहिता 105:32

परमेश्वर ने मिस्र में ओलों और बारिश के साथ क्या भेजा था?

परमेश्वर ने उनके लिये जलवृष्टि के बदले ओले, और उनके देश में धधकती आग बरसाई।

भजन संहिता 105:36

मिस्र में परमेश्वर ने किस समूह के लोगों को मारा?

परमेश्वर ने उनके देश के सब पहिलौठों को, उनके पौरूष के सब पहले फल को नाश किया।

भजन संहिता 105:38

जब इस्राएली चले गए तो मिस्री आनन्दित क्यों हुए?

जब इस्राएली चले गए, तो मिस्री आनन्दित हुए, क्योंकि उनका डर उनमें समा गया था।

भजन संहिता 105:40

परमेश्वर ने इस्राएलियों को किस प्रकार के भोजन से तृप्त किया?

परमेश्वर ने उन्हें स्वर्गीय भोजन से तृप्त किया।

भजन संहिता 105:42

परमेश्वर ने इस्राएलियों के सम्बन्ध में कौन-सा पवित्र वचन स्मरण किया?

परमेश्वर ने अपने दास अब्राहम से की गई अपने पवित्र वचन को स्मरण किया।

भजन संहिता 105:44

परमेश्वर ने अपने लोगों को किस चीज़ पर अधिकार करने की अनुमति दी?

उनकी प्रजा अन्य लोगों के श्रम के फल के अधिकारी किए गए।

भजन संहिता 106:1

लेखक के अनुसार क्या सदा की है?

यहोवा की करुणा सदा की है।

भजन संहिता 106:4

लेखक कैसे चाहता है कि परमेश्वर उसे स्मरण करें?

वह कहता है कि यहोवा अपनी प्रजा पर की प्रसन्नता के अनुसार उसे स्मरण करें।

भजन संहिता 106:5

लेखक को किस बात से आनन्दित होगा?

वह आनन्दित होगा जब वह यहोवा के चुने हुओं का कल्याण देखेगा।

भजन संहिता 106:7

लेखक के पुरखाओं ने यहोवा के आश्चर्यकर्मों पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

पुरखाओं ने मिस्र में यहोवा के आश्चर्यकर्मों पर मन नहीं लगाया।

भजन संहिता 106:8

यहोवा ने लेखक के पुरखाओं का उद्धार क्यों किया?

यहोवा ने उन्हें अपने नाम के निमित्त उनका उद्धार किया जिससे वह अपने पराक्रम को प्रगट करे।

भजन संहिता 106:11

इस्राएल के शत्रुओं का क्या परिणाम हुआ?

उनके शत्रु जल में डूब गए; उनमें से एक भी न बचा।

भजन संहिता 106:14

जब लोगों ने जंगल में अति लालसा की, तब उन्होंने क्या किया?

उन्होंने निर्जल स्थान में परमेश्वर की परीक्षा की।

भजन संहिता 106:17

भूमि ने दातान और अबीराम के झुण्ड के साथ क्या किया?

भूमि फटकर दातान को निगल गई, और अबीराम के झुण्ड को निगल लिया।

भजन संहिता 106:20

लोगों ने होरेब में किसकी महिमा की?

उन्होंने होरेब में एक घास खानेवाले बैल की प्रतिमा बनाई और उसकी महिमा की।

भजन संहिता 106:23

परमेश्वर ने इस्राएलियों को सत्यानाश करने की आज्ञा क्यों नहीं दी?

मूसा, उसका चुना हुआ, जोखिम के स्थान में लोगों के लिये खड़ा ताकि यहोवा की जलजलाहट को ठंडा करे।

भजन संहिता 106:26

परमेश्वर ने उनके विषय में क्या शपथ खाई?

परमेश्वर ने उनके विषय में शपथ खाई कि वह इनको जंगल में नाश करेगा, और इनके वंश को अन्यजातियों के सम्मुख गिरा देगा, और देश-देश में तितर-बितर करेगा।

भजन संहिता 106:29

जब उन्होंने यहोवा को क्रोध दिलाया, तो इस्राएल के साथ क्या हुआ?

मरी उनमें फूट पड़ी।

भजन संहिता 106:30

जब पीनहास ने उठकर न्यायदण्ड दिया, तो क्या हुआ?

जब पीनहास ने उठकर न्यायदण्ड दिया, जिससे मरी थम गई।

भजन संहिता 106:33

मूसा ने मरीबा के जल के पास पाप क्यों किया?

लोगों ने मूसा की आत्मा से बलवा किया, तब मूसा बिन सोचे बोल उठा।

भजन संहिता 106:36

जब लोग अन्यजातियों से मिल गए और उनकी मूर्तियों की पूजा करने लगे, तो उनका क्या हुआ?

उनकी मूर्तियाँ उनके लिये फंदा बन गई।

भजन संहिता 106:41

जब यहोवा इस्राएल से क्रोधित हुआ और उनको अन्यजातियों के वश में कर दिया, तो उनके साथ क्या हुआ?

जब यहोवा ने उनको अन्यजातियों के वश में कर दिया, तब उनके बैरियों ने उन पर प्रभुता की।

भजन संहिता 106:45

यहोवा ने इस्राएल के संकट पर अपनी अपार करुणा के अनुसार तरस क्यों खाया?

उन्होंने उनके हित अपनी वाचा को स्मरण करके अपनी अपार करुणा के अनुसार तरस खाया।

भजन संहिता 106:47

यहोवा को इस्राएल को अन्यजातियों में से किस कारण से इकट्ठा करना चाहिए?

उन्हें इकट्ठा करना चाहिए ताकि वे उसके पवित्र नाम का धन्यवाद कर सकें और उसकी स्तुति करते हुए उसके विषय में बड़ाई करें।

भजन संहिता 107:1

यहोवा की करुणा कितने समय तक की है?

उसकी करुणा सदा की है।

भजन संहिता 107:3

यहोवा ने अपने छुड़ाए हुओं को कहाँ से इकट्ठा किया है?

यहोवा ने उन्हें देश-देश से, पूरब-पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से इकट्ठा किया है।

भजन संहिता 107:6

यहोवा ने अपने छुड़ाए हुओं के लिये क्या किया, जब उन्होंने संकट में यहोवा की दुहाई दी?

उसने उनको सकेती से छुड़ाया।

भजन संहिता 107:8

लोगों को यहोवा का धन्यवाद किस कारण से करना चाहिए?

वे यहोवा की करुणा के कारण, और उन आश्चर्यकर्मों के कारण, जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें।

भजन संहिता 107:12

यहोवा ने लोगों को कैसे दबाया?

उसने उनको कष्ट के द्वारा दबाया।

भजन संहिता 107:16

यहोवा ने अपने लोगों के लिए किस प्रकार के फाटकों और बेंड़ों को टुकड़े-टुकड़े किया?

उसने पीतल के फाटकों को तोड़ा, और लोहे के बेंड़ों को टुकड़े-टुकड़े किया।

भजन संहिता 107:17

लोग दुःखित होते थे?

वे अपने अधर्म के कामों के कारण अति दुःखित होते थे।

भजन संहिता 107:22

लोगों को यहोवा को किस प्रकार के बलिदान चढ़ाना चाहिए?

उन्हें धन्यवाद-बलि चढ़ाना चाहिए।

भजन संहिता 107:24

जो लोग जहाजों में समुद्र पर चलते हैं और महासागर पर होकर व्यापार करते हैं, उन्होंने यहोवा के कामों को कैसे देखा?

उन्होंने यहोवा के कामों को, और उन आश्चर्यकर्मों को जो वह गहरे समुद्र में करता है, देखा।

भजन संहिता 107:26

जब तरंगें आकाश तक चढ़ जाते और फिर गहराई में उतर आते हैं, तो पुरुषों के साथ क्या हुआ?

क्लेश के मारे उन पुरुषों के जी में जी नहीं रहता।

भजन संहिता 107:28–29

जब पुरुषों ने संकट में यहोवा की दुहाई दी, तो उनके साथ क्या हुआ?

उसने उनको सकेती से निकाला और आँधी को थामा।

भजन संहिता 107:32

लोगों को यहोवा को कहाँ सराहें और उसकी स्तुति कहाँ करें?

उन्हें सभा में उसको सराहें और पुरनियों के बैठक में उसकी स्तुति करें।

भजन संहिता 107:34

यहोवा ने लोगों की दुष्टता के कारण एक फलवन्त भूमि का क्या किया?

उसने लोगों की दुष्टता के कारण एक फलवन्त भूमि को बंजर स्थान बना दिया।

भजन संहिता 107:37

लोगों ने अपने नगर में क्या उपजाए?

उन्होंने खेती करी और दाख की बारियाँ लगाए।

भजन संहिता 107:40

जब यहोवा ने हाकिमों को अपमान से लादा, तब उनका क्या हुआ?

वह उन्हें मार्ग रहित जंगल में भटकने दिया।

भजन संहिता 107:42

जब सीधे लोग यहोवा की सुरक्षा देखेंगे और आनन्दित होंगे, तब कुटिल लोग क्या करेंगे?

सब कुटिल लोग अपने मुँह बन्द करेंगे।

भजन संहिता 107:43

लेखक किसे इन बातों पर ध्यान देने के लिए आमंत्रित करता है?

लेखक जो कोई बुद्धिमान हो उससे आग्रह करता है कि वे इन बातों पर और यहोवा की करुणा के कामों पर ध्यान करें।

भजन संहिता 108:1

दाऊद क्या कहता है कि वह कैसे भजन गाएगा?

दाऊद कहता है कि वह अपने स्थिर हृदय से भजन गाएगा।

भजन संहिता 108:4

दाऊद यहोवा की करुणा को कितनी महान बताता है?

दाऊद बताता है कि यहोवा की करुणा आकाश से भी ऊँची है।

भजन संहिता 108:5

दाऊद परमेश्वर की महिमा को कहाँ ऊपर उठाने के लिए कहते हैं?

दाऊद कहता है कि परमेश्वर की महिमा सारी पृथ्वी के ऊपर हो।

भजन संहिता 108:8

परमेश्वर ने एप्रैम और यहूदा के विषय में क्या कहा है?

परमेश्वर ने कहा कि एप्रैम उसके सिर का टोप है और यहूदा उसका राजदण्ड है।

भजन संहिता 108:9

पलिश्त पर परमेश्वर कैसे चिल्लाएगा?

पलिश्त पर परमेश्वर जयजयकार करेंगे।

भजन संहिता 108:12

दाऊद किसकी सहायता को व्यर्थ कहता है?

दाऊद परमेश्वर से सहायता माँगता है क्योंकि मनुष्य की सहायता व्यर्थ है।

भजन संहिता 108:13

दाऊद परमेश्वर की सहायता से अपनी वीरता का वर्णन कैसे करता है?

दाऊद कहता है कि उसकी सेना परमेश्वर की सहायता से वीरता दिखाएगी, क्योंकि परमेश्वर दाऊद के शत्रुओं को रौंदेगा।

भजन संहिता 109:2

दाऊद के अनुसार उस पर हमला कौन करता है?

दाऊद कहता है कि दुष्ट और कपटी मनुष्य उस पर हमला करते हैं।

भजन संहिता 109:4

दुष्ट लोग दाऊद के प्रेम के बदले में क्या देते हैं?

दाऊद कहता है कि उसके प्रेम के बदले में वे उसकी चुगली करते हैं।

भजन संहिता 109:7

जब दाऊद के शत्रु का न्याय किया जाए तो वह क्या चाहता है?

दाऊद कहता है कि जब उसके शत्रु का न्याय किया जाए, तब वह दोषी निकले।

भजन संहिता 109:10

दाऊद अपने शत्रुओं के बच्चों के लिए क्या प्रार्थना करते हैं?

दाऊद अपने शत्रु के बच्चों के लिए प्रार्थना करता है कि वे मारे-मारे फिरें, और भीख माँगा करे।

भजन संहिता 109:11

दाऊद अपने शत्रु की कमाई के साथ क्या होने की प्रार्थना करते हैं?

दाऊद चाहता है कि परदेशी उसके शत्रु की कमाई को लूट लें।

भजन संहिता 109:21

दाऊद यहोवा से उसके साथ करुणा से बर्ताव करने के लिए क्यों कहता है?

दाऊद यहोवा प्रभु से अपने नाम के निमित्त करुणा से बर्ताव करने के लिए कहता है।

भजन संहिता 109:15

अपने शत्रु की स्मृति के लिए दाऊद ने यहोवा से क्या निवेदन करता है?

दाऊद यहोवा से निवेदन करता है कि वह उसके शत्रुओं का नाम पृथ्वी पर से मिटा दें।

भजन संहिता 109:16

दाऊद यहोवा से उनका नाम पृथ्वी पर से मिटने के लिए क्यों कहता है?

दाऊद कहता है कि यहोवा ऐसा करें क्योंकि वह दुष्ट, करुणा करना भूल गया।

भजन संहिता 109:17

चूँकि दाऊद का शत्रु आशीर्वाद देने से प्रसन्न न होता था, इसलिए वह क्या माँगता है?

दाऊद कहता है कि चूंकि उसके शत्रु आशीर्वाद देने से प्रसन्न न होता थे, इसलिए आशीर्वाद उससे दूर रहे।

भजन संहिता 109:20

दाऊद किससे कहता है कि उसके विरुद्ध बुरा कहनेवालों को यही बदला मिले?

दाऊद कहता है कि उसके विरुद्ध बुरा कहनेवालों को यहोवा से यही बदला मिले।

भजन संहिता 109:23

दाऊद अपने लुप्त होने की तुलना किससे करता है?

दाऊद कहता है कि वह ढलती हुई छाया के समान जाता रहा है।

भजन संहिता 109:25

जब दाऊद की नामधराई करने वाले उसे देखते हैं तो वे क्या करते हैं?

दाऊद कहता है कि जब वे उसे देखते हैं, तो उसकी नामधराई करने वाले अपने सिर हिलाते हैं।

भजन संहिता 109:26

दाऊद यहोवा से कैसे उद्धार करने की प्रार्थना करता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह अपनी करुणा के अनुसार उसका उद्धार करें।

भजन संहिता 109:28

दाऊद क्या चाहता है उसके कोसने वालों के उठते ही क्या हो?

दाऊद चाहता है उसके कोसने वालों के उठते ही वे लज्जित हों।

भजन संहिता 109:31

दाऊद क्या कहता है जब यहोवा दरिद्र की दाहिनी ओर खड़ा रहेगा तब क्या होगा?

यहोवा प्राणदण्ड देनेवालों से दरिद्र को बचाएगा।

भजन संहिता 110:1

यहोवा दाऊद के प्रभु से कहाँ बैठने के लिए कहते हैं, और कितने समय तक?

यहोवा उससे कहता है कि वह उसके दाहिने ओर बैठे जब तक कि वह उसके शत्रुओं को उसके चरणों की चौकी न कर दे।

भजन संहिता 110:3

जब लोग दाऊद के प्रभु का अनुसरण करेंगे, तो वे कैसे शोभायमान होंगे?

वे पवित्रता से शोभायमान होंगे।

भजन संहिता 110:4

यहोवा ने क्या शपथ खाई है और न पछताएगा?

उसने दाऊद के प्रभु से शपथ खाई है कि, "तू सर्वदा का याजक है।"

भजन संहिता 110:5

दाऊद के प्रभु अपने क्रोध के दिन राजाओं के साथ क्या करेंगे?

वह अपने क्रोध के दिन राजाओं को चूर कर देंगे।

भजन संहिता 110:7

दाऊद का प्रभु मार्ग के किनारे नदी से पीने के बाद क्या करेगा?

वह विजय के बाद अपने सिर को ऊँचा करेगा।

भजन संहिता 111:1

लेखक कहाँ कहते हैं कि वह सम्पूर्ण मन से यहोवा का धन्यवाद करेंगे?

वह सीधे लोगों की गोष्ठी में और मण्डली में यहोवा का धन्यवाद करेंगे।

भजन संहिता 111:3

यहोवा का धर्म कब तक बना रहेगा?

उसका धर्म सदा तक बना रहेगा।

भजन संहिता 111:5

यहोवा सदा तक क्या स्मरण रखेगा?

वह अपनी वाचा को सदा तक स्मरण रखेगा।

भजन संहिता 111:6

यहोवा ने अपनी प्रजा को अपने कामों का प्रताप कैसे दिखाया है?

उसने अपनी प्रजा को जाति-जाति का भाग देने के लिये, अपने कामों का प्रताप दिखाया है।

भजन संहिता 111:8

यहोवा के उपदेशों का पालन कैसे करना चाहिए?

उसके सभी उपदेशों का सच्चाई और सिधाई से पालन किया जाना चाहिए।

भजन संहिता 111:9

लेखक यहोवा के नाम का वर्णन किस प्रकार करता है?

लेखक कहता है, "उसका नाम पवित्र और भययोग्य है।"

भजन संहिता 111:10

बुद्धि का मूल क्या है?

बुद्धि का मूल यहोवा का भय है।

भजन संहिता 111:10 (#2)

जो यहोवा की आज्ञाओं को मानते हैं, उनके पास क्या होता है?

जो लोग उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, उनकी समझ अच्छी होती है।

भजन संहिता 112:2

जो मनुष्य यहोवा की आज्ञा मानता और उसकी आज्ञाओं से अति प्रसन्न रहता है, उसके वंश का क्या होता है?

उसका वंश पृथ्वी पर पराक्रमी होगा और आशीष पाएगा।

भजन संहिता 112:3

उस पुरुष के घर में क्या है जो यहोवा का भय मानता है?

उसके घर में धन-सम्पत्ति रहती है।

भजन संहिता 112:5

लेखक किसके लिए कहता है कि उसका कल्याण होता है?

जो व्यक्ति अनुग्रह करता और उधार देता है, और ईमानदारी के साथ अपने काम करता है, उसका कल्याण होता है।

भजन संहिता 112:7

धर्मी बुरे समाचार से डरने के बजाय क्या करता है?

वह डरता नहीं है उसका हृदय यहोवा पर भरोसा रखने से स्थिर रहता है।

भजन संहिता 112:9

उस धर्मी के साथ क्या होता है जो दरिद्रों को दान देता हैं?

उसका सींग आदर के साथ ऊँचा किया जाएगा।

भजन संहिता 112:10

उस दुष्ट व्यक्ति का क्या होता है जो धर्मी व्यक्ति का आशीर्वाद देखकर क्रोधित होता है?

दुष्ट इसे देखकर कुढ़ेगा; वह दाँत पीस-पीसकर गल जाएगा।

भजन संहिता 113:2

यहोवा का नाम कब धन्य कहा जाएगा?

उसका नाम अब से लेकर सर्वदा तक धन्य कहा जाएगा।

भजन संहिता 113:4

यहोवा की महिमा कहाँ तक विस्तारित होती है?

उसकी महिमा आकाश से भी ऊँची है।

भजन संहिता 113:5-6

यहोवा कहाँ विराजमान है?

वह तो ऊँचे पर विराजमान है, और आकाश और पृथ्वी पर, दृष्टि करने के लिये झुकता है।

भजन संहिता 113:8

यहोवा कंगाल और दरिद्र को उठाकर कहाँ पर बैठाता है?

यहोवा उन्हें प्रधानों के संग, अर्थात् अपनी प्रजा के प्रधानों के संग बैठाता है।

भजन संहिता 113:9

यहोवा बाँझ स्त्री को क्या देता है?

वह बाँझ स्त्री को घर में बाल-बच्चों की आनन्द करनेवाली माता बनाता है।

भजन संहिता 114:2

जब इस्राएल ने मिस्र छोड़ दिया, तो यहूदा और इस्राएल क्या बन गए?

यहूदा यहोवा का पवित्रस्थान बन गया, और इस्राएल उसके राज्य के लोग हो गए।

भजन संहिता 114:4

जब इस्राएली देश में आए, तो पहाड़ और पहाड़ियों ने क्या किया?

पहाड़ मेढ़ों के समान उछलने लगे, और पहाड़ियाँ भेड़-बकरियों के बच्चों के समान उछलने लगीं।

भजन संहिता 114:7

लेखक क्यों कहते हैं कि पृथ्वी को थरथराना चाहिए?

पृथ्वी को प्रभु के सामने, याकूब के परमेश्वर के सामने थरथराना चाहिए।

भजन संहिता 114:8

लेखक क्या कहता है कि यहोवा चट्टान और चकमक के पत्थर को क्या बना डालता है?

उसने चट्टान को जल का ताल, और चकमक के पत्थर को जल का सोता बना डालता है।

भजन संहिता 115:1

दाऊद किस कारण से प्रार्थना करता है कि यहोवा अपने नाम का सम्मान करें?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह अपने ही नाम की महिमा, अपनी करुणा और सच्चाई के निमित्त करें।

भजन संहिता 115:4

दाऊद का क्या कहना है कि जाति-जाति के लोगों की मूरतें क्या हैं?

वह कहता है कि उनकी मूरतें सोने चाँदी ही की तो हैं, जो मनुष्यों के हाथ की बनाई हुई हैं।

भजन संहिता 115:5–6

मूरतें क्या करने में सक्षम नहीं होती हैं?

वे बोलने, देखने, सुनने और सूँघने में सक्षम नहीं होती हैं।

भजन संहिता 115:9–11

हर किसी को यहोवा पर भरोसा क्यों करना चाहिए?

उन्हें यहोवा पर भरोसा करना चाहिए क्योंकि वही उनका सहायक और ढाल है।

भजन संहिता 115:13

यहोवा से आशीष पाने के लिए किसी व्यक्ति की आयु कितनी होनी चाहिए?

क्या छोटे क्या बड़े जितने यहोवा के डरवैये हैं, वह उन्हें आशीष देगा।

भजन संहिता 115:16

स्वर्ग और पृथ्वी किसके अधीन हैं?

स्वर्ग यहोवा का है; लेकिन पृथ्वी उसने मनुष्यों को दी है।

भजन संहिता 115:18

दाऊद कब तक कहता है कि लोग यहोवा को धन्य कहते रहेंगे?

वह कहता है कि वे यहोवा को अब से लेकर सर्वदा तक धन्य कहते रहेंगे।

भजन संहिता 116:1

लेखक यहोवा से प्रेम करने का क्या कारण बताता है?

वह यहोवा से प्रेम करता है क्योंकि यहोवा ने उसके गिड़गिड़ाने को सुना है।

भजन संहिता 116:3

जब लेखक मृत्यु की रस्सियों से घिरा हुआ था और अधोलोक की सकेती में पड़ा था तो उसने क्या महसूस किया?

उसे संकट और शोक भोगना पड़ा।

भजन संहिता 116:6

यहोवा किनकी रक्षा करता है?

यहोवा भोलों की रक्षा करता है।

भजन संहिता 116:8

लेखक का प्राण किससे बचाया गया है?

यहोवा ने उसके प्राण को मृत्यु से बचाया है।

भजन संहिता 116:9

लेखक कहाँ कहता है कि वह यहोवा के साथ चलता रहेगा?

वह जीवित रहते हुए, अपने को यहोवा के सामने जानकर नित चलता रहेगा।

भजन संहिता 116:14

लेखक कहाँ कहता है कि वह यहोवा के प्रति अपनी मन्नतें पूरी करेगा?

वह सभी की दृष्टि में प्रगट रूप में अपनी मन्नतें पूरी करेगा।

भजन संहिता 116:15

यहोवा की दृष्टि में क्या अनमोल है?

यहोवा के भक्तों की मृत्यु, उसकी दृष्टि में अनमोल है।

भजन संहिता 116:17

लेखक क्या कहता है कि वह अपने बन्धनों के खोले जाने के लिए यहोवा को क्या चढ़ाएगा?

वह कहता है कि वह उन्हें धन्यवाद-बलि चढ़ाएगा।

भजन संहिता 116:19

लेखक किसके सामने यहोवा के प्रति अपनी मन्नतें पूरी करेगा?

वह यहोवा की सारी प्रजा के सामने अपनी मन्नतें पूरी करेगा।

भजन संहिता 117:1

यह लेखक यहोवा की स्तुति करने के लिए किन्हें बुलाता है?

वह जाति-जाति के सब लोगों से यहोवा की स्तुति करने के लिए बुलाता है।

भजन संहिता 117:2

उसके लोगों के प्रति क्या प्रबल हुआ है?

यहोवा की करुणा उसके लोगों के प्रति प्रबल हुई है।

भजन संहिता 117:2 (#2)

यहोवा की सच्चाई कब तक बनी रहती है?

यहोवा की सच्चाई सदा तक बनी रहती है।

भजन संहिता 118:2

वे कौन से दो कारण हैं जिनके बारे में लेखक कहता है कि लोगों को यहोवा का धन्यवाद करना चाहिए?

उन्हें यहोवा का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि वह भला है और उसकी करुणा सदा की है।

भजन संहिता 118:5

जब लेखक ने यहोवा को पुकारा, तो यहोवा ने किस प्रकार उत्तर दिया?

यहोवा ने लेखक की सुनकर, उसे चौड़े स्थान में पहुँचाया।

भजन संहिता 118:8

लेखक क्या कहता है कि यहोवा की शरण लेना किस बात से उत्तम है?

यहोवा की शरण लेना, मनुष्य पर भरोसा रखने से उत्तम है।

भजन संहिता 118:12

लेखक क्या कहता है कि जब सभी जातियों ने उसे घेर लिया तो वे कैसे थे?

उसने कहा कि सभी जातियाँ ने उसे मधुमक्खियों के समान घेर लिया था।

भजन संहिता 118:15

धर्मियों के तम्बुओं में किस प्रकार की ध्वनि सुनाई देती है?

धर्मियों के तम्बुओं में जयजयकार और उद्धार की ध्वनि सुनाई देती है।

भजन संहिता 118:18

जब यहोवा ने लेखक की ताड़ना की तो उसने क्या नहीं किया?

यहोवा ने उसे मृत्यु के वश में नहीं किया।

भजन संहिता 118:19

जब यहोवा उसके लिए धर्म के द्वार खोल देगा तो लेखक क्या करेगा?

लेखक धर्म के द्वार में प्रवेश करेगा और यहोवा का धन्यवाद करेगा।

भजन संहिता 118:22

उस पत्थर का क्या हुआ जिसे राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था?

जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने निकम्मा ठहराया था, वही कोने का सिरा हो गया है।

भजन संहिता 118:24

जिस दिन यहोवा कार्य करेंगे, उस दिन लोग क्या करेंगे?

वे उसमें मगन होंगे और आनन्दित होंगे।

भजन संहिता 118:27

लेखक क्या कहता है कि लोगों को यज्ञपशु के साथ क्या करना चाहिए?

उन्हें यज्ञपशु को वेदी के सींगों से रस्सियों से बाँधना चाहिए।

भजन संहिता 118:28

लेखक क्या कहता है कि वह क्या करेगा क्योंकि यहोवा उसका परमेश्वर है?

वह यहोवा का धन्यवाद करेगा और उसको सराहेगा।

भजन संहिता 119:2

लेखक कैसे कहता है कि लोगों को यहोवा के पास आना चाहिए?

उन्हें अपने पूर्ण मन से उसके पास आना चाहिए।

भजन संहिता 119:6

लेखक क्या कहता है यदि वह यहोवा की विधियों को मानेगा तो क्या होगा?

वह कहता है कि जब वह यहोवा की सब आज्ञाओं की ओर चित्त लगाता है, तो वह लज्जित नहीं होगा।

भजन संहिता 119:7

लेखक यहोवा को कैसे धन्यवाद करता है?

वह सीधे मन से धन्यवाद करता है।

भजन संहिता 119:9

लेखक कैसे कहता है कि एक जवान अपनी चाल कैसे शुद्ध रख सकता है?

एक जवान यहोवा के वचन का पालन करके अपनी चाल शुद्ध रख सकता है।

भजन संहिता 119:11

लेखक ने यहोवा का वचन अपने हृदय में क्यों रख छोड़ा है?

उसने यहोवा का वचन अपने हृदय में रख छोड़ा है ताकि वह यहोवा के विरुद्ध पाप न करें।

भजन संहिता 119:14

लेखक को सब प्रकार के धन से अधिक किस बात से हर्षित होता है?

वह सब प्रकार के धन से अधिक यहोवा की चितौनियों के मार्ग से हर्षित होता है।

भजन संहिता 119:15

लेखक यहोवा के उपदेशों का क्या करेगा?

वह यहोवा के उपदेशों पर ध्यान करेगा।

भजन संहिता 119:18

लेखक यहोवा की व्यवस्था में अद्‌भुत बातें कैसे देखेगा?

जब यहोवा उसकी आँखें खोलेगा, तब वह यहोवा की व्यवस्था में अद्‌भुत बातें देखेगा।

भजन संहिता 119:20

जब लेखक यहोवा के धर्मी नियमों को जानने के लिए अभिलाषा रखता है, तो उसके मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उसका मन यहोवा के धर्मी नियमों की अभिलाषा के कारण हर समय खेदित रहता है।

भजन संहिता 119:21

लेखक के अनुसार कौन श्रापित है और यहोवा की आज्ञाओं से भटक गया है?

अभिमानी श्रापित हैं और यहोवा की आज्ञाओं से भटके हुए हैं।

भजन संहिता 119:23

हाकिमों द्वारा विरुद्ध में बाते किये जाने के बावजूद लेखक क्या करता है?

वह यहोवा की विधियों पर ध्यान करता है।

भजन संहिता 119:25

लेखक किस के अनुसार यहोवा से उसे जीवन देने के लिए कहता है?

वह यहोवा से अपने वचन के अनुसार उसे जिलाने के लिए कहता है।

भजन संहिता 119:27

लेखक यहोवा के उपदेशों के मार्गों को क्यों समझना चाहता है?

वह यहोवा के उपदेशों के मार्गों को समझना चाहता है ताकि वह यहोवा के आश्चर्यकर्मों पर ध्यान कर सकें।

भजन संहिता 119:29

लेखक यहोवा से लेखक को किस मार्ग से दूर करने के लिए कहता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसे झूठ के मार्ग से दूर करें।

भजन संहिता 119:36

लेखक यहोवा से लेखक के मन को कहाँ फेरने के लिए कहता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसके मन को यहोवा की चितौनियों ही की ओर फेर दे, लोभ की ओर नहीं।

भजन संहिता 119:37

लेखक ने यहोवा से लेखक की आँखें किस ओर फेरने के लिए कहा है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसकी आँखों को व्यर्थ वस्तुओं की ओर से फेर दे।

भजन संहिता 119:43

लेखक यहोवा से क्या प्रार्थना करता है कि वह उसे क्या कहने से न रोकें?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह उसे अपने सत्य वचन कहने से न रोके।

भजन संहिता 119:45

लेखक यह क्यों कहता है कि वह चौड़े स्थान में चला फिरा करेगा?

वह चौड़े स्थान में चला फिरा करेगा क्योंकि वह यहोवा के उपदेशों की सुधि रखता है।

भजन संहिता 119:47

लेखक क्या कहता है कि वह किससे प्रीति रखता है?

वह यहोवा की आज्ञाओं से प्रीति रखता है।

भजन संहिता 119:49

लेखक यहोवा से क्या स्मरण करने को कहता है?

वह यहोवा से अपने दास को दिए वादे को स्मरण करने के लिए कहता है।

भजन संहिता 119:51

यद्यपि अहंकारियों ने उसे अत्यन्त ठट्ठे में उड़ाया है, लेखक ने क्या नहीं किया है?

लेखक यहोवा की व्यवस्था से नहीं हटा।

भजन संहिता 119:54

लेखक का कहना है कि यहोवा की विधियाँ किस प्रकार के घर में गीत गाने का विषय बनी हैं?

जहाँ लेखक परदेशी होकर रहता था, वहाँ यहोवा की विधियाँ, उसके गीत गाने का विषय बनी हैं।

भजन संहिता 119:58

लेखक ने कैसे यहोवा के दया की याचना की?

उसने पूरे मन से यहोवा के दया की याचना की।

भजन संहिता 119:61

लेखक क्या नहीं भूला जब वह दुष्टों की रस्सियों से बन्ध गया था?

वह व्यवस्था को नहीं भूला।

भजन संहिता 119:63

लेखक किस तरह के लोगों का संगी है?

वह उन सभी का संगी हैं जो यहोवा का भय मानते, और उसके उपदेशों पर चलते हैं।

भजन संहिता 119:66

लेखक यहोवा से उसे भली विवेक-शक्ति और समझ सिखाने के लिए क्यों कहता है?

वे यहोवा से भली विवेक-शक्ति और समझ सिखाने के लिए कहता है क्योंकि उसने यहोवा की आज्ञाओं का विश्वास किया है।

भजन संहिता 119:69

जब अभिमानियों ने लेखक के विरुद्ध झूठ बात गढ़ी तो उसने क्या किया?

उसने यहोवा के उपदेशों को पूरे मन से पकड़े रखा।

भजन संहिता 119:71

लेखक यह क्यों कहता है कि जो दुःख हुआ वह उसके लिये भला ही हुआ है?

वह उसके लिये भला ही हुआ जिससे वह यहोवा की विधियों को सीख सकें।

भजन संहिता 119:72

लेखक का कहना है कि यहोवा की दी हुई व्यवस्था उसके लिए किससे अधिक उत्तम है?

यहोवा की दी हुई व्यवस्था उसके लिए हजारों रुपयों और मुहरों से भी उत्तम है।

भजन संहिता 119:74

लेखक ऐसा क्यों कहता है कि यहोवा के डरवैये लेखक को देखकर आनन्दित होंगे?

वे आनन्दित होंगे जब वे लेखक को देखेंगे क्योंकि उसने यहोवा के वचन पर आशा लगाई है।

भजन संहिता 119:75

लेखक कैसे कहता है कि यहोवा ने उसे दुःख दिया है?

यहोवा ने अपने सच्चाई के अनुसार लेखक को दुःख दिया है।

भजन संहिता 119:80

लेखक प्रार्थना करता है कि उसका मन यहोवा के मानने में सिद्ध हो, ऐसा न हो कि उसे क्या न होना पड़े?

वह चाहता है कि उसका मन यहोवा की विधियों के मानने में सिद्ध हो ताकि उसे लज्जित होना न पड़े।

भजन संहिता 119:82

लेखक की आँखें क्यों धुंधली पड़ गईं है?

उसकी आँखे यहोवा के वादे के पूरे होने की बाट जोहते-जोहते धुंधली पड़ गईं है।

भजन संहिता 119:85

अहंकारी यहोवा की व्यवस्था के अनुसार कैसे नहीं चलते?

अहंकारी यहोवा की व्यवस्था के अनुसार न चलते हुए लेखक के लिये गड्ढे खोदे हैं।

भजन संहिता 119:88

लेखक प्रार्थना करता है कि यहोवा उसे जिलाए ताकि लेखक क्या कर सके?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसे जिलाए ताकि वह यहोवा द्वारा दिए गए चितौनी को मान सके।

भजन संहिता 119:90

यहोवा की सच्चाई कितने समय तक बनी रहती है?

यहोवा की सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है।

भजन संहिता 119:93

लेखक यहोवा के उपदेशों को कभी क्यों नहीं भूलेगा?

वह यहोवा के उपदेशों को कभी नहीं भूलेगा, क्योंकि उन्हीं के द्वारा यहोवा ने उसे जिलाया है।

भजन संहिता 119:96

ऐसी कौन सी चीज़ है जो सीमा से परे है?

यहोवा की आज्ञा का विस्तार बड़ा और सीमा से परे है।

भजन संहिता 119:99

लेखक यह क्यों कहता है कि उसके पास अपने सभी शिक्षकों से अधिक समझ है?

उसके पास अपने सभी शिक्षकों से अधिक समझ है, क्योंकि उसका ध्यान यहोवा की चितौनियों पर लगा है।

भजन संहिता 119:103

लेखक कहता है कि यहोवा के वचन किससे अधिक मीठे लगते हैं?

यहोवा के वचन लेखक के मुँह में मधु से भी मीठे हैं!

भजन संहिता 119:106

लेखक ने कौन सी एक बात की शपथ खाई है और उसको ठान भी लिया है?

उसने शपथ खाई है और ठान लिया है कि वह यहोवा के नियमों के अनुसार चलेगा।

भजन संहिता 119:111

लेखक ने किस चीज़ को हमेशा के लिए अपना निज भाग कर लिया है और अपने हृदय के हर्ष का कारण है?

वह दावा करता है कि यहोवा की चितौनियाँ उसके लिए निज भाग है, क्योंकि वे उसके हृदय के हर्ष का कारण है।

भजन संहिता 119:114

चूँकि यहोवा उसकी आड़ और ढाल है, लेखक किसकी आशा कर रहा है?

लेखक यहोवा के वचन की आशा कर रहा है।

भजन संहिता 119:118

यहोवा उन सब को क्यों तुच्छ जानता है जो उसकी विधियों के मार्ग से भटक जाते हैं?

वह उन सभी को तुच्छ जानता है जो उसकी विधियों के मार्ग से भटक जाते हैं, क्योंकि उनकी चतुराई झूठ है।

भजन संहिता 119:120

किस चीज़ के भय से लेखक का शरीर काँप उठता है?

उसका शरीर यहोवा के भय से काँप उठता है।

भजन संहिता 119:123

जब लेखक की आँखें धुँधली पड़ जाती हैं तो वह किसकी बाट जोहता है?

वह यहोवा के उद्धार और उसके धर्ममय वचन के पूरे होने की बाट जोहता है।

भजन संहिता 119:125

लेखक यहोवा से समझ क्यों माँगता है?

वह समझ के लिए प्रार्थना करता है ताकि वह यहोवा की चितौनियों को समझ सके।

भजन संहिता 119:128

लेखक किस चीज़ से बैर रखता है?

वह सब मिथ्या मार्गों से बैर रखता है।

भजन संहिता 119:130

यहोवा की बातों के खुलने से क्या होता है?

यहोवा की बातों के खुलने से प्रकाश होता है, उससे निर्बुद्धि लोग समझ प्राप्त करते हैं।

भजन संहिता 119:132

यहोवा सदैव उन लोगों के लिए क्या करता है जो उसके नाम से प्रीती रखते हैं?

यहोवा हमेशा उनकी ओर फिरता है और उन पर दया करता है।

भजन संहिता 119:134

लेखक यहोवा से उसे मनुष्यों के अत्याचार से छुड़ाने के लिए क्यों कहता है?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसे छुड़ा ले ताकि वह यहोवा के उपदेशों को मान सके।

भजन संहिता 119:136

लेखक की आँखों से आँसुओं की धारा क्यों बहती है?

लेखक की आँखों से आँसुओं की धारा बहती रहती है क्योंकि लोग यहोवा की व्यवस्था को नहीं मानते।

भजन संहिता 119:138

यहोवा ने किस रीति से अपनी चितौनियों को कहा है?

यहोवा ने अपनी चितौनियों को धर्म और पूरी सत्यता से कहा है।

भजन संहिता 119:141

छोटा और तुच्छ होते हुए भी लेखक क्या नहीं करता?

वह यहोवा के उपदेशों को नहीं भूलता।

भजन संहिता 119:143

लेखक के लिए यहोवा की क्या आज्ञाएँ हैं, भले ही उसे संकट और सकेती का सामना करना पड़ा हो?

हालांकि संकट और सकेती ने उसे घेर लिया है, लेखक यहोवा की आज्ञाओं से सुखी है।

भजन संहिता 119:146

यदि यहोवा उसका उद्धार करे तो लेखक क्या करेगा?

वह यहोवा की चितौनियों को माना करेगा।

भजन संहिता 119:152

लेखक ने बहुत काल से यहोवा की चितौनियों से क्या सीखा?

उसने जान लिया कि यहोवा ने अपनी चितौनियों की नींव सदा के लिये डाली है।

भजन संहिता 119:153

लेखक क्यों कहता है कि यहोवा को उसके दुःख को देखकर उसे छुड़ाना चाहिए?

यहोवा को उसको छुड़ाना चाहिए क्योंकि लेखक यहोवा की व्यवस्था को भूल नहीं गया।

भजन संहिता 119:155

दुष्टों को उद्धार मिलना कठिन क्यों है?

दुष्टों को उद्धार मिलना कठिन है, क्योंकि वे यहोवा की विधियों की सुधि नहीं रखते।

भजन संहिता 119:158

लेखक विश्वासघातियों को घृणा की दृष्टि से क्यों देखता है?

वह विश्वासघातियों को घृणा की दृष्टि से देखता है क्योंकि वे यहोवा के वचन को नहीं मानते।

भजन संहिता 119:160

यहोवा का वचन कितने समय तक है?

यहोवा का सारा वचन सदाकाल तक अटल है।

भजन संहिता 119:161

जब हाकिम व्यर्थ उसके पीछे पड़े हैं तो लेखक को क्या भय है?

वह यहोवा के वचन की अवहेलना करने से डरता है।

भजन संहिता 119:164

लेखक कितनी बार यहोवा के धर्ममय नियमों के कारण उसकी स्तुति करता है?

वह प्रतिदिन सात बार यहोवा की स्तुति करता है।

भजन संहिता 119:168

लेखक यहोवा के उपदेशों और चितौनियों को क्यों मानता आया है?

वह यहोवा के उपदेशों और चितौनियों को मानता आया है क्योंकि लेखक का सारा चाल चलन यहोवा के सम्मुख प्रगट है।

भजन संहिता 119:170

यहोवा ने अपने वचन के अनुसार क्या करने का वादा किया था?

यहोवा ने अपने वचन में लेखक को छुड़ाने का वादा किया था जब उसका गिड़गिड़ाना यहोवा तक पहुँचा।

भजन संहिता 119:172

लेखक यहोवा से यह क्यों कहता है कि वह यहोवा के वचन का गीत गाएगा?

लेखक इसलिए यहोवा के वचन का गीत गाएगा क्योंकि यहोवा की सब आज्ञाएँ धर्ममय हैं।

भजन संहिता 119:176

जब लेखक खोई हुई भेड़ की तरह भटक गया हो तो लेखक यहोवा से क्या करने को कहता है?

वह यहोवा से अपने दास को ढूँढ़ने के लिए कहता है, क्योंकि वह यहोवा की आज्ञाओं को नहीं भूला है।

भजन संहिता 120:1

जब लेखक ने संकट के समय पुकारा, तो यहोवा ने क्या किया?

लेखक कहता है कि यहोवा ने उसकी सुन ली।

भजन संहिता 120:2

लेखक यहोवा से अपने लिए क्या करने की प्रार्थना कर रहा है?

लेखक यहोवा से प्रार्थना कर रहा है कि वह उसको झूठ बोलनेवाले मुँह से और छली जीभ से बचाएँ।

भजन संहिता 120:4

लेखक लोगों को क्या बता रहा है कि यहोवा छली जीभ के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उन पर वीर के नोकीले तीर और झाऊ के अंगारों से वार करेंगे।

भजन संहिता 120:5

लेखक कहाँ कहता है कि वह परदेशी होकर रहा है और पहले कहाँ रहता था?

लेखक कहते है कि वह मेशेक में परदेशी होकर रहे और पहले केदार के तम्बुओं में रहते थे।

भजन संहिता 120:6–7

लेखक मेल के बारे में क्या कहता है?

लेखक कहता है कि वह बहुत समय से उन लोगों के साथ बसा हुआ है जो मेल के बैरी हैं और वह मेल चाहता है।

भजन संहिता 121:1

लेखक अपनी आँखें किसकी ओर उठाएगा?

लेखक कहता है कि वह अपनी आँखें पर्वतों की ओर उठाएगा।

भजन संहिता 121:2

लेखक कहता है कि उसे सहायता किससे मिलती है?

लेखक कहता है कि उसे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है।

भजन संहिता 121:3

यहोवा लेखक की किस प्रकार से सहायता करेंगे?

यहोवा लेखक के पाँव को टलने न देंगे और उसकी रक्षा करेंगे।

भजन संहिता 121:4

लेखक क्या कहता है कि इस्राएल के रक्षक वह कभी नहीं करते?

इस्राएल के रक्षक कभी नहीं ऊँघते या सोते हैं।

भजन संहिता 121:4 (#2)

इस्राएल के रक्षक और आड़ कौन हैं?

यहोवा इस्राएल के रक्षक हैं और उनके दाहिने ओर आड़ हैं।

भजन संहिता 121:6

इस्राएल को क्या हानि नहीं पहुंचाएंगे?

दिन को धूप उन्हें हानि नहीं पहुंचाएगी और न ही रात में चाँदनी।

भजन संहिता 121:7–8

कौन इस्राएल को सारी विपत्ति से बचाएंगे, उनके प्राण की रक्षा करेंगे और उनके हर काम में उनकी रक्षा करेंगे?

यहोवा उन्हें सारी विपत्ति से बचाएंगे, उनके प्राण की रक्षा करेंगे और उनके हर काम में उनकी रक्षा करेंगे।

भजन संहिता 122:1

दाऊद को आनन्दित करने के लिए उससे क्या कहा गया?

दाऊद से कहा गया, “आओ, हम यहोवा के भवन को चलें।”

भजन संहिता 122:2

लोग कहाँ खड़े हुए हैं?

लोग यरूशलेम के फाटकों के भीतर खड़े हुए हैं।

भजन संहिता 122:3

यरूशलेम को कैसे बनाया गया था?

यरूशलेम नगर को इस तरह से बनाया गया था कि उसके घर एक दूसरे से मिले हुए थे।

भजन संहिता 122:4

गोत्र-गोत्र यरूशलेम क्यों जाते थे?

गोत्र-गोत्र यरूशलेम जाते हैं ताकि वे यहोवा के नाम का धन्यवाद कर सकें।

भजन संहिता 122:5

यरूशलेम में अगुवे सिंहासन पर क्यों बैठते हैं?

दाऊद के घराने के न्याय करने के लिये अगुवे सिंहासन पर बैठते हैं।

भजन संहिता 122:6

उन लोगों का क्या होगा जो यरूशलेम से प्रेम करते हैं?

जो लोग यरूशलेम से प्रेम करते हैं, वे कुशल से रहेंगे।

भजन संहिता 122:7

दाऊद यरूशलेम की शहरपनाह और महलों के भीतर क्या चाहता है?

वह चाहता है कि शहरपनाह के भीतर शान्ति हो और महलों के भीतर कुशल हो।

भजन संहिता 122:8

दाऊद किसके निमित्त कहेगा, "तुझ में शान्ति होवे।"?

दाऊद अपने भाइयों और संगियों के निमित्त यह कहता है।

भजन संहिता 122:9

दाऊद ने यरूशलेम की भलाई के लिए प्रार्थना करने की बात क्यों कही?

वह यहोवा के भवन के निमित्त यरूशलेम की भलाई के लिए प्रार्थना करेगा।

भजन संहिता 123:1

लेखक अपनी आँखें किनकी ओर उठाता है?

लेखक अपनी आँखें उनकी ओर उठाता हैं जो स्वर्ग में विराजमान हैं।

भजन संहिता 123:2

लोगों की आँखें कितने समय तक अपने परमेश्वर यहोवा की ओर लगी रहेंगी?

वे यहोवा की ओर तब तक देखते रहते हैं जब तक वह उन पर दया नहीं करते।

भजन संहिता 123:3–4

लोग यहोवा से दया करने की विनती क्यों करते हैं?

लोग अपमान से भरे हुए हैं, उनका जीव सुखी लोगों के उपहास से, और अहंकारियों के अपमान से बहुत ही भर गया है।

भजन संहिता 124:1–3

यदि यहोवा इस्राएल की ओर नहीं होते जब मनुष्य उन पर चढ़ाई कर रहे थे, तो क्या होता?

यदि यहोवा इस्राएल की ओर नहीं होते जब मनुष्य उन पर चढ़ाई कर रहे थे, तो वे उन्हें जीवित निगल जाते।

भजन संहिता 124:4–5

जल, धारा और उमड़ते जल ने इस्राएल के साथ क्या किया होता?

जल में वे डूब जाते और धारा में बह जाते और उमड़ते जल में में वे बह जाते।

भजन संहिता 124:6

जब यहोवा ने लोगों को उनके शत्रुओं के दाँतों तले जाने न दिया, तो उन्होंने क्या किया?

लोगों ने यहोवा को धन्य कहा।

भजन संहिता 124:7

इस्राएलियों का बच निकलना कैसा था?

उनका बच निकलना एक पक्षी के समान चिड़ीमार के जाल से छूट जाने जैसा है।

भजन संहिता 124:8

दाऊद के अनुसार इस्राएलियों की सहायता कहाँ से आती है?

उनकी सहायता यहोवा से आती है जो आकाश और पृथ्वी के कर्ता हैं।

भजन संहिता 125:1

यहोवा पर भरोसा रखने वाले कैसे होते हैं?

वे सिय्योन पर्वत के समान हैं, जो टलता नहीं, वरन् सदा बना रहता है।

भजन संहिता 125:2

लेखक यहोवा द्वारा अपनी प्रजा को घेरने के तरीके की तुलना किससे करता है?

लेखक यहोवा द्वारा अपनी प्रजा को घेरने के तरीके की तुलना यरूशलेम को घेरे हुए पहाड़ों से करता है, जो अब से लेकर सर्वदा तक बना रहेगा।

भजन संहिता 125:3

धर्मियों के भाग में किसका शासन नहीं होना चाहिए?

धर्मियों के भाग में दुष्टों का राजदण्ड शासन नहीं करना चाहिए।

भजन संहिता 125:4

लेखक किसके लिये प्रार्थना करता है कि यहोवा उनका भला करें?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उन लोगों का भला करें जो सीधे मनवाले हैं।

भजन संहिता 125:5

जो लोग अपने टेढ़े मार्गों पर चले जाते हैं उनका क्या होगा?

यहोवा उनको अनर्थकारियों के संग निकाल देंगे।

भजन संहिता 125:5 (#2)

लेखक इस्राएल के लिए क्या चाहता है?

लेखक चाहता है कि इस्राएल को शान्ति मिले।

भजन संहिता 126:1

जब यहोवा सिय्योन में लौटनेवालों को लौटा ले आए तो कैसा लगा?

ऐसा लगा जैसे वे स्वप्न देखनेवाले से हो गए थे।

भजन संहिता 126:2–3

जब यहोवा सिय्योन में लौटनेवालों को लौटा ले आए, तो लोगों के मुँह में क्या भर गया?

उनके मुँह आनन्द से हँसने और जयजयकार से भर गए।

भजन संहिता 126:4

लेखक यहोवा से क्या प्रार्थना करता है?

लेखक यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उनके बन्दियों को लौटा ले आए।

भजन संहिता 126:5

जो लोग आँसू बहाते हुए बोते हैं उनका क्या होगा?

वे जयजयकार करते हुए लवने पाएँगे।

भजन संहिता 126:6

उस व्यक्ति का क्या होगा जो रोता हुआ बीज लेकर बोने के लिए निकलेगा?

वे फिर पूलियाँ लिए जयजयकार करता हुआ निश्चय लौट आएगा।

भजन संहिता 127:1

यदि यहोवा घर को न बनाए और नगर की रक्षा न करें तो क्या होगा?

यदि घर को यहोवा न बनाए, तो उसके बनानेवालों का परिश्रम व्यर्थ होगा और यदि नगर की रक्षा यहोवा न करें, तो रखवाले का जागना व्यर्थ ही होगा।

भजन संहिता 127:2

यहोवा अपने प्रियों को क्या प्रदान करते हैं?

यहोवा अपने प्रियों को नींद प्रदान करते हैं।

भजन संहिता 127:3

यहोवा की ओर से भाग और प्रतिफल क्या हैं?

बच्चे यहोवा के दिए हुए भाग हैं, गर्भ का फल उनकी ओर से प्रतिफल है।

भजन संहिता 127:4

किसी की जवानी के बच्चे कैसे होते हैं?

बच्चे वीर के हाथ में तीर के समान होते हैं।

भजन संहिता 127:5

वह धन्य पुरुष, जिसका तरकश बच्चों से भरा हुआ है, कब संकोच न करेगा?

जब वह फाटक के पास अपने शत्रुओं से बातें करेगा तब वह संकोच न करेगा।

भजन संहिता 128:1

जो लोग यहोवा का भय मानते हैं और उनके मार्गों पर चलते हैं, उनका क्या होता है?

जो कोई यहोवा का भय मानते हैं और उनके मार्गों पर चलता हैं, वह हर एक धन्य है।

भजन संहिता 128:2

लेखक के अनुसार उस व्यक्ति का क्या होगा जो अपनी कमाई से प्राप्त की गई चीज़ों का आनन्द लेता है?

वह व्यक्ति धन्य होगा और उसका भला होगा।

भजन संहिता 128:3

लेखक के अनुसार धन्य पुरुष की पत्नी कैसी होगी?

वह एक फलवन्त दाखलता के समान होगी।

भजन संहिता 128:3 (#2)

लेखक कहता है कि धन्य व्यक्ति के बच्चे किस प्रकार के होंगे?

उसके बच्चे जैतून के पौधों के समान होंगे।

भजन संहिता 128:4

जो व्यक्ति यहोवा का भास मानता है, उसका क्या होगा?

जो व्यक्ति यहोवा का भय मानता है, उसे आशीष मिलेगी।

भजन संहिता 128:5–6

लेखक यहोवा से उस व्यक्ति के लिए क्या करने को कहता है जिसे सिय्योन से आशीष मिली है?

लेखक प्रार्थना करता है कि सिय्योन से वह व्यक्ति जीवन भर यरूशलेम का कुशल देख सके और वह अपने नाती-पोतों को भी देखने पाए।

भजन संहिता 129:1–2

इस्राएल पर कब से बार बार क्लेश हो रहे हैं और वह उस पर प्रबल नहीं हुआ?

इस्राएल पर उसके बचपन से ही बार बार क्लेश हो रहे हैं और वह उस पर प्रबल नहीं हुआ है।

भजन संहिता 129:3

इस्राएल की पीठ के ऊपर हलवाहों ने क्या किया?

हलवाहों ने इस्राएल की पीठ के ऊपर हल चलाया और लम्बी-लम्बी रेखाएँ कर दी।

भजन संहिता 129:4

धर्मी यहोवा ने इस्राएल के लिए क्या किया है?

यहोवा ने दुष्टों के फंदों को काट डाला है।

भजन संहिता 129:5

लेखक सिय्योन से बैर रखने वालों के साथ क्या करना चाहता है?

वह चाहता है कि वे सब लज्जित हों और पराजित होकर पीछे हट जाए।

भजन संहिता 129:8

लेखक नहीं चाहता कि जो लोग वहाँ से आने-जानेवाले हों वे क्या कहें?

वह नहीं चाहते कि वे कहें, "यहोवा की आशीष तुम पर होवे! हम तुम को यहोवा के नाम से आशीर्वाद देते हैं।"

भजन संहिता 130:1–2

लेखक यहोवा से क्या कहने के लिए पुकारता है?

लेखक ने प्रभु से प्रार्थना की कि वह उसके गिड़गिड़ाने को सुनें और उसकी विनतियों पर ध्यान दें।

भजन संहिता 130:3–4

लेखक क्यों कहता है कि यहोवा का भय माना जाए?

यहोवा का भय माना जाना चाहिए क्योंकि वह क्षमा करनेवाले हैं।

भजन संहिता 130:5–6

लेखक किसकी बाट जोह रहा और आशा करता है?

वह यहोवा की बाट जोह रहा है और उनके वचन पर आशा रखें हुए है।

भजन संहिता 130:7–8

लेखक इस्राएल से यहोवा पर आशा लगाए रखने के लिए क्यों कहता है?

यहोवा करुणा करनेवाले हैं, पूरा छुटकारा देनेवाले हैं, और वह इस्राएल को उसके सारे अधर्म के कामों से छुटकारा देंगे।

भजन संहिता 131:1

दाऊद अपने मन और दृष्टि का वर्णन कैसे किया है?

उसका मन गर्व से नहीं भरा है और उसकी दृष्टि घमण्ड से नहीं भरी है।

भजन संहिता 131:2

दाऊद का मन कैसा है?

उसका मन एक दूध छुड़ाए हुए बच्चे के समान शान्त और चुप है।

भजन संहिता 131:3

दाऊद ने इस्राएल से यहोवा में आशा लगाए रखने के लिए कब कहा?

वह उनसे कहता है कि अब से लेकर सदा सर्वदा यहोवा पर आशा लगाए रहें।

भजन संहिता 132:1–2

लेखक ने यहोवा से क्या स्मरण रखने को कहा?

उसने यहोवा से दाऊद की सारी दुर्दशा को स्मरण करने को कहा, कि उसने यहोवा से कैसे शपथ खाई, और याकूब के सर्वशक्तिमान से कैसे मन्नत मानी।

भजन संहिता 132:5

दाऊद ने प्रतिज्ञा की कि जब तक वह क्या न कर ले, तब तक वह न तो घर में प्रवेश करेगा और न ही सोएगा?

उसने कहा कि वह तब तक नहीं सोएगा जब तक कि उसे यहोवा के लिये स्थान, याकूब के सर्वशक्तिमान परमेश्वर के लिये एक निवास-स्थान न मिल जाए।

भजन संहिता 132:7

लोग कहाँ जाएंगे और वहाँ पहुँचने पर क्या करेंगे?

वे परमेश्वर के निवास में प्रवेश करेंगे और उनके चरणों की चौकी के आगे दण्डवत् करेंगे।

भजन संहिता 132:9

याजकों को कैसे वस्त्र पहनाए जा सकते हैं और कौन जयजयकार कर सकता है?

याजक धर्म के वस्त्र पहने रहें और परमेश्वर के भक्त लोग जयजयकार करें।

भजन संहिता 132:10

भक्त लोगों को किसकी अनसुनी नहीं करनी चाहिए?

उन्हें अपने अभिषिक्त राजा की अनसुनी नहीं करनी चाहिए।

भजन संहिता 132:11

यहोवा ने दाऊद से कौन-सी शपथ खाई?

यहोवा ने दाऊद के प्रति विश्वासयोग्य रहने की शपथ खाई।

भजन संहिता 132:13–14

लेखक कहाँ विश्राम करना और युग-युग के लिये निवास चाहता है?

वह यहोवा के चुने हुए सिय्योन में विश्राम करना और निवास करना चाहता है।

भजन संहिता 132:15–16

यहोवा सिय्योन के लिए क्या करेंगे?

वह उसे अति आशीष देंगे, उसके दरिद्रों को रोटी से तृप्त करेंगे, और उसके याजकों को उद्धार का वस्त्र पहनाएंगे।

भजन संहिता 132:18

यहोवा किसे लज्जा का वस्त्र पहनाएँगे?

वह अपने शत्रुओं को लज्जा का वस्त्र पहनाएँगे।

भजन संहिता 133:1

दाऊद भाइयों के बारे में क्या कहता है?

उनका कहना है कि उनके लिए मिले रहना भली और मनोहर बात है।

भजन संहिता 133:2–3

दाऊद के अनुसार भाइयों की मेल कैसा होता है?

यह उस उत्तम तेल के समान है, जो हारून के सिर पर डाला गया था, और उसकी दाढ़ी से बहकर, उसके वस्त्र की छोर तक पहुँच गया। वह हेर्मोन की उस ओस के समान है, जो सिय्योन के पहाड़ों पर गिरती है।

भजन संहिता 133:3

यहोवा ने सदा के जीवन की आशीष कहाँ ठहराई है?

उन्होंने सिय्योन के पहाड़ों पर सदा के जीवन की आशीष ठहराई है।

भजन संहिता 134:1–2

यहोवा के सब सेवकों को क्या करना चाहिए?

उन्हें आना चाहिए, यहोवा को धन्य कहना चाहिए, और अपने हाथों को पवित्रस्थान की ओर उठाना चाहिए।

भजन संहिता 134:3

यहोवा, जो आकाश और पृथ्वी के कर्ता हैं, अपने सेवकों को कहाँ से आशीष देंगे?

वह उन्हें सिय्योन से आशीष देंगे।

भजन संहिता 135:1–2

यहोवा की स्तुति कौन करेगा?

यहोवा के सेवक, जो यहोवा के भवन में खड़े रहते हैं और जो आँगनों में रहते हैं, उन्हें यहोवा की स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 135:3

यहोवा के सेवक उनकी स्तुति क्यों करें और उनके लिए भजन गाएं?

उन्हें यहोवा की स्तुति करनी चाहिए क्योंकि वह भले हैं, और उन्हें भजन गाना चाहिए क्योंकि ऐसा करना मनोहर है।

भजन संहिता 135:5–6

लेखक यहोवा के बारे में क्या जानता है?

वह जानता है कि यहोवा महान हैं, वह सब देवताओं से ऊँचे हैं, और जो कुछ भी यहोवा चाहते हैं, वह आकाश, पृथ्वी और समुद्रों में करते हैं।

भजन संहिता 135:7

यहोवा कौन-से कार्य करते हैं जो उनकी महानता को दर्शाते हैं?

यहोवा कुहरे को लाते हैं, वर्षा के साथ बिजली चमकाते हैं, और अपने भण्डार से पवन निकालते हैं।

भजन संहिता 135:8–9

यहोवा ने मिस्रियों के साथ क्या किया था?

उन्होंने मिस्र के पहलौठे पुरुषों और पशुओं को मार डाला और फ़िरौन तथा उसके सब कर्मचारियों के विरुद्ध चिन्ह और चमत्कार किए।

भजन संहिता 135:12

यहोवा ने उन देशों के साथ क्या किया जिन पर इस्राएलियों ने आक्रमण किया था?

उन्होंने उनके देश को अपनी प्रजा इस्राएल का भाग होने के लिये दे दिया।

भजन संहिता 135:15–17

अन्यजातियों की मूरतें कैसी दिखती हैं?

वे चाँदी और सोने से बनी होती हैं, उनके मुँह, आँखें और कान होते हैं, लेकिन वे न बोलती हैं, न देखती हैं, न सुनती हैं और न ही साँस लेती हैं।

भजन संहिता 135:18

अन्यजातियों की मूरतें बनानेवाले कौन हैं?

जो लोग उनके जैसे हैं और उन पर भरोसा रखनेवाले हैं, वही उनके बनानेवाले है।

भजन संहिता 135:19–20

यहोवा को धन्य कौन कहेगा?

इस्राएल के घराने, हारून, लेवी, और वे जो यहोवा के डरवैये हैं, उन्हें धन्य कहेंगे।

भजन संहिता 136:1

लोगों को यहोवा का धन्यवाद क्यों करना चाहिए?

उन्हें उनका धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि वह भले हैं, और उनकी करुणा सदा के लिए बनी रहती है।

भजन संहिता 136:4

यहोवा ऐसा क्या करते हैं जो कोई और नहीं करता है?

यहोवा को छोड़कर कोई बड़े-बड़े आश्चर्यकर्म नहीं करता है।

भजन संहिता 136:10

यहोवा ने मिस्रियों के पहिलौठों के साथ क्या किया?

उन्होंने मिस्रियों के पहिलौठों को मार डाला।

भजन संहिता 136:14

जब यहोवा ने लाल समुद्र को विभाजित किया, तब उन्होंने इस्राएल के लिए क्या किया?

उन्होंने इस्राएलियों को लाल समुद्र के बीच से पार करवाया।

भजन संहिता 136:16

यहोवा अपनी प्रजा के प्रति कैसे विश्वासयोग्य थे?

उन्होंने अपनी प्रजा का जंगल में मार्गदर्शन किया।

भजन संहिता 136:21–22

यहोवा ने महान राजाओं के देश के साथ क्या किया?

उन्होंने उनके देशों को अपने दास इस्राएल का भाग होने के लिये दे दिया।

भजन संहिता 136:26

लेखक स्वर्ग के परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए क्यों कहता है?

लोगों को उनकी करुणा के कारण उनका धन्यवाद करना चाहिए।

भजन संहिता 137:1

बन्दी कहाँ थे जब वे बैठकर रो रहे थे?

वे बाबेल की नदियों के किनारे थे।

भजन संहिता 137:3

बन्दी बनानेवालों ने बन्दियों से कौन सा गीत गाने के लिए कहा?

उनके बन्दी बनानेवालों ने उनसे आनन्द करने और सिय्योन के गीत गाने के लिए कहा।

भजन संहिता 137:5–6

यदि लेखक यरूशलेम को भूल जाए और यहोवा को स्मरण न करे तो वह क्या चाहता है की उसके साथ हो?

वह चाहता है कि उसका दाहिना हाथ सूख जाए और उसकी जीभ उसके तालू से चिपट जाए।

भजन संहिता 137:7

लेखक यहोवा से एदोमियों के विरुद्ध में क्या स्मरण रखने के लिए अनुरोध करना चाहता था?

वह चाहता था कि यहोवा स्मरण रखें कि जिस दिन यरूशलेम गिरा, उस दिन एदोमियों ने कहा, "ढाओ! उसको नींव से ढा दो"।

भजन संहिता 137:8–9

लेखक किसे धन्य कहना चाहता है?

वह चाहता है कि जो व्यक्ति बाबेल को नष्ट करे वो ही धन्य होगा।

भजन संहिता 138:2

यहोवा ने सबसे अधिक महत्त्व किसे दिया है?

उन्होंने अपने वचन और अपने बड़े नाम को सबसे अधिक महत्त्व दिया है।

भजन संहिता 138:3

जब दाऊद ने यहोवा को पुकारा, तो यहोवा ने उसके लिए क्या किया?

यहोवा ने उसकी सुन ली और उसको बल देकर हियाव बन्धाया।

भजन संहिता 138:4

पृथ्वी के राजा क्या करेंगे?

वे यहोवा के वचनों के लिए धन्यवाद करेंगे।

भजन संहिता 138:6

यहोवा किसकी ओर दृष्टि करते हैं?

वह नम्र मनुष्य की ओर दृष्टि करते हैं।

भजन संहिता 138:8

दाऊद ने यहोवा से किसको न त्यागने के लिए कहा?

वह यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह अपने हाथों के कार्यों को त्याग न दें।

भजन संहिता 139:2

यहोवा दूर से ही क्या समझ लेते हैं?

यहोवा दाऊद के विचारों को दूर से ही समझ लेते हैं।

भजन संहिता 139:6

दाऊद इस ज्ञान पर कैसी प्रतिक्रिया करता है कि यहोवा पूरी तरह से दाऊद को घेरे हुए हैं?

वह ज्ञान दाऊद के लिये बहुत कठिन है, वह बहुत गम्भीर है, और वह उसकी समझ से बाहर है।

भजन संहिता 139:8

यहोवा की उपस्थिति से बचने के लिए दाऊद कहाँ नहीं जा सकता, क्योंकि यहोवा वहाँ है?

वह स्वर्ग पर नहीं चढ़ सकता, और न अधोलोक में अपना खाट बिछा सकता है, क्योंकि यहोवा वहाँ है।

भजन संहिता 139:12

यहोवा के लिये अंधियारा और उजियाला कैसे भिन्न हैं?

यहोवा के लिये अंधियारा और उजियाला दोनों एक समान हैं।

भजन संहिता 139:13

यहोवा ने दाऊद को कहाँ रचा?

यहोवा ने उसे उसकी माता के गर्भ में रचा।

भजन संहिता 139:16

यहोवा ने दाऊद के जीवन के दिनों को कब लिखा?

यहोवा ने दाऊद के जीवन के सब दिनों को यहोवा की पुस्तक में पहले दिन घटित होने से पहले ही लिख लिया था।

भजन संहिता 139:17

दाऊद परमेश्वर के विचारों का वर्णन कैसे करता है?

वे बहुमूल्य हैं और उनकी संख्या का जोड़ बड़ा है।

भजन संहिता 139:19

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर दुष्ट और हत्यारे लोगों के साथ क्या करे?

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर दुष्टों को घात करें और हत्यारों को उससे दूर कर दें।

भजन संहिता 139:24

दाऊद चाहता है कि परमेश्वर उसकी किस मार्ग पर अगुआई करें?

दाऊद परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वह उसकी अनन्त के मार्ग में अगुआई करें।

भजन संहिता 140:1

दाऊद को यहोवा द्वारा किससे रक्षा की ज़रूरत है?

दाऊद को यहोवा की ज़रूरत है जो उसे बुरे मनुष्य से बचाए और उपद्रवी पुरुष से उसकी रक्षा करें।

भजन संहिता 140:2–3

दाऊद दुष्टों के बारे में क्या कहता है?

वह कहता है कि उनका बोलना साँप के काटने के समान है और उनके मुँह में नाग का सा विष रहता है।

भजन संहिता 140:4

उपद्रवी पुरुष दाऊद के साथ क्या करने की युक्ति कर रहे हैं?

वे उसके पैरों को उखाड़ने की युक्ति कर रहे हैं।

भजन संहिता 140:5

घमण्डियों ने दाऊद के लिये क्या लगाया है?

उन्होंने उसके लिये फंदा और पासे लगाए, और पथ के किनारे जाल बिछाया है।

भजन संहिता 140:6

दाऊद यहोवा से क्या सुनने के लिए कहता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसके गिड़गिड़ाने की ओर कान लगाएं।

भजन संहिता 140:7–8

यहोवा युद्ध के दिन दाऊद के लिए क्या करते हैं?

यहोवा युद्ध के दिन दाऊद के सिर की रक्षा करते हैं।

भजन संहिता 140:9

दाऊद अपने घेरनेवालों पर क्या उत्पात चाहता है?

दाऊद चाहता है कि घेरनेवालों के सिर पर उन्हीं का विचारा हुआ उत्पात पड़े।

भजन संहिता 140:11

दाऊद उन लोगों के साथ क्या करना चाहता है जो दूसरों के बारे में बुरी बातें कहते हैं?

दाऊद चाहता है कि जो कोई दूसरों के बारे में बुरी बातें कहता है, वह धरती पर स्थिर न रहे।

भजन संहिता 140:12

यहोवा दीन जन और दरिद्रों के लिए क्या करेंगे?

यहोवा दीन जन की रक्षा करेंगे और दरिद्रों का न्याय चुकाएगे।

भजन संहिता 140:13

धर्मी निश्चित रूप से क्या करेंगे?

धर्मी निश्चित रूप से यहोवा के नाम का धन्यवाद करने पाएँगे।

भजन संहिता 140:13 (#2)

सीधे लोगों का क्या होगा?

वे यहोवा के सम्मुख वास करेंगे।

भजन संहिता 141:1

दाऊद यहोवा को किस लिए पुकार रहा है?

वह यहोवा से फुर्ती करने और जब वह उनको पुकारे, तब उसकी ओर कान लगाने के लिए उनको पुकार रहा है।

भजन संहिता 141:2

दाऊद यहोवा के लिए अपनी प्रार्थना और हाथ फैलाने को किस प्रकार का बनाना चाहता है?

दाऊद चाहता है कि उसकी प्रार्थना यहोवा के सामने सुगन्ध धूप के समान हो और उसके हाथ फैलाना संध्याकाल के अन्नबलि के समान हो।

भजन संहिता 141:4

दाऊद अपने मन से क्या नहीं चाहता?

वह चाहता है कि उसका मन किसी भी बुरी बात की इच्छा न करे, अनर्थकारी पुरुषों के संग दुष्ट कामों में न लगे, और दुष्ट लोगों के किसी भी स्वादिष्ट भोजनवस्तुओं में से कुछ न खाए।

भजन संहिता 141:5

दाऊद कहता है कि अगर कोई धर्मी उसे मारे तो कैसा होगा?

वह कहता है कि अगर कोई धर्मी उसे मारे तो यह उसके लिए करुणा होगी।

भजन संहिता 141:5 (#2)

दाऊद के अनुसार यदि कोई धर्मी उसे ताड़ना दे तो क्या होगा?

वह कहता है कि यह उसके सिर पर का तेल ठहरेगा।

भजन संहिता 141:5 (#3)

दाऊद हमेशा किसके विरुद्ध निरन्तर प्रार्थना करता है?

वह निरन्तर दुष्ट लोगों के बुरे कामों के विरुद्ध प्रार्थना करता है।

भजन संहिता 141:6

दुष्ट लोगों के न्यायी लोगों का क्या होगा?

उनके न्यायी लोगों को चट्टानों के ऊपर से गिरा दिया जाएगा, और वे सुनेंगे कि दाऊद के वचन कितने मधुर हैं।

भजन संहिता 141:7

यह कौन कहेगा" जैसे भूमि में हल चलने से ढेले फूटते हैं, वैसे ही हमारी हड्डियाँ अधोलोक के मुँह पर छितराई गई हैं।"

दुष्ट लोगों यह कहेंगे, "जैसे भूमि में हल चलने से ढेले फूटते हैं, वैसे ही हमारी हड्डियाँ अधोलोक के मुँह पर छितराई गई हैं।"

भजन संहिता 141:8

दाऊद की आँखें किस पर है?

दाऊद की आँखें यहोवा प्रभु की ओर लगी हुई हैं।

भजन संहिता 141:8–9

दाऊद यहोवा से किस बात से रक्षा चाहता है?

दाऊद चाहता है कि यहोवा उसे उन फंदों से जो उसके लिये बिछाए गए हैं और अनर्थकारियों के जाल से उसकी रक्षा करें।

भजन संहिता 141:10

दाऊद दुष्टों के साथ क्या घटित होना चाहता है?

दाऊद चाहता है कि दुष्ट लोग अपने ही जाल में फँस जाएँ जबकि वह बचकर निकल जाए।

भजन संहिता 142:2

दाऊद यहोवा से क्या खोलकर कहता है?

दाऊद यहोवा को अपनी शोक की बातें खोलकर कहता है।

भजन संहिता 142:3

जब दाऊद की आत्मा व्याकुल होती है, तो यहोवा क्या जानते हैं?

यहोवा दाऊद की दशा को जानते हैं जब उसकी आत्मा व्याकुल होती है।

भजन संहिता 142:4

जब दाऊद दाहिनी ओर देखता है तो उसे क्या दिखाई देता है?

दाऊद देखता है कि वहाँ कोई भी नहीं है जो उसकी परवाह करता हो, और उसके लिए कोई शरण का रास्ता नहीं है।

भजन संहिता 142:5

दाऊद के अनुसार यहोवा उसके लिए कौन थे?

यहोवा दाऊद का शरणस्थान और जीते जी उसका भाग थे।

भजन संहिता 142:6

दाऊद को अपने सताने वालों से छुटकारा पाने के लिए यहोवा की आवश्यकता क्यों है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह उसे उसके सताने वालों से बचाए, क्योंकि वे दाऊद से अधिक सामर्थी हैं।

भजन संहिता 142:7

धर्मी लोग दाऊद के चारों ओर क्यों इकट्ठा होंगे?

धर्मी लोग दाऊद के चारों ओर इकट्ठा होंगे क्योंकि यहोवा ने उस पर उपकार किया है।

भजन संहिता 143:2

दाऊद क्यों नहीं चाहता कि यहोवा उसके विरुद्ध न्याय करे?

दाऊद नहीं चाहता कि यहोवा उसके विरुद्ध न्याय करे, क्योंकि यहोवा की दृष्टि में कोई भी निर्दोष नहीं है।

भजन संहिता 143:3

शत्रु ने दाऊद के साथ क्या किया है?

शत्रु उसके प्राण का गाहक हुआ है, उसने उसे चूर करके मिट्टी में मिलाया है और उसे अंधेरे स्थान में डाल दिया है।

भजन संहिता 143:4

शत्रु दाऊद की आत्मा और उसके मन में क्या करता है?

शत्रु दाऊद की आत्मा को व्याकुल कर देता है और उसके मन को विकल कर देता है।

भजन संहिता 143:6

दाऊद यहोवा के लिए अपनी आत्मा की लालसा का वर्णन कैसे करता है?

सूखी भूमि में दाऊद की आत्मा यहोवा के लिए प्यासी है।

भजन संहिता 143:7

दाऊद उन लोगों के समान क्यों बन गया जो कब्र में पड़े हुए हैं?

यदि यहोवा फुर्ती करके उत्तर न दें या दाऊद से अपना मुँह छिपा लें, तो दाऊद उन लोगों के समान हो जाएगा जो कब्र में पड़े हुए हैं।

भजन संहिता 143:8

दाऊद प्रातःकाल क्या सुनना चाहता है क्योंकि वह यहोवा पर भरोसा करता है?

दाऊद यहोवा की करुणा की बात के बारे में सुनना चाहता है।

भजन संहिता 143:8 (#2)

दाऊद यहोवा से क्या चाहता है क्योंकि वह अपने मन को यहोवा की ओर लगाता है?

दाऊद चाहता है कि यहोवा उसे वह मार्ग दिखाए जिस पर उसे चलना चाहिए।

भजन संहिता 143:10

दाऊद किसे चाहता है कि वह उसको धर्म के मार्ग में ले चले?

दाऊद चाहता है कि यहोवा की भली आत्मा उसे धर्म के मार्ग में ले चले।

भजन संहिता 143:12

दाऊद यहोवा से अपने शत्रुओं के साथ क्या चाहता है?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि वह दाऊद के शत्रुओं का सत्यानाश करें और उसके सब सतानेवालों का नाश कर डाले।

भजन संहिता 144:1

यहोवा दाऊद के हाथों को युद्ध के लिए और उसकी उँगलियों को क्यों अभ्यास कराते हैं?

यहोवा दाऊद के हाथों को युद्ध के लिए और उसकी उँगलियों को लड़ाई के लिए अभ्यास कराते हैं।

भजन संहिता 144:3

यहोवा किसकी सुधि लेते हैं और किसकी चिन्ता करते हैं जिससे दाऊद को आश्चर्य होता है?

दाऊद को आश्चर्य हुआ कि यहोवा ने मनुष्य और आदमी पर ध्यान दिया।

भजन संहिता 144:5

यदि यहोवा पहाड़ों को छूते तो पहाड़ क्या करते?

यदि यहोवा पहाड़ों को छूते, तो उनमें से धुआँ उठने लगता।

भजन संहिता 144:7

यहोवा दाऊद को परदेशियों के वश से कैसे छुड़ाते हैं?

यहोवा ऊपर से अपना हाथ बढ़ाकर दाऊद को महासागर से और परदेशियों के वश से छुड़ाते हैं।

भजन संहिता 144:9

दाऊद किस वाद्य पर परमेश्वर के लिए नया गीत गाएगा?

दाऊद दस तारवाली सारंगी पर परमेश्वर के लिए एक नया गीत गाएगा।

भजन संहिता 144:11

परदेशियों के मुँह से क्या निकलता है?

उनके मुँह से झूठी बातें निकलती हैं और उनका दाहिना हाथ झूठ का दाहिना हाथ है।

भजन संहिता 144:12

दाऊद इस्राएल के पुत्रों को कैसा बनाना चाहता है?

वह चाहता है कि वे पौधों की तरह बनें जो अपनी जवानी में पूर्ण आकार तक बढ़ जाते हैं।

भजन संहिता 144:12 (#2)

दाऊद इस्राएल की बेटियों को कैसा देखना चाहता है?

वह चाहता है कि वे नक्काशीदार कोनेवाले खम्भों जैसी हों, जो महल के लिये बनाए गए हों।

भजन संहिता 144:15

दाऊद के अनुसार कौन लोग प्रसन्न रहते हैं?

वह कहता है कि वे लोग खुश हैं जिनका परमेश्वर यहोवा हैं।

भजन संहिता 145:1

दाऊद किसकी सराहेगा और धन्य कहेगा?

दाऊद अपने परमेश्वर और राजा को सराहेगा, और सदा सर्वदा उनके नाम को धन्य कहेगा।

भजन संहिता 145:2

दाऊद कितनी बार परमेश्वर को धन्य कहता है?

दाऊद प्रतिदिन परमेश्वर को धन्य कहता है।

भजन संहिता 145:4

एक पीढ़ी अगली पीढ़ी के लिए क्या प्रशंसा और वर्णन करेगी?

एक पीढ़ी अगली पीढ़ी के लिए परमेश्वर के कार्यों की प्रसंशा और उनके पराक्रम के कामो का वर्णन करेगी।

भजन संहिता 145:5

दाऊद किस पर ध्यान करेगा?

वह यहोवा की ऐश्वर्य की महिमा के प्रताप पर और उनके भाँति-भाँति के आश्चर्यकर्मों पर ध्यान करेगा।

भजन संहिता 145:7

एक पीढ़ी अगली पीढ़ी के लिए क्या वर्णन करेगी और जयजयकार करेगी?

वे यहोवा की बड़ी भलाई को समरण करेंगे और उनके धर्म का जयजयकार करेंगे।

भजन संहिता 145:10

यहोवा को धन्यवाद और धन्य कौन कहेगा?

यहोवा ने जो कुछ बनाया है, वह उनका धन्यवाद करेंगे और उनके भक्त लोग उन्हें धन्य कहेंगे।

भजन संहिता 145:11

यहोवा के राज्य की महिमा की चर्चा कौन करेगा और यहोवा के पराक्रम की बातें कौन करेगा?

यहोवा के भक्त लोग उनके राज्य की महिमा की चर्चा करेंगे और उनके पराक्रम की बातें करेंगे।

भजन संहिता 145:13

यहोवा का राज्य कब तक रहेगा?

यहोवा का राज्य एक युग-युग का राज्य है और उनकी प्रभुता सब पीढ़ियों तक बनी रहेगी।

भजन संहिता 145:14

यहोवा किसको सम्भालते हैं और किसे सीधा खड़ा करते हैं?

यहोवा सब गिरते हुओं को सम्भालते हैं, और सब झुके हुओं को सीधा खड़ा करते हैं।

भजन संहिता 145:15

कौन यहोवा की ओर आँखें लगाए रहता है और किसे समय पर आहार मिलता है?

सभी की आँखें यहोवा की ओर लगी रहती हैं और उनको समय पर आहार प्राप्त होता है।

भजन संहिता 145:16

यहोवा सब प्राणियों को आहार से कैसे तृप्त करते हैं?

यहोवा अपनी मुट्ठी खोलकर सब प्राणियों को आहार से तृप्त करते हैं।

भजन संहिता 145:18

यहोवा किनके निकट हैं?

यहोवा उन सभी के निकट हैं जो उन्हें पुकारते हैं और उन सभी के जो उन्हें सच्चाई से पुकारते हैं।

भजन संहिता 145:20

यहोवा उन लोगों के लिए क्या करते हैं जो उनसे प्रेम करते हैं?

यहोवा उन सब की रक्षा करते हैं जो उनसे प्रेम करते हैं।

भजन संहिता 145:20 (#2)

यहोवा सब दुष्टों के साथ क्या करेंगे?

वह सब दुष्टों का सत्यानाश करेंगे।

भजन संहिता 146:2

लेखक यहोवा की स्तुति कब तक करता रहेगा?

लेखक यहोवा की स्तुति जीवन भर करता रहेगा।

भजन संहिता 146:3

किसपर किसी को अपना भरोसा नहीं रखना चाहिए?

लोगों को प्रधानों या किसी आदमी पर अपना भरोसा नहीं रखना चाहिए, क्योंकि उनमें उद्धार करने की शक्ति नहीं है।

भजन संहिता 146:4

जब किसी व्यक्ति का प्राण निकलेता है, तब क्या होता है?

जब किसी व्यक्ति का प्राण निकलेता है, तो वह मिट्टी में मिल जाता है; उसी दिन उसकी सब कल्पनाएँ नाश हो जाती हैं।

भजन संहिता 146:5

वह कौन है जो धन्य है?

वह व्यक्ति धन्य है जिसके सहायक याकूब के परमेश्वर हैं, और जिसकी आशा उसके यहोवा परमेश्वर पर है।

भजन संहिता 146:6

यहोवा किस के कर्ता हैं?

यहोवा आकाश, पृथ्वी, समुद्र और उनमें जो कुछ भी है, सब कुछ के कर्ता हैं।

भजन संहिता 146:7

परमेश्वर पिसे हुओं और भूखों के लिए क्या करते हैं?

यहोवा पिसे हुओं का न्याय चुकाते हैं और भूखों को रोटी देते हैं।

भजन संहिता 146:8

यहोवा अंधों को और जो झुके हुए हैं उनके लिए क्या करते हैं?

यहोवा अंधों की आँखें देते हैं, और झुके हुए लोगों को सीधा खड़ा करते हैं।

भजन संहिता 146:9

यहोवा किनकी रक्षा करते हैं?

यहोवा पृथ्वी पर परदेशियों की रक्षा करते हैं।

भजन संहिता 146:10

यहोवा कब तक राज्य करेंगे?

यहोवा सदा के लिये, पीढ़ी-पीढ़ी पर राज्य करेंगे।

भजन संहिता 147:1

यहोवा की प्रशंसा क्यों की जानी चाहिए?

यहोवा की प्रशंसा की जानी चाहिए क्योंकि यह अच्छे, मनभावने और उचित हैं।

भजन संहिता 147:2

यहोवा अपने अनुयायियों की सहायता कैसे करते हैं?

यहोवा यरूशलेम को फिर से बसाने में सहायता करते हैं और इस्राएल के बिखरे हुए लोगों को इकट्ठा करते हैं।

भजन संहिता 147:4

यहोवा तारों को गिनने के बाद क्या करते हैं?

यहोवा तारों की गिनते हैं और उन सभी का नाम रखते हैं।

भजन संहिता 147:5

प्रभु की बुद्धि कितनी महान है?

उनकी बुद्धि अपरम्पार है।

भजन संहिता 147:6

यहोवा दुष्टों के साथ क्या करते हैं?

यहोवा दुष्टों को भूमि पर गिरा देते हैं।

भजन संहिता 147:9

यहोवा पशुओं और कौवों की देखभाल कैसे करते हैं?

यहोवा पशुओं और कौवे के बच्चों को जो पुकारते है आहार देते हैं।

भजन संहिता 147:10

यहोवा किसे नहीं चाहते और उन्हें किसमें कोई प्रसन्नता नहीं मिलती?

यहोवा घोड़े की बल को नहीं चाहतें और उन्हें पुरुष के बलवन्त पैरों में प्रसन्नता नहीं मिलती।

भजन संहिता 147:11

यहोवा किससे प्रसन्नता होते हैं?

यहोवा उन लोगों में प्रसन्नता पाते हैं जो उनके डरवैये हैं और उनकी करुणा में आशा लगाए रखते हैं।

भजन संहिता 147:12–14

यहोवा यरूशलेम के लोगों को किससे तृप्त करते हैं?

यहोवा उन्हें उत्तम गेहूँ से तृप्त करते हैं।

भजन संहिता 147:15

यहोवा की आज्ञा पृथ्वी पर कैसे फैलती हैं?

यहोवा अपनी आज्ञा का पृथ्वी पर प्रचार करते हैं और उनका वचन अति वेग से दौड़ता है।

भजन संहिता 147:17

यहोवा बर्फ को कैसे गिराते हैं?

यहोवा बर्फ को टुकड़े के रूप में गिराते हैं।

भजन संहिता 147:19

यहोवा ने अपना वचन, अपनी विधियाँ और नियम किसे सुनाए?

यहोवा ने अपना वचन याकूब को सुनाया, और अपनी विधियाँ और नियम इस्राएल को दिए।

भजन संहिता 147:20

यहोवा ने अपना वचन, विधियाँ और नियम किस अन्य जाति पर प्रकट किए हैं?

यहोवा ने अपने वचन, विधियों और नियमों को किसी अन्य जाति पर प्रकट नहीं किया है।

भजन संहिता 148:1–2

यहोवा की स्तुति कौन करेगा?

स्वर्ग में सभी, ऊँचे स्थानों में निवास करने वाले, उनके सब दूत और उनकी सेना यहोवा की स्तुति करें।

भजन संहिता 148:3–4

यहोवा की स्तुति कौन करेगा?

सूर्य, चन्द्रमा, ज्योतिमय तारागण, ऊँचे आकाश और आकाश के ऊपरवाले जल यहोवा की स्तुति करें।

भजन संहिता 148:5

यहोवा की स्तुति क्यों की जानी चाहिए?

यहोवा की स्तुति की जानी चाहिए क्योंकि उन्होंने आज्ञा दी और सब कुछ सिरजे गया।

भजन संहिता 148:6

कौन सी विधि कभी नहीं टलेगी?

यहोवा की विधि कभी नहीं टलेगी।

भजन संहिता 148:7–8

पृथ्वी से यहोवा की स्तुति कौन करेगा?

समुद्री अजगरों, सभी गहरे सागर में, अग्नि, ओले, हिम, कुहरे और वायु जो उनके वचन को मानते हैं, यहोवा की स्तुति करें।

भजन संहिता 148:9–10

कौन यहोवा की स्तुति करेगा?

पहाड़, टीले, फलदाई वृक्ष, देवदार, वन-पशुओं और घरेलू पशुओं, रेंगनेवाले जन्तुओं और पक्षी यहोवा की स्तुति करें।

भजन संहिता 148:11–12

और कौन यहोवा की स्तुति करेगा?

राजा, हाकिम, जवान और कुमारियाँ, पुरनिए और बालक यहोवा की स्तुति करेंगे।

भजन संहिता 148:13

यहोवा की स्तुति क्यों की जानी चाहिए?

यहोवा की स्तुति की जानी चाहिए क्योंकि उनका नाम ही महान है और उनका ऐश्वर्य पृथ्वी और आकाशों पर फैला हुआ है।

भजन संहिता 148:14

यहोवा के प्रति वफादार कौन हैं?

इस्राएली और उसके निकट रहने वाले लोग यहोवा के वफादार लोग हैं।

भजन संहिता 149:1

हर किसी को यहोवा की स्तुति कैसे करनी चाहिए?

हर एक को यहोवा के लिए एक नया गीत गाना चाहिए और सभा में उसकी स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 149:2

इस्राएल को किसमें आनन्दित होना चाहिए?

इस्राएल को उस पर आनन्दित होना चाहिए जिसने उन्हें एक जाति बनाया, और अपने राजा पर।

भजन संहिता 149:3

हर किसी को यहोवा की स्तुति कैसे करनी चाहिए?

हर किसी को नाचते हुए यहोवा के नाम की स्तुति करनी चाहिए और डफ और वीणा के साथ उनका भजन गाना चाहिए।

भजन संहिता 149:4

यहोवा किसमें प्रसन्न होते हैं?

यहोवा अपनी प्रजा में प्रसन्न रहते हैं।

भजन संहिता 149:4 (#2)

यहोवा किसे शोभायमान करते हैं?

वह नम्र लोगों को उद्धार के साथ शोभायमान करते हैं।

भजन संहिता 149:5

भक्त लोगों को कैसे प्रफुल्लित होना चाहिए?

भक्त लोगों को विजय में प्रफुल्लित होना चाहिए और आनन्द के लिए गीत गाना चाहिए।

भजन संहिता 149:6

भक्तों के मुँह में क्या होना चाहिए?

उनके मुँह में परमेश्वर की प्रशंसा होनी चाहिए।

भजन संहिता 149:6–7

भक्तों के हाथ में दोधारी तलवार का क्या उद्देश्य है?

उनके हाथ में तलवार जाति-जाति से पलटा लेने और राज्य-राज्य को ताड़ना देने के लिए है।

भजन संहिता 149:8

भक्त अन्य जातियों के राजाओं और प्रतिष्ठित पुरुषों के साथ क्या करेंगे?

वे राजाओं को जंजीरों से और प्रतिष्ठित पुरुषों को लोहे की बेड़ियों से जकड़ देंगे।

भजन संहिता 149:9

जब ठहराया हुआ दण्ड दिया जाएगा, तब किसे प्रतिष्ठित किया जाएगा?

यह उनके सब भक्तों के लिए एक प्रतिष्ठा होगी।

भजन संहिता 150:1

सब को परमेश्वर की स्तुति कहाँ करनी चाहिए?

सब को उनके पवित्रस्थान में और सामर्थ्य से भरे हुए आकाशमण्डल में परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 150:2

हर किसी को किस बात के लिए परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए?

हर किसी को उनके पराक्रमी के कामों और उनकी अत्यन्त बड़ाई के लिए परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 150:3–5

हर किसी को किन वाद्ययंत्रों के साथ परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए?

हर किसी को नरसिंगा, सारंगी, वीणा, डफ, नाचते हुए, तारवाले बाजे और बाँसुरी, और झाँझ के साथ परमेश्वर की स्तुति करनी चाहिए।

भजन संहिता 150:6

यहोवा की स्तुति कौन करेगा?

जितने प्राणी हैं सब के सब यहोवा की स्तुति करें।